# اَلصَّرُتُ أُمُّ الْعُلُومِ وَالنَّحُوُ اَبُوها

# قا نونچرعتانی

مؤلِّف

ابوهسًان مولا نافضل معبودعثما نی فاضل جامعه عثمانیه بیثا ورصدر مرس جامعه ضاءالعلوم ملاح ضلع ائک

جمله حقوق بحق مؤلِّف محفوظ بین ملنے کا پیتہ: جامعہ ضیاء العلوم ملاح اٹک رابط نمبر 0313-9838730

### فهرست

| صفحه | عنوان  | نمبرشمار |
|------|--|----------|
| 1    | مقدمه  | 1        |
| 2    | سداقسام  | 2        |
| 3    | شش اقسام   | 3        |
| 3    | هفت اقسام  | 4        |
| 4    | دواز ده اقسام                                      | 5        |
| 5    | ابواب صحيح   | 6        |
| 32   | ضَرَبُنَ كَى بناء                                  | 7        |
| 32   | ضَرَبُنَ كاپِہلاقانون                              | 8        |
| 32   | ضَرَبُنَ كادوسرا قانون                             | 9        |
| 32   | ضَرَبُتُمْ كى بناء                                 | 10       |
| 33   | ضَرَبُتُمُ اوراَنْتُمُ والاقانُون                  | 11       |
| 33   | ضُرِبَ الخ كي بناء                                 | 12       |
| 33   | ماضی مجهول کا پہلا قا نون                          | 13       |
| 33   | يُضُرَبُ ، تُضُرَبُ ، أُضُرَبُ ، نُضُرَبُ كَل بناء | 14       |
| 33   | مضارع مجهول والاقانون                              | 15       |
| 33   | ضَوَارِبُ کی بناء                                  | 16       |
| 33   | ضُوَيُرِبٌ،ضُوَيُرِبَةٌ كى الله                    | 17       |
| 34   | مده زائده والاقانون                                | 18       |
| 34   | ال تعريفي اوراضا فت والا قانون                     | 19       |
| 34   | نو ن تنوین اورنون خفیفه والا قانون                 | 20       |
| 34   | لَمُ يَضُرِبُ اور لَمُ يُضُرَبُ الخكامَاء          | 21       |
| 35   | نو ن اعرا بي والا قانو ن                           | 22       |
| 35   | ل <b>غلیل</b> لَن یَّضُرِبَ                        | 23       |
| 35   | حروف سرملون والا قانون                             | 24       |



| صفحه | عنوان   | نمبرشمار |
|------|---|----------|
| 36   | ا قلاب، اظهار، اخفاء والا قانون                     | 25       |
| 37   | اِضُرِبُ الخ كى بناء                                | 26       |
| 37   | امرحاضرمعلوم والاقانون                              | 27       |
| 37   | اِضُرِبُنانٌ کی بناء                                | 28       |
| 37   | اجتماع تنين نونات والاقانون                         | 29       |
| 37   | مَضُرِبٌ كَي بناء                                   | 30       |
| 38   | اسم ظرف والا قانون                                  | 31       |
| 39   | مَضَارِيُبُ كَى بناء                                | 32       |
| 39   | ضُورِبَ،مَضَارِيُبُوالاقاثون                        | 33       |
| 39   | ضُرُبَيان کی بناء                                   | 34       |
| 39   | ضُرُبَياتٌ كى بناء                                  | 35       |
| 39   | الف مقصوره والف ممدوده والاقا نون                   | 36       |
| 40   | شَهِدَوالاقانون                                     | 37       |
| 41   | أَبيٰ يأبيٰ والاقانون                               | 38       |
| 41   | شَرَائِثُ كَى بناء                                  | 39       |
| 41   | شَرَائِفُ والاقانُون                                | 40       |
| 42   | يُكُرِمُ ، تُكُرِمُ ، أُكُرِمُ ، نُكُرِمُ كَى بِناء | 41       |
| 42   | ہمز ہ وصلی اور ہمز قطعی والا قانو ن                 | 42       |
| 42   | مضارع معلوم کا پہلا قانون                           | 43       |
| 43   | ماضی مجہول کا دوسرا قانو ن                          | 44       |
| 43   | مضارع معلوم كا دوسرا قا نو ن                        | 45       |
| 43   | تائے مضارعت والا قانون                              | 46       |
| 43   | ماضى مجهول كالتيسرا قانون                           | 47       |
| 43   | إِتَّخَذَ يَتَّخِذُوالاقانُون                       | 48       |
| 44   | سين شين والا قا نو ن                                | 49       |

| مفعه | عنوان  | نمبرشمار |
|------|--|----------|
| 44   | صا د، ضا د، طا ، ظا والا قا نو ن   | 50       |
| 44   | دال، ذال، زاوالا قانون   | 51       |
| 44   | ثاوالا قانون   | 52       |
| 44   | عين كلمه والاقانون   | 53       |
| 45   | حروف شمشى اورحروف قمرى والا قانون  | 54       |
| 45   | لَمْ يَحُمَرَّ ۚ لَمُ يَحُمَر ۚ اللَّهُ يَحُمَرِ رَ ۖ لَمُ يُحُمَرً ۚ لَمُ يُحُمَر ۚ لَمُ يُحُمَر ۚ كَي بناء | 55       |
| 45   | تعليلات وقوانين وابواب مثال  | 56       |
| 45   | عِدَة كَيْعَلِيل   | 57       |
| 45   | عِدَةٌ كا پِهلاقانون   | 58       |
| 46   | عِدَةٌ كا دوسرا قانون بالقامَةٌ والاقانون  | 59       |
| 46   | مِيُعادٌ كَاتَعَلَيْل  | 60       |
| 46   | مِيْعادٌ والا قانون  | 61       |
| 46   | وَعَدتَّ كَى تَعْلِيل  | 62       |
| 46   | <u>وَعَدتَّ والاقاثون</u>  | 63       |
| 47   | أُقَّتَتُ، إِشَاحٌ اور اَدقُرٌ والاقانون   | 64       |
| 47   | يَعِدُ الخ كل تعليل  | 65       |
| 47   | يَعِدُ والاقانون   | 66       |
| 47   | آواعِدُ كَاتْخَلَيْل   | 67       |
| 47   | آو اعدُ والاقانون  | 68       |
| 47   | يَوُجَلُ والاقانون   | 69       |
| 47   | يُوَسَرُ كَى تَعْلِيلَ<br>يُوسَرُ كَى تَعْلِيل   | 70       |
| 48   | يُوُسَرُ والاقاثون   | 71       |
| 49   | تعليلات وقوانين وابواب اجوف  | 72       |
| 49   | قالَ كى <sup>تغل</sup> يل  | 73       |
| 49   | قالَ باعَ والاقانون  | 74       |

| صفحه | عنوان   | نمبرشمار |
|------|---|----------|
| 50   | قُلُنَ كَى تعليل                              | 75       |
| 50   | الثقائے ساکنین والا قانون                     | 76       |
| 51   | قُلُنَ طُلُنَ والاقانُون                      | 77       |
| 51   | خِفُنَ كَالْعَلِيل                            | 78       |
| 51   | خِفُنَ بِعُنَ والا قانون                      | 79       |
| 51   | قِيلَ كَلْعَلِيل                              | 80       |
| 51   | يَقُولُ يَبِيئُعُ والاقانون                   | 81       |
| 51   | قِيُلَ بِيُعَ والاقانون                       | 82       |
| 51   | يَقُولُ الخ كى تعليل                          | 83       |
| 52   | يَقُولُ يَبِيعُ والاقانون                     | 84       |
| 52   | يُقالُ،تُقالُ،اُقالُ،نُقالُ كَاتْعَلَيْل      | 85       |
| 53   | يُقالُ يُباعُ والاقانون                       | 86       |
| 53   | قائِلٌ كَيْعَلِيل                             | 87       |
| 53   | قائِلٌ اور بائِع ٌوالاقانون                   | 88       |
| 53   | قِيالٌ كَنْعَلِيل                             | 89       |
| 53   | قِيالٌ،قِيامٌ اورحِياضٌ والاقانون             | 90       |
| 54   | قُوَيِّلُ <i>اور</i> قُوَيِّلَةً كَى تَعْلِيل | 91       |
| 54   | قُوَيِّلٌ اورمُقَيِّلٌ والاقانون              | 92       |
| 54   | مَقُولٌ كَى تَعْلَيْل                         | 93       |
| 54   | قُولَنَّ كَى تَعْلَيل                         | 94       |
| 54   | قُولَنَّ اوربِيعَنَّ والاقانون                | 95       |
| 56   | تعليلات وقوانين وابواب ناقص                   | 96       |
| 56   | دُعاةً كَلْعَلِيل                             | 97       |
| 56   | دُعاءً اور بَقاءٌ والاقانون                   | 98       |
| 56   | دُعِيَ كَالْعَلَيْل                           | 99       |

| صفحه | عنوان                               | نمبرشمار |
|------|-------------------------------------|----------|
| 56   | دُعِيَ والاقانون                    | 100      |
| 56   | دُعا اور بَقاوالا قانون             | 101      |
| 56   | يَدعُوالخ كي تعليل                  | 102      |
| 56   | يَدعُوُيَرُمِيُ والاقانون           | 103      |
| 57   | يُدُعيٰ كَلِقَلِيل                  | 104      |
| 57   | يُدُعيٰ يُرُضيٰ والاقانون           | 105      |
| 57   | دُعاة كالخليل                       | 106      |
| 57   | دِعِيّ كَاتْعَلِيل                  | 107      |
| 57   | آدلِ اوردِعِيٌ كا پهلاقانون         | 108      |
| 58   | آدلِ اوردِعِیؓ کادوسرا قانون        | 109      |
| 58   | دَواع كى تغليل                      | 110      |
| 58   | لَمْ يَدُعُ لِم يُدُعَ كَالْعَلِيل  | 111      |
| 58   | لَمُ يَدُعُ لم َ يرُم والا قانون    | 112      |
| 58   | لِتُدُعَوُنَ كَلَّعْلِيل            | 113      |
| 58   | لِتُدُعَينَّ كَالْخَلِل             | 114      |
| 58   | لِتُدُعَونَ لِتُدُعَينَ والاقانون   | 115      |
| 58   | دُعُييٰ كَى تَعْلَيْل               | 116      |
| 58   | دُعُييٰ اور تَقُوىٰوالاقانون        | 117      |
| 59   | رَخايا كل تعليل                     | 118      |
| 59   | رَخايا اوراَدَاويٰ والاقانون        | 119      |
| 59   | رُخَى <i> اور</i> رُخَيَّة كل تعليل | 120      |
| 59   | رُخَيٌ اور سَيِّدٌ والاقانون        | 121      |
| 59   | زيادتى فَعُلان والاقانون            | 122      |
| 60   | رَمُو كَى تَعْلَيْل                 | 123      |
| 60   | رَمُوَ والا قَانُون                 | 124      |

| صفحه | عنوان   | نمبرشمار |
|------|---|----------|
| 61   | البواب لفيف   | 125      |
| 62   | تعليلات وقوانين وابواب مهموز                        | 126      |
| 62   | يَأْنِ دُوالا قَانُون                               | 127      |
| 62   | أَمَنَ أُوْمِنَ أَيماناً والاقانون                  | 128      |
| 62   | جُوَّنُ اور مِثَرُّوالا قَانُون                     | 129      |
| 62   | جاءِ ، آيمَةٌ اور آو ادِمُ والاقانون                | 130      |
| 63   | يَسُتَّلُ والا قا نُون                              | 131      |
| 63   | أُفَيِّسٌ ، مَقُرُقَ ﴿ الرَّخَطِيَّةُ والا قَانُونِ | 132      |
| 63   | قِرَءُ يُّ والاقانون                                | 133      |
| 64   | سَمَ يَكَلَ والا قانون                              | 134      |
| 64   | آلحَسَنُ والاقانون                                  | 135      |
| 64   | ءَ قَ ءُ يُّ والا قَانُون                           | 136      |
| 66   | قوا نبين وابواب مضاعف                               | 137      |
| 66   | تَتَرَّ كَ والاقانون                                | 138      |
| 66   | مَدُّ شَدُّ والاقانون                               | 139      |
| 66   | يَمُدُّ والا قانون                                  | 140      |
| 67   | يَمُدُّ والا قانون<br>ابواب مركبات                  | 141      |

# انداز قانونچهٔ عثانی

(۱) سب سے پہلے مقدمہ پڑھایا جاتا ہے جس میں مختصراً علم الصرف کی تعریف ،موضوع ،غرض وغایت ،اہمیت ، واضع ، مدوِّ ن اول اور کتاب کے مصنف کا تعارف کرایا جاتا ہے۔

(۲) پھرسہاقسام،شش اقسام ہفت اقسام اور دواز دہ اقسام پڑھا کریا دکرائی جاتی ہیں۔

(٣) پھر سے کے باب اول کی صرف صغیر پڑھا کر یادکرائی جاتی ہے۔

(۷) پھراس کی تمام کبیریں (صیغہاور معنی کے بغیر) پڑھا کریاد کرائی جاتی ہیں۔

(۵) پھران كبيروں كے صيغے پڑھا كريادكرائے جاتے ہیں۔

(۲) پھران صیغوں کے معانی پڑھا کریا دکرائے جاتے ہیں۔

(۷) پھر باقی پانچ ابواب کی صرف صغیریں طلبہ سے بنوائی جاتی ہیں۔

(٨) پھر سے جاتے ہیں اور باقی ابواب کا ماضی ،مضارع ،اسم فاعل ،اسم مفعول ،فعل نہی اور اسم ظرف پڑھائے جاتے ہیں اور باقی ابحاث طلبہ سے بنوائی جاتی ہیں۔

(۹) پھر سے کی بنائیں اور قوانین پڑھائے جاتے ہیں۔قانون سے پہلے صرف اس کی متعلقہ بناء پڑھائی جاتی ہے۔

(۱۰) پھرمعتل (مثال، اجوف، ناقص، لفیف) کی تعلیلات اور قوانین پڑھائے جاتے ہیں۔قانون سے پہلے صرف اس کی متعلقہ تعلیل پڑھائی جاتی ہے۔

(۱۱) پھرمغتل (مثال،اجوف،ناقص،لفیف) کی صرف صغیریں وکبیریں طلبہ سے بنوائی جاتی ہیں۔

(۱۲) پھرمہموز کی تعلیلات (تخفیفات) اور قوانین پڑھائے جاتے ہیں۔قانون سے پہلے صرف اس کی متعلقہ تعلیل (تخفیف) پڑھائی جاتی ہے۔

(۱۳) پھرمہوز کی صرف صغیریں وکبیریں طلبہ سے بنوائی جاتی ہیں۔

(۱۴) پھرمضاعف کی تعلیلات (ادغام)اور قوانین پڑھائے جاتے ہیں۔قانون سے پہلے صرف اس کی متعلقہ تعلیل (ادغام) پڑھائی جاتی ہے۔

(١۵) پھرمضاعف کی صرف صغیریں وکبیریں طلبہ سے بنوائی جاتی ہیں۔

(١٦) پھر ختلطات ومركبات كى صرف صغيرين وكبيرين طلبہ سے بنوائى جاتى ہيں۔

(۱۷) بیقانونچپدر حقیقت آسان اردوزبان میں کچھ کی بیشی کے ساتھ ارشادالصرف کی تسہیل وتشریح ہے۔

اجراء جا وشم كاكرايا جاتا ہے: الديميدرس في متعلق قرآن وحديث سےدس دس مثاليس نكلوانا

۲۔صرف صغیر وکبیر بنواتے وقت متعلقہ قوا نین جاری کروا کرسنا نا

٣- اجراءز نجيري: جس ميں وزن، چوں،اصل،قانون،صيغه، بحث، باب،سهاقسام،شش اقسام،

مفت اقسام، دواز دہ اقسام، مادہ ،معنی اور لاعلی اتعیین کوئی ایک صرف کبیر پوچھی جاتی ہے۔

٧ قرآن وحديث سي في مستخرجه وحل كروا ناصيغةً وبحثاً وباباً ومعنى \_ (إن نهاء الله نعالي بنوفيول الله عزوجل)

# ﴿بِسُمِ اللهِ الرَّحُمٰنِ الرَّحِيُمِ

أَلْحَمُدُ لِلَّهِ وَكَفِيْ وَالصَّلوةُ وَالسَّلامُ عَلَىٰ مَن لَّانَبِيَّ بَعُدَهُ أَمَّا بَعُدُ:

## مقدمه

علم الصرف شروع كرنے سے پہلے چند باتوں كا جاننا ضروري ہے:

علم الصرف كي تعريف:

علم الصرف وہلم ہے جس کے ذریعے اعلال کے اعتبار سے کلمات کے احوال معلوم ہوتے ہیں۔

علم الصرف كاموضوع:

علم الصرف كاموضوع عربي كلمه بے صیغه اور بنا کے اعتبار ہے۔

علم الصرف كي غرض وغايت:

علم الصرف برا صنے سے مقصود عربی زبان میں ذہن کوصیغہ میں غلطی کرنے سے بچانا ہے۔

علم الصرف كي اہميت:

ہمارے لئے دینی مسائل کا جانا بے حد ضروری ہے اور دینی مسائل قرآن وسنت سے معلوم ہوتے ہیں اور قرآن وسنت کا صحیح معنوں میں سمجھنا جس طرح دیگر علوم عربیہ پرموقوف ہے اسی طرح علم الصرف بھی قرآن وسنت کو سمجھنے میں بنیادی حیثیت رکھتا ہے تی کہ جس سے علم الصرف فوت ہو گیا اس رکھتا ہے تی کہ جس سے علم الصرف فوت ہو گیا اس سے بہت کچھ فوت ہو گیا ہمشہور مفسر قرآن امام رازی رَحِمَهُ اللّهُ فرماتے ہیں کہ علم الصرف کا حصول فرض کفا ہے۔

علم الصرف كا واضع اور مدوِّ ن اول:

علم الصرف كے واضع حضرت على رَضِيَ اللهُ عَنْهُ بين اور مدون اول حضرت امام ابو حنيفه رَحِمَهُ اللهُ بين \_

ارشادالصرف كامصنّف:

اکثر حضرات کے نزدیک ارشادالصرف کے مصنف مولانا خدا بخش شہید ہزاروی رَحِمَهُ اللّهُ بین، انہوں نے بیکتاب امام انقلاب مولانا عبید الله سندهی رَحِمَهُ اللّهُ الله قلات والے بیں۔ مولانا عبدالکریم رَحِمَهُ اللّه قلات والے بیں۔

```
سداقسام
```

كلمه كى تعريف : كلمه وه لفظ كهلاتا ہے جوايك معنى كے لئے وضع كيا كيا ہوجيسے كِتَابٌ۔

كلمه كي قسميس: كلمه كي تين قسميس بين: اسم ، فعل اور حرف إن تين اقسام كو "سها قسام" كيتي بين \_

اسم: وہ کلمہ کہلاتا ہے جوا پنے معنی پر دلالت کرنے میں مستقل ہواوراس میں تین زمانوں (ماضی، حال، استقبال) میں سے کوئی زمانہ نہ پایا جائے جیسے رَجُلٌ (مرد) فَرَسٌ (گھوڑا)۔

فعل: وہ کلمہ کہلاتا ہے جواپنے معنی پر دلالت کرنے میں مستقل ہواوراس میں تین زمانوں میں سے کوئی زمانہ پایا جائے جیسے ضَہ رَبَ (مارااس ایک مردنے گزشتہ زمانہ میں) دَحُرَجَ (لڑھکا یااس ایک مردنے گزشتہ زمانہ میں)

حرف: وہ کلمہ کہلاتا ہے جواپنے معنی پر دلالت کرنے میں دوسرے کلمہ کامختاج ہوجیسے مِنْ (سے) اور إلى (تك) \_

پراسم کی تین قسمیں ہیں: ثلاثی، رباعی اور خماسی

ثلاثى: تين حرفى اسم كوئلا فى كهته بين جيس رَيدُ.

رباعی: چارحرفی اسم كور باعی كهتے بين جيسے جَعُفَر ،

خماسی: پانچ حرفی اسم کوئماس کتے ہیں جیسے سَفَرُجَلٌ ( کھی دانہ )۔

اور فعل كى دوقتمين بين: ثلاثى اوررباعى، ثلاثى جيسے ضَرَبَ اوررباعى جيسے دَحُرَجَ۔

میزان اورموزون: میزان سے مرادایک کلمه کودوسرے کلمه کا ہم وزن بناناہے حروف اصلیہ وحروف زائدہ ،حرکات وسکنات اور شدات و مدات میں ،میزان کے لئے فاعین لام مقرر ہیں اور موزون سے مرادوہ کلمہ ہے جس کاوزن تکالا جائے۔ حروف کی دوشمیں ہیں:حروف اصلیہ اور حروف زائدہ۔

حروف اصليه: وه حروف كهلات بي جوفا عين لام كمقابله مين بون جيس ضَرَبَ بروزن فَعَلَ ـ

حروف زائده: وه حروف كهلات بين جوفا عين لام كمقابله مين نه بول جيب أَكْرَ مَ بروزن أَفْعَلَ مين بمزه

ثلاثى مين تين حروف اصليه موتى بين: فاعين اورايك لام جيس ضَرَبَ بروزن فَعَلَ -

رباعي ميس جارحروف اصليه موتع بين: فاء عين اوردولا مجيس دَحُرَجَ بروزن فَعُلَلَ

اورخماس میں پانچ حروف اصلیہ ہوتے ہیں:فاء عین اور تین لام جیسے جَحُمَرِ شُ (بورُ هی عورت) بروزن فَعُلَلِلٌ۔

# حشش اقسام

پھر ثلاثی، رباعی اور خماسی کی دودو قتمیں ہیں: ثلاثی مجرد، ثلاثی مزید فیہ، رباعی مجرد، رباعی مزید فیہ، خماسی مجرد، خماسی مزید فیہ، ان چھ اقسام کو' دشش اقسام'' کہتے ہیں۔

ثلاثى مجرد: وه بےجس میں تین حروف اصلیہ کے علاوہ کوئی حرف زائد موجود نہ ہوجیسے ضَرَبَ بروزن فَعَلَ۔

ثلاثی مزید فیہ: وہ ہے جس میں تین حروف اصلیہ کے علاوہ کوئی حرف زائد بھی موجود ہوجیسے اُگُرَ مَ بروز ن اَفْعَلَ ،اس میں ہمزہ حرف زائد ہے۔

رباعی مجرد: وه بجس میں چار حروف اصلیہ کے علاوہ کوئی حرف زائدموجود نہ ہوجیسے دَحُرَجَ بروزن فَعُلَلَ۔

رباعی مزید فیہ: وہ ہے جس میں چار حروف اصلیہ کے علاوہ کوئی حرف ذائد بھی موجود ہوجیسے تَدَ حُرَجَ بروزن تَفَعُلَلَ، اس میں "تا"حرف ذائدہے۔

خماسى مجرد:وه ب جس ميں پانچ حروف اصليه عاده كوئى حرف ذائدموجودنه موجيد جَحْمَرِ شٌ بروزن فَعْلَلِلٌ.

خماسى مزيد فيه: وه ہے جس ميں پا چ حروف اصليه كے علاوه كوئى حرف ذاكد بھى موجود بوجيد خَنْدَرِيْسٌ (پرانى گندم) بروزن فَعُلَلِيْلٌ ،اس ميں ' يا' حرف ذاكد ہے۔

### هفتاقسام

پھراسم اور فعل میں سے ہرایک سات قتم پر ہے: سی مثال، اجوف، ناقص، لفیف، مہموز، مضاعف بیرسات اقسام اس شعر میں جمع بیں [شعر] سی مثال است ومضاعف:: لفیف وناقص ومہموز واجوف ان سات قسموں کو' ہفت اقسام' کہتے ہیں۔ سی میں اسم اور فعل کہلاتا ہے جس کے فیا عیدن لام کلمہ کے مقابلہ میں نہ کوئی حرف علت ہو، نہ ہمزہ ہواور نہ دوحروف ایک جنس کے مول جیسے خَدرُ بُ خَدرَ بَروزن فَعُلُ فَعَلَ۔

حروف علت تین ہیں: واو،الف اور پیاجس کا مجموعہ وائے آتا ہے۔

مثال: وہ اسم اور فعل کہلاتا ہے جس کے فاکلمہ کے مقابلہ میں ''واؤ'یا''یا" ہوا گرواو ہوتو مثال واوی اور یا ہوتو مثال یائی کہلاتا ہے جسے وَعُدٌ وَعَدَ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ اور یُسُرٌ یَسَرَ بروزن فُعُلٌ فَعَلَ ۔

ا جوف: وہ اسم اور فعل کہلاتا ہے جس کے عیدن کلمہ کے مقابلہ میں حرف علت ہوا گرواو ہوتو واوی اور یا ہوتو یائی کہلاتا ہے جیسے قوُلٌ قالَ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ اور بَیْعٌ باغ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ ۔

ناقص: وہ اسم اور نعل کہلاتا ہے جس کے لام کلمہ کے مقابلہ میں حرف علت ہوا گرواو ہوتو واوی اور یا ہوتو یائی کہلاتا ہے جیسے دَعُوَ دُّدَ عابروزن فَعُلَّ اَور رَمُی بروزن فَعُل فَعَلَ۔

لفیف: وہ اسم اور فعل کہلاتا ہے جس کے دوحروف اصلی حروف علت ہوں ،اگر دونو ں حروف علت عین اور لام کلمہ کے مقابلہ میں

بول تولفيف مقرون بوگا جيسے طَیُّ طَویٰ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ اورا گرحروف علت فااور لا مِكلمه كے مقابله میں بول تولفیف مفروق بوگا جیسے وَ شُی وَ شیٰ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ ۔

مهموز: وه اسم اورفعل کہلاتا ہے جس کے حروف اصلیہ میں ایک حرف ہمزہ ہو، پھرمہموز کی تین قشمیں ہیں:مہموز الفاء مہموز العین اورمہموز اللام۔

مهموزالفاء:وه ہے جس کے فاکلمہ کے مقابلہ میں ہمزہ ہوجیسے أَمُرٌ أَمَرَ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ ـ

مهموزالعين: وه بجس كيين كلمه كمقابله مين بمزه بوجي سَتُلٌ سَتَلَ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ -

مهموزاللام: وه بجس كالمكلمك عقابله مين بمزه بوجيك قَرْةٌ قَرَة بروزن فَعُلٌ فَعَلَ -

مضاعف: وہ اسم اور فعل کہلاتا ہے جس کے بعض حروف اصلیہ ایک جنس کے ہوں کیکن وہ حروف علت نہ ہوں، پھر مضاعف کی دوقتمیں ہیں: مضاعف ثلاثی اور مضاعف رباعی۔

مضاعف ثلاثى: وه ہے جس كے عين اور لام كلمه كے مقابله ميں دوحروف ايك جنس كے مول جيسے مَدُّ مَدَّ بروزن فَعُلٌ فَعَلَ -

مضاعف رباعی: وہ ہے جس کے فااور لام اول اور عین ولام انی کے مقابلہ میں دوحروف ایک جس کے ہوں جیسے زَلُ نَلُ اللّ بروزن فَعُلَلَ فِعُلالًا۔

پھراسم تین شم پرہے: جامد،مصدر،مشتق

جامد: وه اسم م جس سے وئی کلمہنہ بن سکے جیسے رَجُلٌ ، فَرَسٌ ۔

مصدر: وہ اسم ہے جس سے دوسر کے کمات بن سکیس اور اس کے فارسی معنی کے آخر میں ' ذَنَ ''یا' ' تَنَ اَنَ اَن وَ جِسے اَلے ضَّر بُ (زَدَن، مارنا)، اَلْقَتُلُ (کُشُتَن، قُل کرنا)۔

مشتق: وه اسم ہے جو کسی کلمہ سے بنا ہو جیسے ضارب جو یَضُرِ بُ سے بنا ہے۔

### دواز ده اقسام

واضح رہے کہ عرب ہرمصدرسے بارہ کلمات بناتے ہیں بغل ماضی بغل مضارع، اسم فاعل، اسم مفعول بغل جحد بغل نفی، اسم زمان، اسم مکان، اسم آلداور اسم تفضیل، ان بارہ اقسام کو' دواز دہ اقسام' کہتے ہیں۔

فعل ماضى: وہ فعل کہلاتا ہے جوز مانہ گزشتہ میں کئے ہوئے کام پردلالت کرے جیسے خَربَ (مارااس ایک مرد نے گزشتہ زمانہ میں)۔ فعل مضارع: وہ فعل کہلاتا ہے جوز مانہ موجودہ یاز مانہ آئندہ میں کسی کام کے کرنے یا ہونے پردلالت کرے جیسے یَہ نے (مارتا ہے یا مارے گاوہ ایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں)۔

اسم فاعل: وه اسم كهلاتا ب جوكام كرنے والے بردلالت كرے جيسے ضارِبٌ (مارنے والا ايك مرد)۔

اسم مفعول: وه اسم كهلاتا ہے جواليي ذات پر دلالت كرے جس پر فعل واقع كيا گيا ہوجيسے مَضُرُوبٌ (مارا ہواايك مرد) \_

فعل جحد: وہ فعل کہلاتا ہے جوز مانہ گزشتہ میں کسی فعل سے انکار کرنے پر دلالت کرے جیسے لَم یَضُدِبُ (نہیں مارااس ایک مرد نے گزشتہ زمانہ میں )۔

فعل نفی: وہ فعل کہلاتا ہے جوز مانہ آئندہ میں کسی کام کے نہ ہونے پر دلالت کرے جیسے آن یَّن خُرِبَ (ہرگزنہیں مارے گاوہ ایک مرد آئندہ زمانہ میں)۔

فعل امر: وہ فعل کہلاتا ہے جوز مانہ آئندہ میں طلب فعل پر دلالت کرے جیسے اِخُد بُ (مارتوایک مردآئندہ زمانہ میں )۔

فعل نہی: وہ عل کہلاتا ہے جوز مانہ آئندہ میں کام کرنے سے ممانعت پر دلالت کرے جیسے لاتَضُدِبُ (نہ مارتوایک مردآئندہ زمانہ میں)۔

اسم زمان: وہ اسم کہلاتا ہے جوکام کرنے یا ہونے کے وقت پر دلالت کرے جیسے مَخْس بٌ (مارنے کا ایک وقت )۔

اسم مكان: وه اسم كهلاتا ب جوكام كرنے يا ہونے كے مكان پر دلالت كرے جيسے مَضُربٌ (مارنے كى ايك جگه)۔

اسم آله: وه اسم كهلا تاب جوكام كرنے كذريعه پردلالت كرے جيسے مِضُرَبٌ (مارنے كاايك آله)-

استم نفضیل:وہ اسم کہلاتا ہے جودوسرے کی بنسبت زیادہ کام کرنے والے پر دلالت کرے جیسے اَضُرَبُ (زیادہ مارنے والا ایک مرد)۔

# ابواب وابنيه وقوانين صحيح

فائدہ بھیجے کے ثلاثی مجرد کے چھابواب، ثلاثی مزید فیہ کے بارہ ابواب، رباعی مجرد کاایک باب اور رباعی مزید فیہ کے نین ابواب ہیں جب کہ معتل، مہموز اور مضاعف سے ان میں بعض ابواب مستعمل ہیں اور بعض غیر مستعمل۔

### باب اول صرف صغير ثلاثي مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوںالصَّرُبُ زدن مارنا

ضَرَبَ يَضُرِبُ ضَرُباً فَهُوضَارِبٌ وَضُرِبَ يُضُرَبُ ضَرُباً فَلَا يَضُرِبُ لَيُضُرَبُ وَالنَّهُى مِنهُ لا تَضُرِبُ لا تُضُرِبُ لا يَضُرِبُ لا يُضُرَبُ لا تَضُرِبُ لا يُضُرَبُ لا يُضُرَبُ لا يُضُرَبُ لا يُضُرَبُ وَالنَّهُى مِنهُ لا تَضُرِبُ مَضُرِبٌ مَضُرِبُ مَضَيرِ به مُضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مِضَرَبٌ لا يَضُرِبُنَ لا يُصُرِبُ وَاللَّلُ مُضَيرِبٌ مَضُرِبًا وَمُؤَلِبُ مَضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مَضُرَبٌ مَضَرَبًا وَمُصَارِبُ مُضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مَصُرَبًا وَمُصَارِبُ مُضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مَضَرَبٌ مَضَربًا وَمَصَارِبُ مُضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مَصُربًا وَمُؤَلِبٌ مَضَارِبُ مُضَيرِبٌ وَالْآلَةُ مِنهُ مَصُربًا وَمُؤَلُ التَّفُومِيلِ مَضَارِبُ مُضَيرِبٌ مَضَارِبُ مُضَيرِبٌ وَالْمُؤَنَّ مِنهُ صُربًا وَالمُؤَنَّ مِنهُ مَصُربًا وَمُورُبُ وَصُربُ وَصُربُ وَصُربَ وَصُربُ وَصُربُ وَصُربُ وَصُربُ وَصُربُ وَصَربُ وَصَربُ وَصُربُ وَصُربُ وَصَربُ وَسَارِبُ وَمَلُ التَعْمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَقُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَالْمُونُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلِهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ ولَا اللَّهُ وَالْمُونُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ واللَّهُ واللَّهُ واللَّهُ واللَّهُ وا

| باب اول صرف كبيربحث مثبت فعل ماضى معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |              |  |
|--|----------------------------|--------------|--|
| معنی   | صيغه                       | گردان        |  |
| مارا اُس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكرغا ئب             | ضَرَبَ       |  |
| مارا اُن دومر دوں نے گزشته زمانه میں   | تثنيه مذكرغائب             | ضَرَبَا      |  |
| ماراان سب مردوں نے گزشته زمانه میں   | جمع مذكرعائب               | ضَرَبُوا     |  |
| مارااس ایک عورت نے گزشته زمانه میں   | واحدمؤنث غائب              | ضَرَبَتُ     |  |
| ماراان دوعورتوں نے گزشته زمانه میں   | تثنيه مؤنث غائب            | ضَرَبَتَا    |  |
| ماراان سب عورتوں نے گزشته زمانه میں  | جمع مؤنث غائب              | ضَرَبُنَ     |  |
| مارا توایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكر مخاطب            | ضَرَبُتَ     |  |
| ماراتم دومردوں نے گزشتەز مانەمیں   | تثنيه م <i>ذكر مخاط</i> ب  | ضَرَ بُتُمَا |  |
| ماراتم سب مردوں نے گزشتہ زمانہ میں   | جمع مذكر مخاطب             | ضَرَابُتُمُ  |  |
| مارا توا یک عورت نے گزشته زمانه میں  | واحدمؤنث مخاطب             | ضَرَبُتِ     |  |
| ماراتم دوعورتوں نے گزشتەز مانەمیں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | ضَرَبُتُمَا  |  |
| ماراتم سب عورتوں نے گزشتہ زمانہ میں  | جمع مؤنث مخاطب             | ضَرَبُتُنَّ  |  |
| مارامیں ایک مردیا ایک عورت نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | ضَرَبُتُ     |  |
| مارا ہم دومردوں یا دوعورتوں یا سب مردوں یا سب عورتوں نے گز شتہ ز مانہ میں                                | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | ضَرَبُنَا    |  |
| ضى مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                | ف كبيربحث مثبت فعل ما      | باب اول صر   |  |
| معنی   | صيغه                       | گردان        |  |
| مارا گیاوه ایک مردگز شته ز مانه میں  | واحدمذ كرعائب              | ضُرِبَ       |  |
| مارے گئے وہ دومر دگز شتہ زیانہ میں   | تثنيه فدكرغائب             | ضُرِبَا      |  |
| مارے گئے وہ سب مردگز شتہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب              | ضُرِبُوُا    |  |
| ماری گئی و ہ ایک عورت گزشته زمانه میں  | واحدمؤنث غائب              | ڞؙڔڹؘۘۘۘ     |  |
| ماری گئیں وہ دوعور تیں گزشته زمانه میں   | تثنيه مؤنث غائب            | ضُٰڔبَتَا    |  |
| ماری گئیں وہ سبعور تیں گزشته ز مانه میں  | جمع مؤنث غائب              | ضُرِبُنَ     |  |
|  |                            |              |  |

|   | 1 th. Co                    | و              |
|---|-----------------------------|----------------|
| مارا گیا توایک مردگز شته زمانه میں  | واحد مذكر مخاطب             | ضُرِبُتَ       |
| مارے گئےتم دومردگز شتہز مانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب            | ضُرِبُتُمَا    |
| مارے گئےتم سب مردگز شتہ زمانہ میں   | جمع مذكر مخاطب              | ضُرِبُتُمُ     |
| ماری گئی توایک عورت گزشته زمانه میں   | واحدمؤ نث مخاطب             | ڞؙڔڹؙؾؚ        |
| ماری گئیستم دوعورتیں گزشته ز مانه میں   | تثنيه مؤنث مخاطب            | ضُرِبُتُمَا    |
| ماری گئیستم سب عورتیں گزشته زمانه میں   | جمع مؤنث مخاطب              | ڞؗڔڹؗؾؙڹۜ      |
| مارا گیامیں ایک مردیا ایک عورت گزشته زمانه میں                                | واحديذ كرومؤنث متكلم        | ضُرِبُثُ       |
| مارے گئے ہم دومر دیا دوعور تیں یا سب مردیا سب عور تیں گزشته زمانه میں         | تثننيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | ضُرِبُنَا      |
| غى معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا    | كبيربحث منفى فعل ماه        | باب اول صرف    |
| معتی  | صيغه                        | گردان          |
| نہیں مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكر غائب              | مَاضَرَبَ      |
| نہیں ماراان دومر دوں نے گز شتەز مانە میں                                      | نثنیه فد کرغائب             | مَاضَرَبَا     |
| نہیں ماراان سب مردوں نے گزشته ز مانه میں                                      | جمع مذكر غائب               | مَاضَرَبُوُا   |
| نہیں مارااس ایک عورت نے گزشته زمانه میں                                       | واحدمؤنث غائب               | مَاضَرَبَتُ    |
| نہیں ماراان دوعورتوں نے گزشتەز مانەمیں  | تثنيه مؤنث غائب             | ماضَرَبَتَا    |
| نہیں ماراان سب عورتوں نے گزشتہ ز مانہ میں                                     | جمع مؤنث غائب               | مَاضَرَبُنَ    |
| نہیں مارا توایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكر مخاطب             | مَاضَرَبُتَ    |
| نہیں ماراتم دومردوں نے گزشتەز مانەمیں   | تثنيه مذكر مخاطب            | مَاضَرَبُتُمَا |
| نہیں ماراتم سب مردوں نے گزشته زمانه میں                                       | جمع مذكر مخاطب              | مَاضَرَبُتُمُ  |
| نہیں مارا تو ایک عورت نے گزشتہ زمانہ میں                                      | واحدمؤنث مخاطب              | مَاضَرَبُتِ    |
| نہیں ماراتم دوعورتوں نے گزشتەز مانەمیں  | ·نثنيه مؤنث مخاطب           | مَاضَرَبُتُمَا |
| نہیں ماراتم سبعورتوں نے گزشتەز ماندمیں  | جمع مؤنث مخاطب              | مَاضَرَبُتُنَّ |
| نہیں مارامیں ایک مردیا ایک عورت نے گزشته زمانه میں                            | واحد مذكرومؤنث متكلم        | مَاضَرَبُتُ    |
| نہیں مارا ہم دومردوں یا دوعورتوں یا سب مردوں یا سب عورتوں نے گزشته ز مانه میں | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم  | مَاضَرَبُنَا   |

| ضى معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا_     | کبیربحث منفی فعل ماد        | باب اول صرف    |
|--|-----------------------------|----------------|
| معنی   | صيغه                        | گردان          |
| نہیں مارا گیاوہ ایک مردگز شنۃ زمانہ میں  | واحد مذكر غائب              | مَاضُرِبَ      |
| نہیں مارے گئے وہ دومر دگز شتہ زیانہ میں  | تثنيه فدكرغائب              | مَاضُرِبَا     |
| نہیں مارے گئے وہ سب مردگز شتہ زیانہ میں  | جمع مذكر غائب               | مَاضُرِبُوُا   |
| نهیں ماری گئی وہ ایک عورت گزشته زیانہ میں                                      | واحدمؤنث غائب               | مَاضُرِبَتُ    |
| نهیں ماری گئیں وہ دوعور تیں گز شتہ ز مانہ میں                                  | تثنيه مؤنث غائب             | مَاضُرِبَتَا   |
| نہیں ماری گئیں وہ سب عور تیں گزشته ز مانہ میں                                  | جمع مؤنث غائب               | مَاضُرِبُنَ    |
| نہیں مارا گیا توایک مردگز شنہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب             | مَاضُرِبُتَ    |
| نہیں مارے گئےتم دومردگز شتہ زمانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب            | مَاضُرِبُتُمَا |
| نہیں مارے گئےتم سب مردگز شتہ زمانہ میں   | جمع مذكر مخاطب              | مَاضُرِبُتُمُ  |
| نہیں ماری گئی تو ایک عورت گزشته زمانه میں                                      | واحدمؤ نث مخاطب             | مَاضُرِبُتِ    |
| نہیں ماری گئیںتم دوعورتیں گزشته ز مانه میں                                     | تثنيه مؤنث مخاطب            | مَاضُرِبُتُمَا |
| نہیں ماری گئیںتم سبعورتیں گزشته ز مانه میں                                     | جمع مؤنث مخاطب              | مَاضُرِبُتُنَّ |
| نہیں مارا گیا میں ایک مردیا ایک عورت گزشته زمانه میں                           | واحد مذكر ومؤنث متكلم       | مَاضُرِبُتُ    |
| نہیں مارے گئے ہم دومر دیا دوعور تیں یا سب مردیا سب عور تیں گز شتہ زمانہ میں    | تثنيه وجمع مذكر ومؤنث متكلم | مَاضُرِبُنَا   |
| سَارِع معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِون أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا | كبيربحث مثبت فعل مظ         | باب اول صرف    |
| معنی   | صيغه                        | گردان          |
| مارتاہے یامارے گاوہ ایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                           | واحد مذكر غائب              | يَضُرِبُ       |
| مارتے ہیں میاماریں گےوہ دومر دموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                        | تثنیه مذکر غائب             | يَضُرِبَان     |
| مارتے ہیں یا ماریں گےوہ سب مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                        | جع مذكر غائب                | يَضُرِبُوُنَ   |
| مارتی ہے یا مارے گی وہ ایک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                      | واحدمؤنث غائب               | تَضُرِبُ       |
| مارتی ہیں یاماریں گی وہ دوعورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                     | تثنيهمؤنث غائب              | تَضُرِبَان     |
| مارتی ہیں یاماریں گی وہ سب عورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                    | جع مؤنث غائب                | يَضُرِبُنَ     |

| مارتاہے یا مارے گا توایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | تَضُرِبُ     |
|---|----------------------------|--------------|
| مارتے ہیں یاماریں گےتم دومر دموجودہ یا آئندہ زمانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب           | تَضُرِبَان   |
| مارتے ہیں یاماریں گےتم سب مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر مخاطب             | تَضُرِبُوۡنَ |
| مارتی ہے یا مارے گی توایک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤ نث مخاطب            | تَضُرِبِيُنَ |
| مارتی ہیں یا ماریس گیتم دوعورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | تَضُرِبَان   |
| مارتی ہیں یا ماریں گئتم سب عورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں   | جمع مؤنث مخاطب             | تَضُرِبُنَ   |
| مارتا ہوں یا ماروں گا میں ایک مردیا ایک عورت موجودہ یا آئندہ زیانہ میں                              | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | أُضُرِبُ     |
| مارتے ہیں یاماریں گے ہم دومر دیا دوعورتیں یاسب مردیا سب عورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں            | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | نَضُرِبُ     |
| مضارع مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                        | رف کبیربحث مثبت فعل ہ      | باب اول ص    |
| معتی  | صيغه                       | گردان        |
| ماراجا تاہے یا ماراجائے گاوہ ایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                       | واحد مذكر غائب             | يُضُرَبُ     |
| مارے جاتے ہیں یا مارے جائیں گےوہ دومر دموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                   | تثنيه مذكر غائب            | يُضُرَبَان   |
| مارے جاتے ہیں یا مارے جائیں گےوہ سب مردموجودہ یا آئندہ زیانہ میں                                    | جمع مذكر غائب              | يُضُرَبُونَ  |
| ماری جاتی ہے یاماری جائے گی وہ ایک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | واحدمؤنث غائب              | تُضُرَبُ     |
| ماری جاتی ہیں یا ماری جائیں گی وہ دوعورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                | تثنيه مؤنث غائب            | تُضُرَبَان   |
| ماری جاتی ہیں یا ماری جائیں گی وہ سب عورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                              | جمع مؤنث غائب              | يُضُرَبُنَ   |
| ماراجاتا ہے یاماراجائے گا توایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب            | تُضُرَبُ     |
| مارے جاتے ہیں یامارے جائیں گئم دومر دموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                      | تثنيه مذكر مخاطب           | تُضُرَبَان   |
| مارے جاتے ہیں یامارے جائیں گئم سب مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                      | جمع مذكر مخاطب             | تُضُرَبُوُنَ |
| ماری جاتی ہے یا ماری جائے گی توایک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | واحدمؤ نث مخاطب            | تُضُرَبِيُنَ |
| ماری جاتی ہیں یا ماری جائیں گئتم دوعورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                | تثنية مؤنث مخاطب           | تُضُرَبَان   |
| ماری جاتی ہیں یا ماری جا ئیں گیتم سب عورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                              | جمع مؤنث مخاطب             | تُضُرَبُنَ   |
| ماراجا تا ہوں یاماراجا ؤں گامیں ایک مردیا ایک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                        | واحد مذكرومؤنث متكلم       | أُضُرَبُ     |
| مارے جاتے ہیں یا مارے جا کیں گے ہم دومر دیا دوعورتیں یاسب مردیا سب عورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | نُضُرَبُ     |

| باب اول صرف كبيربحث اسم فاعل ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |               |                       |
|---|---------------|-----------------------|
| معتی  | صيغه          | گردان                 |
| مارنے والا ایک مرد  | واحدندكر      | ضَارِبٌ               |
| مارنے والے دومر د   | تثنيه مذكر    | ضَارِبَان             |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكرسا لم   | ضَارِبُوُنَ           |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ضَرَبَةٌ              |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ضُرَّابٌ              |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ۻ۫ڗؙۘۘۘٞ              |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ۻؗ۫ۯؙؙۘ               |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ضَرَبٌ                |
| مارنے والےسب مرد  | جمع ذكر مكسر  | ضُرَبَاءُ             |
| مارنے والےسب مرد  | جمع ذكر مكسر  | ضُرُبَانٌ             |
| مارنے والےسب مرد  | جمع ذكر مكسر  | ۻؚڔٙٳڹۨ               |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | ·<br>ضُرُوبٌ          |
| مارنے والےسب مرد  | جع ذكر مكسر   | أَضُرَابٌ             |
| مارنے والی ایک عورت   | واحدمؤنث      | ضَارِبَةٌ             |
| مارنے والی دوعور تیں  | تثنيه مؤنث    | ضَارِبَتَان           |
| مارنے والی سب عورتیں  | جمع مؤنث سالم | ضَارِبَاتُ            |
| مارنے والی سب عورتیں  | جمع مؤنث مکسر | ضَوَارِبُ             |
| مارنے والی سب عورتیں  | جمع مؤنث مكسر | <sup>'</sup> صَّرَّبُ |
| ایک مرد تھوڑ امار نے والا   | واحد ذكرمصغر  | ڞؘؙۏٙؽڔؚٮؙ            |
| ایک عورت تھوڑ امار نے والی  | واحدمؤنث مصغر | ضُوَيُرِبَةٌ          |

فَاكُده: ضارِبٌ ضارِبانِ ضارِبُونَ ضارِبَةٌ ضارِبَتَانِ ضارِباتٌ والاوزان تمام مصاور ع آتے ہیں جب کہ باقی اوزان مخصوص الفاظ سے آتے ہیں۔

| باب اول صرف كبيربحث اسم مفعول ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                    |               |  |
|--|--------------------|---------------|--|
| معنی   | صيغہ               | گردان         |  |
| مارا ہواایک مرد  | واحدمذكر           | مَضُرُوُبٌ    |  |
| مارے ہوئے دوم د  | شنیه فد کر         | مَضُرُوۡبَان  |  |
| مارے ہوئے سب مرد   | جع ذكرسالم         | مَضُرُوبُونَ  |  |
| ماری ہوئی ایک عورت   | واحدمؤنث           | مَضُرُوۡبَةٌ  |  |
| ماری ہوئیں دوعورتیں  | شنبيه مؤنث         | مَضُرُوبَتَان |  |
| ماري ہو ئيں سب عور تنیں  | جمع مؤنث سالم      | مَضٰرُوۡبَاتُ |  |
| مارے ہوئے سب مردیا سب عورتیں   | جمع مذكرومؤنث مكسر | مَضَارِيُبُ   |  |
| ا یک مر دتھوڑ امارا ہوا  | واحد مذكر مصغر     | مُضَيُرِيُبُ  |  |
| ا يک عورت تھوڑي ماري ہوئي  | واحدمؤ نث مصغر     | مُضَيرِيبَةٌ  |  |
| زان اسم مبالغه ثلاثى مجردصحيح  | او                 |               |  |
| معنی   | صيغه               | اوزان         |  |
| بهت بخشنے والا ایک مر د  | واحدمذكر           | غَفّارٌ       |  |
| بهت بخشنے والا ایک مر د  | واحدمذكر           | غَفُورٌ       |  |
| بہت جاننے والا ایک مر د  | واحدمذكر           | عَلَّامَةٌ    |  |
| بہت رحم کرنے والا ایک مرد  | واحدمذكر           | رَحُمَانٌ     |  |
| بهت پاک ایک مرد  | واحدمذكر           | قُدُّوُسٌ     |  |
| بہت شکر کرنے والا ایک مرد  | واحدمذكر           | شَكُورٌ       |  |
| بہت رحم کرنے والا ایک مرد  | واحدمذكر           | رَحِيْمٌ      |  |
| ماد د د د د د د د د د د د د د د د د د د  |                    |               |  |

فائدہ: مبالغہ کے صیغوں میں اکثر مذکر اور مؤنث میساں ہوتے ہیں چنانچہ عَلَّا مَةٌ مَذکر اور مؤنث دونوں کے لئے آتا ہے۔

| باب ششم صرف كبيربحث صفت مشبه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعُلَ يَفْعُلُ چوں اُلشِّرُفُ بزرگ شدن عزت والاهونا |                     |              |
|--|---------------------|--------------|
| معتی   | صيغه                | گردان        |
| ا يك مر دعزت والا  | واحدندكر            | شَرِيُڤُ     |
| دوم دعزت والے  | تثنیه م <i>ذ</i> کر | شَرِيُفَان   |
| سبمردعزت والے  | جع ذكرسالم          | شَرِيُفُونَ  |
| سبمردعزت والے  | جمع فدكر مكسر       | شُرَفَاءُ    |
| سبمردعزت والے  | جمع ذكر مكسر        | شُرُفَانٌ    |
| سبمردعزت والے  | جمع مذكر مكسر       | ۺؚۯؙڣؘٲڹ۠    |
| سبمردعزت والے  | جمع ذكر مكسر        | شِرَافٌ      |
| سبمردعزت والے  | جمع ذكر مكسر        | شُرُونُ      |
| سبمردعزت والے  | جمع فدكر مكسر       | شُرُفٌ       |
| سبمردعزت والے  | جمع ذكر مكسر        | أَشُرَافٌ    |
| سبمردعزت والے  | جمع فدكر مكسر       | أَشُرِفَاءُ  |
| سبمردعزت والے  | جمع ذكر مكسر        | أَشُرِفَةٌ   |
| ایکے عورت عزت الی  | واحدمؤنث            | شَرِيُفَةٌ   |
| دوعورتيںعزت والی   | تثنيه مؤنث          | شَرِيُفَتَان |
| سب عور تيں عزت والي  | جمع مؤنث سالم       | شَرِيُفَاتُ  |
| سب عور تيں عزت والی  | جمع مؤنث مكسر       | شَرَائِثُ    |
| ا یک مر د تھوڑی عزت والا   | واحد مذكر مصغر      | شُرَيِّفٌ    |
| ایک عورت تھوڑی عزت والی  | واحدمؤنث مصغر       | شُرَيِّفَةٌ  |

| الم يَضُرِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ  | باب اول صرف كبيربحث فعل جحدمعلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |                  |
|---|--|----------------------------|------------------|
| لَمْ يَضُرِبُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُوا الْمَرْفُولُوا الْمَالِمُ وَوَلَوْلُوا الْمَرْفُولُوا الْمَرْفُولُوا الْمَرْفُولُوا الْمَرْفُولُوا الْمَرْفُولُوا اللَّهِ اللَّهُ الل | معنی   |                            |                  |
| لَمْ يَضُرِبُوا اللّٰهِ عَلَىٰ اللّٰهِ اللهِ اللهُ ال | نہیں مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں   | واحد مذكر غائب             | لم يَضُرِبُ      |
| لَمْ تَضُرِبُ واحد مؤت فائب بَهِي مارااس ایک مورت نے گزشت زماندیل الم تَضُربَ شَیْنِ مؤت فائب بَهِی مارااس ایک مورت نے گزشت زماندیل الم تَضُربَنُ بَنِ مؤت فائب بِی المراان سب مورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربَنُ واحد مؤت فائب بِی المراق ایک مرد نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَي مُرتاطب بِی المراق ایک مرد نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَي مُرتاطب بِی المراق ایک مورت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَی مُرتاطب بِی المراق ایک مورت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤرت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤرت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَثَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤرت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُونَ خَتَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤرت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُونَ خَتَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤرت نے گزشت زماندیل الم تَضُربُونَ خَتَی مؤت خاطب بِی المراق ورودولوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُونَ خَتَی مؤت خاطب بِی المراق ورودولوں ایک مردولوں نے گزشت زماندیل الم تَشْدِ وَتَی مؤت خاطب بِی المراق ایک مؤردولوں نے گزشت زماندیل الم وردولوں نے سب مردولوں نے گزشت زماندیل کے دوردولوں نے گزشت زماندیل کے دوردولوں نے گزشت زماندیل کے دوردولوں نے کردشت زماندیل کے دوردولوں نے کردشت زماندیل کے دوردولوں  | نہیں ماراان دومر دوں نے گزشته ز مانه میں   | تثنیه <b>ند</b> کرغائب     | لم يَضُرِبَا     |
| لَمْ تَضُرِبَا حَثْنِهُ مَوْنَ عَائِب فَيْسِ ماراان دو وورون نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُ بَعْنَ مَوْنَ عَائِب فَيْسِ ماراان سب ورقول نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُ واحد فَرَكُو عَاطِب فَيْسِ ماراتم دومر دول نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُوا حَثْنِهُ مَرَى عَاطِب فَيْسِ ماراتم دومر دول نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُوا حَثْنِهُ مَرَى عَاطِب فَيْسِ ماراتم سبورقول نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُوا حَثْنَهُ مَنْ مَعْنَ عَاطِب فَيْسِ ماراتم دومورول نَ كَرْشَةِ زمانه بِلَى اللهِ تَضُرِبُوا حَثْنَهُ مَانِ اللهِ تَصُرِبُوا مَنْ مَعْنَ عَالَمُ اللهِ مَنْ مَعْنَ عَلَيْهِ فَيْسِ مَرِولُ مَانِ مَالِهُ مَنْ مَعْنَ مَعْنَ عَلَيْهِ فَيْسِ مَرِولُ مَانِ اللهِ مَنْ مَعْنَ مَعْنَ عَلَيْهِ فَيْسِ مَرِولُ مَانِ اللهِ مَنْ مَعْنَ مَعْنِ مَعْنَ مَعْنِ مَعْنَ مُولِولُ مَانِ مَعْنَ مَا مَنِ مَالِمَ اللهِ والمَالِي ووروسُ مِولَ مَنْ مَانِ مَعْنَ مَنْ مَنْ مَانَ مَعْنَ مَانِ مَعْنَ مَانِ مَنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَنْ مَانِ مَعْنَ مَانِ مَعْنَ مَانِ مَعْنَ مَانِ مَعْنَ مَانِ مَانِ مُولِولُ مَانِ مَانِ مَعْنَ مَانَ مَنْ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مُولِ مَنْ مَانَ مَنْ مَانِ مَانَ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَعُولُ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مُنْ مَانَ مَانِ مَانَعُ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانِ مَانَ مَانَ مَانَ  | نہیں ماراان سب مردوں نے گزشته زمانه میں  | جمع مذكر غائب              | لم يَضُرِبُوُا   |
| لَمْ يَضُرِبُنَ تَنْ مُوَنِ عَائِبِ نَبِي مِادِالان سِبُودِوَ لِ فَكَرْشِةِ دَائِيْ لِللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله | نہیں مارااس ایک عورت نے گزشتہ زمانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لم تَضُرِبُ      |
| لَمْ تَضُربُوا حَرَاتُ وَاحد المَركُونَا طِبِ خَبِينِ مِاداتُوا يَكِ مُرونَ لَ نُرْشِيْ وَالْمَدِ اللهُ مَنْ اللهُ وَمِر وَول فَ كُرْشَيْ وَاللهُ مِلْ اللهُ تَضُربُوا حَبِينَ اللهُ مَنْ اللهُ مِنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ  | نہیں ماراان دوعورتوں نے گزشتەز مانەمیں   | تثنيه مؤنث غائب            | لم تَضُرِبَا     |
| لَمْ تَضُرِبُوا حَنْ فَرَوْاطِب فَيْسِ ماراتم دومردوں نے گزشت زماندیں الم تَضُربُوا حَنْ فَرَوَاطِب فَیْسِ ماراتم سب ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُوا حَنْ فَرَوْاطِب فَیْسِ ماراتم سب ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربَا حَنْ مَنْ مُونَ فَیْ فَاطِب فَیْسِ ماراتم دو ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُن حَنْ مُونَ فَاطِب فَیْسِ ماراتم سب ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُن حَنْ مُون فَاطِب فَیْسِ ماراتم سب ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُن حَنْ فَرَدُومُون فَیْسِ ماراتم رومردوں یا دو ورقوں نے گزشت زماندیل الم تَضُربُ حَنْ فَرَرومُون فَیْسِ مَنْ مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوَنُ مارنا الله محرد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوَنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوْنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوْنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوْنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوْنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ زَوْنُ مارنا الله مُورد صحیح ازباب فَعْلَ یَفْعِلُ چوں اَلْصَرُبُ وَلَوْنَ مارنا الله مُورد مُورد مُورد مُورد مُورد مُورد مارد مُورد مُورد مُورد مُورد مُورد مُورد مارد مُورد مارد میں مورد مورد میں مورد میں مورد میں مورد میں مورد میں مورد میں مورد مورد مورد میں مورد مورد مورد مورد میں مورد مورد مورد مورد مورد مورد مورد مورد  | نہیں ماراان سب عورتوں نے گزشته زمانه میں   | جمع مؤنث غائب              | لم يَضُرِبُنَ    |
| لَمْ تَضُريُوا جَعَ هَرَمُواطب نَيْسِ ماراتم سبورتوں نے گزشت زماندیں الم تَضُریون واصدموَث خاطب نیس ماراتو ایک ورت نے گزشت زماندیں لم تَضُریون شین مون خاطب نیس ماراتم دو ورتوں نے گزشت زماندیں لم تَضُریون جع مون خاطب نیس ماراتم سبورتوں نے گزشت زماندیں لم تَضُریون واصد هَرومون خاطب نیس ماراتم سبورتوں نے گزشت زماندیں لم اَضُری مون خاطب نیس مارائی موروتوں ایک مریا ایک ورت نے گزشت زماندیں لم اَضُری مون خاطب نیس مارائی موروتوں یا سب مردوں یا سب مورتوں نے گزشت زماندیں لم نیضُون مارنا موروان یا سب مردوں یا سبورتوں نے گزشت زماندیں الم یُنس موروس کی موروس کی موروس کے موروس کی کی موروس کی کی موروس کی کوروس کی کوروس کی موروس کی کی کی کی کوروس کی کوروس کی  | نہیں مارا تو ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكر مخاطب            | لم تَضُرِبُ      |
| لَمْ تَضُرِبِنَ واحد مَوْنَ ثَاطِب نَهِ مِن اراتوا يَكُورت فَكَرْ شَدْ زاند مِن اللهِ تَضُرِبَنَ عَنْ طِب اللهِ تَضُرِبُنَ عَنْ عَاطِب اللهِ عَنْ مَوْرة واللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ ال | نہیں ماراتم دومردوں نے گزشتہ ز مانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب           | لم تَضُرِبَا     |
| لَمْ تَضُرِبَا حَثْنِهُ وَنَ ثَاطِب اللهِ عَلَيْ مُونَ وَاللهِ عَلَا اللهِ عَلَيْ اللهُ ووورتوں نَ كَرْشَةِ ذَا نَهُ عِلَى لَمْ تَضُرِبُنَ اللهُ عَلَيْ مُونَ وَاللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلِي اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُلِي اللهُ ا | نہیں ماراتم سب عورتوں نے گزشتہ ز مانہ میں  | جمع مذكر مخاطب             | لم تَضُرِبُوُا   |
| لَمْ تَضُرِبُنَ جَعْمُ وَنَ مُعْاطِب نَيْسِ ماراتم سبعورتوں نِيْرُ شَدَن ما نَيْسِ اللهِ مَسْبعورتوں نِيْرُ فَرَدُ مَانِيْسِ اللهِ مَسْبعورتوں نِيْرُ فَرَدُ مَانِيْسِ اللهِ مَسْبعورتوں نِيابيکورت نِيَّرُ فَرَدُ مُونَ مُسْبعُ مَلِمُ مَسِيطِ اللهُ مِنْ اللهِ مَاراتهم وومروں يا دوعورتوں يا سبمرووں يا سبعورتوں نِيُّرُ فَرانَ اللهِ مَنْ فَعَلُ يَفْعِلُ چَوْنِ اَلْصَرُبُ زَوْنُ مَارِنا اللهِ اول صرف كبيربعث فعل جعد مجھول ثلاثي مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چَوْنِ اَلصَّرُبُ زَوْنُ مَارِنا اللهِ اول صرف كبيربعث فعل جعد مجھول ثلاثي مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چَوْنِ اَلصَّرُبُ وَاللهُ عَلَى مُعْوِلُ عَلَيْ اللهُ عَلَى مُعْولُ عَلَيْ فَعِلُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ  | نہیں مارا توا یک عورت نے گزشته زمانه میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لم تَضُرِبيُ     |
| لَمْ أَضُرِبُ واحد مذكر ومؤنث يتكلم نہيں مارا بيں ايک مريا ايک عورت نے گزشتر زماند بيں الم انفر الله الله منفر والى الله عورت نے گزشتر زماند بيں الم الم موروں يا دوعورتوں يا سب عورتوں نے گزشتر زماند بيں الله منفر والى الله مورد و موروں يا سب عورتوں نے گزشتر زماند بيں الله الله الله الله الله الله الله الل  | نہیں ماراتم دوعورتوں نے گزشتہ ز مانیہ میں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | لم تَضُرِبَا     |
| لم نَضُرِبُ عَنْ مَرُومُ وَنَ مَتَكُمْ نَبِيل ماراتهم دومردول يادو کورتول ياسب مردول ياسب کورتول نے گزشته زمانه ميل بعاب اول صرف کبيربحث فعل جحد مجھول ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چون اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا گردان صيغه معنی معنی معنی اَمْ يُضُرَبُ وَالله مَعْنَ مُعْنَ مُولِ مُعْنَعُونَ مُعْنَ مُعْنَى مُعْنَعِمُ المُعْنَ مُعْنَعُ مُعْنَ مُعْنَ مُولِدَ مُعْنَ مُعْنَعُ مُعْنَ مُعْنَ مُعْنَعُ مُعْنَ مُعُمْنَ مُعُ | نہیں ماراتم سب عورتوں نے گزشتہ ز مانہ میں  | جمع مؤنث مخاطب             | لم تَضُرِبُنَ    |
| باب اول صرف كبيربحث فعل جحد مجھول ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُ بُ زَدَنُ مارنا الله الله عَلَى يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُ بُ زَدَنُ مارنا الله عَلَى يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُ بُ زَدَنُ مارنا الله عَلَى يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُ بُ زَدَنُ مارنا الله عَلَى مَعْنَى مُعْنَى مَعْنَى مَعْنَى مَعْنَى مَعْنَى مُعْنَى مَعْنَى مَعْنَى مَعْنَى مُعْنَى مَعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مَعْنَى مُعْنَى مُعْنَعْمِي مُعْنَعْنِى مُعْنَعْنِى مُعْنَى مُعْنَعْمُ مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَعْمُ مُعْنَى مُعْنِعْمُ مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَى مُعْنَاكِمُ مُعْنَعْمُ م | نہیں مارامیں ایک مریاا کیے عورت نے گزشتہ زمانہ میں   | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لم أَضُرِبُ      |
| الله الله الله الله الله الله الله الله   | نہیں مارا ہم دومر دوں یا دوعور توں یاسب مردوں یاسب عور توں نے گزشتہ زیانہ میں                      | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | لم نَضُرِبُ      |
| لَمْ يُضُرَبُ واحد مذكر غائب نهيں مارا گياوه ايک مردگر شة زمانه يس اَمُ يُضُرَبَا شتنيه مذكر غائب نهيں مارے گئے وہ دوم درگر شة زمانه يس لَمُ يُضُرَبُوا جُن مذكر غائب نهيں مارے گئے وہ سب مردگر شة زمانه يس لَمُ يُضُرَبُوا جُن مذكر غائب نهيں مارے گئے وہ سب مردگر شقة زمانه يس لَمُ تُضُرَبُ واحد مؤنث غائب نهيں ماري گئی وہ ايک عورت گر شقة زمانه يس لَمُ تُضُرَبُ واحد مؤنث غائب نهيں ماري گئی وہ ايک عورت گر شقة زمانه يس لَمُ تُضُرَبُ واحد مؤنث غائب نهيں ماري گئی وہ ايک عورت گر شقة زمانه يس لَمُ يَصُرَبُ وَاللَّهُ عَلَيْ اِللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَا عَلَيْ | مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                             | مرف كبيربحث فعل جحد        | باب اول د        |
| لَمْ يُضُرَبَا تشنيه مَدَرَعًا بَب نهيں مارے گئے وہ دوم ردگز شته زمانه ميں لَمْ يُضُرَبُو الله جَنْ مَدَرعًا ب<br>لَمْ يُضُرَبُو الله جَنْ مَدَرعًا بَب نہيں مارے گئے وہ سب مردگز شته زمانه ميں لَمْ تُضُرَبُ واحد مؤنث عَاب نہيں ماري گئی وہ ایک عورت گزشته زمانه ميں الله تُضُرَبُ واحد مؤنث عَابِ  | معنی   | صيغه                       | گردان            |
| لَمُ يُضُرَبُوا جَعْ مَدَرَعًا سُب نبيس مارے گئے وہ سب مرد گزشته زمانه میں لَمُ يُضُرَبُو اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى | نہیں مارا گیاوہ ایک مرد گزشته زمانه میں  | واحدمذ كرغائب              | لَمُ يُضُرَبُ    |
| لَهُ تُضُرَبُ واحدموَنث غائب نہیں ماری گئی وہ ایک عورت گزشتہ زمانہ میں  | نہیں مارے گئے وہ دوم رگز شتہ ز مانہ میں  | تثنيه مذكرغائب             | لَمُ يُضُرَّبَا  |
|   |  | جمع مذكرعائب               | لَمُ يُضُرَبُوُا |
| لَمْ تُضُرَبَا تشنيه مؤنث غائب نهيس ماري گئيس وه دوعورتيس گزشته زمانه ميس   | <u> </u>   | واحدمؤنث غائب              | لَمُ تُضُرَبُ    |
|   | نهیں ماری گئیں وہ دوعور نیں گز شته ز مانیہ میں   | تثنيه مؤنث غائب            | لَمُ تُضُرَبَا   |
| لَمُ يُضَّرَبُنَ جَمْعُ مؤنث غائب نهيس ماري گئيس وه سب عورتيس گزشته زمانه ميس   | نهیں ماری گئیں وہ سب عور تیں گزشته ز مانه میں  | جمع مؤنث غائب              | لَمُ يُضُرَبُنَ  |

| من شوار من المراجعة  | 100                         | اَ و ر          |
|--|-----------------------------|-----------------|
| نهیں مارا گیا توایک مردگز شته زمانه میں  | واحد مذكر مخاطب             | لَمُ تُضُرَبُ   |
| نہیں مارے گئےتم دومر دگز شتہ ز مانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب            | لَمُ تُضُرَبَا  |
| نہیں مارے گئےتم سب مرد گزشته زمانه میں   | جمع مذكر مخاطب              | لَمُ تُضُرَبُوا |
| نہیں ماری گئی تو ایک عورت گزشته ز مانه میں   | واحدمؤنث مخاطب              | لَمُ تُضُرِبِي  |
| نهیں ماری گئیںتم دوعور تیں گز شتہز مانیہ میں   | تثنيه مؤنث مخاطب            | لَمُ تُضُرَبَا  |
| نہیں ماری گئیںتم سب عورتیں گزشته ز مانه میں  | جمع مؤنث مخاطب              | لَمُ تُضُرَبُنَ |
| نہیں مارا گیا میں ایک مردیا ایک عورت گزشته زمانه میں   | واحد مذكرومؤنث مثكلم        | لَمُ أُضُرَبُ   |
| نہیں مارے گئے ہم دومردیا دوعورتیں پاسب مردیا سب عورتیں گزشته زمانه میں                             | تثنيه وجمع مذكر ومؤنث متكلم | لَمُ نُضُرَبُ   |
| مضارع معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                      | عرف كبيربحث منفى فعل        | باب اول د       |
| معتی   | صيغه                        | گردان           |
| نہیں مارتا ہے یانہیں مارے گاوہ ایک مردموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                   | واحد مذكر غائب              | لايَضُرِبُ      |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں ماریں گےوہ دومر دموجودہ یا آئندہ زیانہ میں                                   | تثنيه فد كرغائب             | لايَضُرِبَان    |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں ماریں گےوہ سب مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | جمع مذكر غائب               | لايَضُرِبُوُنَ  |
| نہیں مارتی ہے یانہیں مارے گی وہ ایک عورت موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                | واحدمؤنث غائب               | لاتَضُرِبُ      |
| نہیں مارتی ہیں یانہیں ماریں گی وہ دوعورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                              | تثنيه مؤنث غائب             | لاتَضُرِبَان    |
| نہیں مارتی ہیں یانہیں ماریں گی وہ سب عورتیں موجودہ یا آسندہ ز مانہ میں                             | جمع مؤنث غائب               | لايَضُرِبُنَ    |
| نہیں مارتاہے یانہیں مارے گا توایک مردموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                    | واحد مذكر مخاطب             | لاتَضُرِبُ      |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں ماریں گےتم دومر دموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | · ثننیه مذکر مخاطب          | لاتَضُرِبَان    |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں ماریں گےتم سب مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | جمع مذكر مخاطب              | لاتَضُرِبُوُنَ  |
| نہیں مارتی ہے یانہیں مارے گی توالیے عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                 | واحدمؤ نث مخاطب             | لاتَضُرِبِيُنَ  |
| نہیں مارتی ہیں یانہیں ماریں گئتم دوعورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                               | تثنيه مؤنث مخاطب            | لاتَضُرِبَان    |
| نہیں مارتی ہیں یانہیں ماریں گیتم سبعورتیں موجودہ یا آسندہ زمانہ میں                                | جمع مؤنث مخاطب              | لاتَضُرِبُنَ    |
| نہیں مارتا ہوں یانہیں ماروں گامیں ایک مردیا ایک عورت موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                    | واحد مذكرومؤنث متكلم        | لاأًضُرِبُ      |
| نہیں مارتے ہیں یانہیں ماریں گے ہم دومر دیا دوعورتیں یاسب مردیا سب عورتیں موجودہ یا آئندہ زمانہ میں | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم  | لانَضُرِبُ      |

| باب اول صرف كبيربحث منفى فعل مضارع مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا   |                           |                  |
|--|---------------------------|------------------|
| معنى   | صيغه                      | گردان            |
| نہیں ماراجا تاہے یانہیں ماراجائے گاوہ ایک مردموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                       | واحد مذكر غائب            | لايُضُرَبُ       |
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جائیں گےوہ دومر دموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                   | تثنيه مذكرغائب            | لايُضُرَبَان     |
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جائیں گےوہ سب مردموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                   | جمع مذكر غائب             | لايُضُرَبُوُنَ   |
| نہیں ماری جاتی ہے پانہیں ماری جائے گی وہ ایک عورت موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                 | واحدمؤنث غائب             | لاتُضُرَبُ       |
| نہیں ماری جاتی ہیں یانہیں ماری جا ئیں گی وہ دوعور تیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                             | تثنيه مؤنث غائب           | لاتُضُرَبَان     |
| نهیں ماری جاتی ہیں یانہیں ماری جا ئیں گی وہ سب عور تیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                            | جمع مؤنث غائب             | لايُضُرَبُنَ     |
| نہیں ماراجا تاہے یانہیں ماراجائے گا توایک مردموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                      | واحد مذكر مخاطب           | لاتُضُرَبُ       |
| نہیں مارے جاتے ہیں پانہیں مارے جا ئیں گےتم دومر دموجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                   | تثنيه مذكر مخاطب          | لاتُضُرَبَان     |
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جائیں گےتم سب مردموجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                                   | جمع مذكر مخاطب            | لاتُضُرَبُوُنَ   |
| نہیں ماری جاتی ہے یانہیں ماری جائے گی توالیک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                                  | واحدمؤ نث مخاطب           | لاتُضُرَبِيُنَ   |
| نہیں ماری جاتی ہیں یانہیں ماری جا ئیں گیتم دوعورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                               | تثنيه مؤنث مخاطب          | لاتُضُرَبَان     |
| نہیں ماری جاتی ہیں یانہیں ماری جا ئیں گیتم سبعورتیں موجودہ یا آئندہ ز مانہ میں                               | جمع مؤنث مخاطب            | لاتُضُرَبُنَ     |
| نهیس ماراجا تا ہوں یانہیں مارا جاؤں گامیں ایک مردیاا یک عورت موجودہ یا آئندہ زمانہ میں                       | واحد مذكرومؤنث متكلم      | لأأضُرَبُ        |
| نہیں مارے جاتے ہیں یانہیں مارے جائیں گے ہم دومردیا دوعورتیں پاسب مردیا سب عورتیں موجود ہ یا آئندہ ز مانہ میں | تثنيه وجمع ذكرومؤنث متكلم | لانُضُرَبُ       |
| ستقبل معلوم مؤكد بلن ناصبه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                  | كبيربحث منفى فعل م        | باب اول صرف      |
| معنی   | صيغه                      | گردان            |
| ہرگزنہیں مارے گاوہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر غائب            | لَن يَّضُرِبَ    |
| ہرگزنہیں ماریں گےوہ دومردآئندہ زمانہ میں   | تثنيه مذكرغائب            | لَن يَّضُرِبَا   |
| ہرگزنہیں ماریں گےوہ سب مردآئندہ زمانہ میں  | جع مذكر غائب              | لَن يَّضُرِبُوُا |
| ہر گزنہیں مارے گی وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں   | واحدمؤنث غائب             | لَنُ تَضُرِبَ    |
| مرگزنهی <u>ن</u> مارین گی ده دوعورتین آئنده ز مانه مین   | مثنيه مؤنث غائب           | لَنُ تَضُرِبا    |
| مرگزنهی <u>ن</u> مارین گی وه سبعورتین آئنده زمانه مین  | جمع مؤنث غائب             | لَن يَّضُرِبُن   |
|  |                           |                  |

| ,  | _                          |                  |
|--|----------------------------|------------------|
| ہر گرنہیں مارے گا توا یک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | لَنُ تَضُرِبَ    |
| ہر گزنہیں ماریں گےتم دومردآ ئندہ زمانہ میں   | تثنيه مذكر مخاطب           | لَنُ تَضُرِبَا   |
| ہر گزنہیں ماریں گےتم سب مردآ ئندہ زمانہ میں  | جع مذكر مخاطب              | لَنُ تَضُرِبُوا  |
| ہرگزنہیں مارے گی توالیک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لَنُ تَضُرِبِيُ  |
| ہرگزنہیں ماریں گئتم دوغورتیں آئندہ زمانہ میں   | تثنيهمؤنث مخاطب            | لَنُ تَضُرِبَا   |
| هرگزنهیں ماریں گیتم سب عورتیں آئندہ زمانہ میں  | جمع مؤنث مخاطب             | لَنُ تَضُرِبُنَ  |
| هرگزنهیس مارول گامیس ایک مردیا ایک عورت آئنده زمانه میں                                      | واحدمذ كرومؤنث متكلم       | لَنُ أَضْرِبَ    |
| ہر گرنہیں ماریں گے ہم دومر دیا دوعورتیں یا سب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں                | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لَن نَّضُرِبَ    |
| عتقبل مجهول مؤكد بلن ناصبه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا | بيربحث منفى فعل مد         | باب اول صرف ک    |
| معتی   | صيغه                       | گردان            |
| ہر گرنہیں ماراجائے گاوہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر غائب             | لَن يُّضُرَبَ    |
| ہرگزنہیں مارے جا کیں گےوہ دومردآ سندہ زمانہ میں  | شنيه مذكرغائب              | لَن يُّضُرَبَا   |
| ہرگزنہیں مارے جائیں گےوہ سب مردآئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب              | لَن يُّضُرَبُوُا |
| ہرگزنہیں ماری جائے گی وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لَنُ تُضُرَبَ    |
| هر گزنهیں ماری جا ئیں گی وہ دوعور تیں آئندہ ز مانہ میں                                       | تثنيه مؤنث غائب            | لَنُ تُضُرَبَا   |
| ہرگز نہیں ماری جا کیں گی وہ سبعور تیں آئندہ زمانہ میں  | جمع مؤنث غائب              | لَن يُّضُرَبُنَ  |
| ہرگزنہیں مارا جائے گا توا یک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحدمذ كرمخاطب             | لَنُ تُضُرَبَ    |
| ہرگزنہیں مارے جا ئیں گےتم دومردآ ئندہ زمانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب           | لَنُ تُضُرَبَا   |
| ہرگزنہیں مارے جائیں گئم سب مردآئندہ زمانہ میں  | جع مذكر مخاطب              | لَنُ تُضُرَبُوا  |
| ہر گزنہیں ماری جائے گی تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث مخاطب             | لَنُ تُضُرَبِيُ  |
| هرگزنهیں ماری جا ئیں گئتم دوعورتیں آئندہ زمانہ میں   | تثنيهمؤنث مخاطب            | لَنُ تُضُرَبَا   |
| ہرگزنہیں ماری جا ئیں گیتم سبعورتیں آئندہ زمانہ میں   | جمع مؤنث مخاطب             | لَنُ تُضُرَبُنَ  |
| ہرگزنہیں ماراجا وَں گامیں ایک مردیاا یک <sup>ع</sup> ورت آئندہ زمانہ میں                     | واحديذكرومؤنث متكلم        | لَنُ أُضُرَبَ    |
| ہرگز نہیں مارے جائیں گے ہم دومر دیا دوعور تیں یا سب مردیا سب عور تیں آئندہ زمانہ میں         | تثنيه وجع مذكرومؤنث متكلم  | لَن نُّضُرَبَ    |
|  |                            |                  |

| باب اول صرف كبيربحث فعل مستقبل معلوم مؤكد باللام ونون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چوں اُلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |                  |
|---|----------------------------|------------------|
| معنی  | صيغه                       | گردان            |
| ضرور بالضرور مارے گاوہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں  | واحد مذكرغائب              | لَيَضُرِبَنَّ    |
| ضرور بالضرور ماریں گےوہ دومردآ ئندہ زمانہ میں   | تثنيه مذكرغائب             | لَيَضُرِبَانٌ    |
| ضرور بالضرور ماریں گےوہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر غائب              | لَيَضُرِبُنَّ    |
| ضرور بالضرور مارے گی وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لَتَضُرِبَنُّ    |
| ضرور بالضرور ماریس گی ده دوعور تنین آئنده زمانه میں   | تثنيه مؤنث غائب            | لَتَضُرِبَانٌ    |
| ضرور بالضرور مارین گی وه سب عورتین آسنده ز مانه مین   | جمع مؤنث غائب              | لَيَضُرِبُنَانِّ |
| ضرور بالضرور مارے گا توایک مردآ ئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب            | لَتَضُرِبَنَّ    |
| ضرور بالضرور ماریں گئم دومر دآئندہ زمانہ میں  | "ثنيه مذكر مخاطب           | لَتَضُرِبَانَّ   |
| ضرور بالضرور ماریں گئم سب مردوآ ئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر مخاطب             | لَتَضُرِبُنَّ    |
| ضرور بالضرور مارے گی توایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لَتَضُرِبِنَّ    |
| ضرور بالضرور ماريں گیتم دوعور تیں آئندہ زمانہ میں   | تثنيه مؤنث مخاطب           | لَتَضُرِبَانٌ    |
| ضرور بالضرور مارین گیتم سب عورتین آسنده زمانه میں   | جمع مؤنث مخاطب             | لَتَضُرِبُنَانً  |
| ضرور بالضرور ماروں گا میں ایک مر دیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر ومؤنث مثكلم      | لَّاضُرِبَنَّ    |
| ضرور بالضرور ماریں گے ہم دومر دیا دوعور تیں یا سب مردیا سب عور تیں آئندہ زمانہ میں  | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لَنَضُرِبَنَّ    |
| ل مؤكد باللام ونون تاكيدثقيله ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                   | يربحث فعل مستقبل مجهو      | باب اول صرف کب   |
| معنی  | صيغه                       | گردان            |
| ضرور بالضرور مارا جائے گاوہ مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكرغائب              | لَيُضُرَبَنَّ    |
| ضرور بالضرور مارے جائیں گےوہ دومردآئندہ زمانہ میں   | تثنيه مذكرغائب             | لَيُضُرَبَانً    |
| ضرور بالضرور مارے جائیں گےوہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں   | جمع مذكرعائب               | لَيْضُرَبُنَّ    |
| ضرور بالضرور ماری جائے گی وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لَتُضُرَبَنَّ    |
| ضرور بالضرور ماری جا ئیں گی وہ دوعور تیں آئندہ زمانہ میں  | تثنيه مؤنث غائب            | لَتُضُرَبَانً    |
| ضرور بالضرور ماری جائیں گی وہ سبعور تیں آئندہ زمانہ میں   | جع مؤنث غائب               | لَيُضُرَبُنَانً  |
|   |                            |                  |

| ضرور بالضرور ماراجائے گا توایک مردآ ئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب            | لَتُضُرَبَنَّ   |
|---|----------------------------|-----------------|
| ضرور بالضرور مارے جائیں گےتم دومردآئندہ زمانہ میں   | تثنيه مذكر مخاطب           | لَتُضُرَبَانً   |
| ضرور بالضرور مارے جائیں گئم سب مردآ ئندہ ز مانہ میں   | جمع مذكر مخاطب             | لَتُضُرَبُنَّ   |
| ضرور بالضرور ماری جائے گی توا یک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لَتُضُرَبِنَّ   |
| ضرور بالضرور ماری جا ئیں گیتم دوعور تیں آئندہ ز مانہ میں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | لَتُضُرَبَانً   |
| ضرور بالضرور ماری جا 'ئیں گیتم سبعورتیں آ سندہ ز مانہ میں                                       | جمع مؤنث مخاطب             | لَتُضُرَبُنَانً |
| ضرور بالضرور ماراجاؤل گامیں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں                                  | واحد مذكرومؤنث متكلم       | لَّافُرَبَنَّ   |
| ضرور بالضرور مارے جائیں گے ہم دومر دیا دوعورتیں پاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں            | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لَنُضُرَبَنَّ   |
| م مؤكد باللام ونون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا  | يربحث فعل مستقبل معلو      | باب اول صرف کب  |
| معنی  | صيغه                       | گردان           |
| ضرور مارے گاوہ ایک مردآئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر غائب             | لَيَضُرِبَنُ    |
| ضرورر ماریں گےوہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب              | لَيَضُرِبُنُ    |
| ضرور مارے گی وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لَتَضُرِبَنُ    |
| ضرور مارے گا توایک مردآ ئندہ ز مانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | لَتَضُرِبَنُ    |
| ضرور ماریں گےتم سب مردآ ئندہ ز مانہ میں   | جمع مذكر مخاطب             | لَتَضُرِبُنُ    |
| ضرور مارے گی تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤ نث مخاطب            | لَتَضُرِبِنُ    |
| ضرور ماروں گامیں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لَّاضُرِبَنُ    |
| ضرور ماریں گے ہم دومر دیا دوعورتیں یا سب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں                        | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لَنَضُرِبَنُ    |
| ل مؤكد باللام ونون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چِوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا | يربحث فعل مستقبل مجهو      | باب اول صرف کب  |
| معنی  | صيغه                       | گردان           |
| ضرور مارا جائے گاوہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكرغائب              | لَيُضُرَبَنُ    |
| ضرور مارے جائیں گےوہ سب مردآئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر غائب              | لَيُضُرَبُنُ    |
| ضرور ماری جائے گی وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لَتُضُرَبَنُ    |
| ضرور مارا جائے گا توا بیک مردآ ئندہ ز مانہ میں  | واحد مذكر مخاطب            | لَتُضُرَبَنُ    |
|   |                            |                 |

| ضرور مارے جائیں گےتم سب مردآئندہ زمانہ میں                                      | جمع مذكر مخاطب             | لَتُضُرَبُنُ |
|---|----------------------------|--------------|
| ضرور ماری جائے گی تو ایک عورت آئندہ ز مانہ میں                                  | واحدمؤ نث مخاطب            | لَتُضُرَبِنُ |
| ضرور ماراجاؤل گامیں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں                          | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لُّاضُرَبَنُ |
| ضرور مارے جائیں گے ہم دومر دیا دوعور تیں یاسب مردیا سب عور تیں آئندہ ز مانہ میں | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لَنُضُرَبَنُ |
| عاضرمعلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا      | ف كبيربحث فعل امرد         | باب اول صر   |
| معتی  | صيغه                       | گردان        |
| مارتوا یک مردآ سنده زمانه میں   | واحد مذكر مخاطب            | اِضُرِبُ     |
| ماروتم دومردآ ئنده زمانه میں  | "ثنيه مذكر مخاطب           | إضُرِبَا     |
| ماروتم سب مردآ ئنده زمانه میں   | جمع مذكر مخاطب             | إضُرِبُوُا   |
| مارتوا يك عورت آئنده زمانه ميں  | واحدمؤ نث مخاطب            | اِضُرِبِيُ   |
| ماروتم دوعور تيس آئنده زمانه ميس  | تثنيه مؤنث مخاطب           | إضُرِبَا     |
| ماروتم سب عورتين آئنده ز مانه مين   | جمع مؤنث مخاطب             | إضُرِبُنَ    |
| اضرمجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلضَّرٰبُ زَدَنُ مارنا       | ب کبیربحث فعل امرح         | باب اول صرة  |
| معتی  | صيغہ                       | گردان        |
| چ <u>ا ہی</u> ے کہ مارا جائے تو ایک مرد آئندہ زمانہ میں                         | واحد مذكر مخاطب            | لِتُضُرَبُ   |
| چ <u>ا ہی</u> ے کہ مارے جا <sup>ئ</sup> یں تم دومر دآئندہ زمانہ میں             | تثنيه مذكر مخاطب           | لِتُضُرَبَا  |
| چ <u>ا ہ</u> یے کہ مارے جا <sup>ک</sup> ئیں تم سب مردآ ئندہ زمانہ میں           | جمع مذكر مخاطب             | لِتُضُرَبُوا |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ماری جائے تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں                         | واحدمؤ نث مخاطب            | لِتُضُرَبِيُ |
| چاہیے کہ ماری جا ئیں تم دوعور تیں آئندہ زمانہ میں                               | تثنيه مؤنث مخاطب           | لِتُضُرَبَا  |
| چا <u>ہیے</u> کہ ماری جا <sup>ئ</sup> یس تم سب عور تیں آئندہ زمانہ میں          | جمع مؤنث مخاطب             | لِتُضُرَبُنَ |
|   |                            |              |
|   |                            |              |
|   |                            |              |
|   |                            |              |
|   |                            |              |

| باب اول صرف كبيربحث فعل امر غائب معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چُوں أَلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا     |                             |               |
|--|-----------------------------|---------------|
| معنی   | صيغه                        | گردان         |
| چ <u>ا ہی</u> ے کہ مارے وہ ایک مردآ <sup>مین</sup> دہ زیانہ میں  | واحد مذكر غائب              | لِيَضُرِبُ    |
| چ <u>ا ہی</u> ے کہ ماریں وہ دومردآ ئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مذكرغائب              | لِيَضُرِبَا   |
| چا <u>ہیے</u> کہ ماریں وہ سب مردآ ئندہ ز ماننہ میں   | جع ذكرعائب                  | لِيَضُرِبُوُا |
| چ <u>ا</u> ہیے کہ مارے وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں  | واحدمؤنث غائب               | لِتَضُرِبُ    |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ماریں وہ دوعور تیں آئندہ زمانہ میں   | تثنية مؤنث غائب             | لِتَضُرِبَا   |
| چا ہیے کہ ماریں وہ سب <sup>ع</sup> ور تیں آئندہ زمانہ میں  | جمع مؤنث غائب               | لِيَضُرِبُنَ  |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ماروں میں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحد مذكرومؤنث متكلم        | لِّأْضُرِبُ   |
| چاہیے کہ ماریں ہم دومر دیا دوعورتیں یا سب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں                                    | تثنيه وجمع مذكر ومؤنث متكلم | لِنَضُرِبُ    |
| مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                       | ف کبیربحث فعل امرغائب       | باب اول صرة   |
| معنی   | صيغه                        | گردان         |
| عیا ہیے کہ مارا جائے وہ ایک مردآ ئندہ ز مانہ میں   | واحدمذ كرغائب               | لِيُضُرَبُ    |
| چا <u>ہیے</u> کہ مارے جا <sup>ئی</sup> یں وہ دومردآ <sup>س</sup> ندہ ز مانہ میں                              | تثنيه مذكرغائب              | لِيُضُرَبَا   |
| جا ہیے کہ مارے جا <sup>ئ</sup> یں وہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر غائب               | لِيُضُرَبُوا  |
| چ <u>ا ہی</u> ے کہ ماری جائے وہ ایک عورت آئندہ نر مانہ میں   | واحدمؤنث غائب               | لِتُضُرَبُ    |
| چا ہیے کہ ماری جا <sup>ک</sup> ئیں وہ دوعور تیں آئندہ زیانہ میں  | تثنيه مؤنث غائب             | لِتُضُرَبَا   |
| چا ہیے کہ ماری جا <sup>ن</sup> ئیں وہ سب <sup>ع</sup> ور تیں آئندہ ز مانہ میں                                | جمع مؤنث غائب               | لِيُضُرَبُنَ  |
| چا <u>ہ</u> ے کہ مارا جا وَل میں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر ومؤنث متكلم       | لِّأْضُرَبُ   |
| چا ہیے کہ مارے جا <sup>ک</sup> ئیں ہم دومر دیا دوعور تیں یا سب مردیا سب عور تیں آ <sup>ک</sup> ندہ زمانہ میں | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم  | لِنُضُرَبُ    |
|  | <u> </u>                    |               |

| باب اول صرف كبيربحث فعل امرحاضرمعلوم مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چوں اُلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                          |                 |
|--|--------------------------|-----------------|
| معنی   | صيغه                     | گردان           |
| ضرور بالضرور مارتوا بيك مردآ ئنده زمانه ميں  | واحد مذكرمخاطب           | ٳڝؙؗڕڹٙڹٞ       |
| ضرور بالضرور ماروتم دومردآ ئنده زمانه میں  | تثنيه مذكر مخاطب         | ٳۻؙڔؚڹٙٳڹٞ      |
| ضرور بالضرور ماروتم سب مردآ ئنده زمانه میں   | جمع مذكر مخاطب           | ٳۻؗڔڹؙڹۜ        |
| ضرور بالضرور مارتوا كيعورت آئنده زمانه ميں   | واحدمؤنث مخاطب           | ٳۻؗڔڹڹٞ         |
| ضرور بالضرور ماروتم دوعورتين آئنده زمانه مين   | تثنيه مؤنث مخاطب         | ٳڝؙ۫ڔؚؠٙٵڹٞ     |
| ضرور بالضرور ماروتم سبعورتين آئنده زمانه مين   | جمع مؤنث مخاطب           | إضُرِبُنَانٌ    |
| لِ مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                   | كبيربحث فعل امرحاضرمجه   | باب اول صرف     |
| معنی   | صيغہ                     | گردان           |
| ضرور بالضرور مارا جائے تو ایک مرد آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب          | لِتُضُرَبَنَّ   |
| ضرور بالضرور مارے جائیس تم دومردآئندہ زمانہ میں  | تثنيه مذكر مخاطب         | لِتُضُرَبَانِّ  |
| ضرور بالضرور مارے جا ئیںتم سب مردآ ئندہ زمانہ میں  | جع مذكر مخاطب            | لِتُضُرَبُنَّ   |
| ضرور بالضرور ماری جائے توایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤ نث مخاطب          | لِتُضُرَبِنَّ   |
| ضرور بالضرور ماری جائیںتم دوعورتیں آئندہ ز مانہ میں  | تثنيه مؤنث مخاطب         | لِتُضُرَبَانَّ  |
| ضرور بالضرور ماری جائیںتم سبعورتیں آئندہ زمانہ میں   | جمع مؤنث مخاطب           | لِتُضُرَبُنَانً |
| ِم مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                   | كبيربحث فعل امرغائب معلو | باب اول صرف     |
| معنی   | صيغه                     | گردان           |
| حیا ہیے کہ ضرور بالضرور مارےوہ ایک مردآ <sup>کن</sup> ندہ زمانہ میں  | واحد مذكر غائب           | لِيَضُرِبَنَّ   |
| حیا ہے کہضرور بالضرور ماریں وہ دومردآ <sup>کن</sup> ندہ ز مانہ میں   | تثنیه م <i>ذکر</i> غائب  | لِيَضُرِبَانٌ   |
| ج <u>ا</u> ہیے کہ ضرور بالضرور ماریں وہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب            | لِيَضُرِبُنَّ   |
| جاہیے کہ ضرور بالضرور مارے وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں  | واحدمؤنث غائب            | لِتَضُرِبَنَّ   |
| چا <u>ہی</u> ے کہضرور بالضرور ماریں وہ دوعور تنیں آئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مؤنث غائب          | لِتَضُرِبَانً   |
| حیاہیے کہضرور بالضرور ماریں وہ سبعور تیں آئندہ ز مانہ میں  | جمع مؤنث غائب            | لِيَضُرِبُنَانٌ |
|  |                          |                 |

| عابیے کہ ضرور بالضرور ماروں میں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكرومؤنث متكلم       | لِّأْضُرِبَنَّ   |
|---|----------------------------|------------------|
| چاہیے کہ ضرور بالضرور ماریں ہم دومردیا دوعورتیں یا سب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں                             | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لِنَضُرِبَنَّ    |
| لِ مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِونِ ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                         | كبيربحث فعل امرغائب مجهو   | باب اول صرف      |
| معنی  | صيغه                       | گردان            |
| جیا ہے کہضرور بالضرور ماراجائے وہ ایک مردآ <sup>کند</sup> ہ زمانہ میں   | واحد مذكر غائب             | لِيُضُرَبَنَّ    |
| عیا ہیے کہضرور بالضرور مارے جا <sup>ئی</sup> یں وہ دومردآ ئندہ زمانہ میں  | تثنیه م <i>ذ کر</i> غائب   | لِيُضُرَبَانً    |
| حیا ہیے کہ ضرور بالضرور مارے جا ئیں وہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب              | لِيُضۡرَبُنَّ    |
| چا ہیے کہضرور بالضرور ماری جائے وہ ایک عورت آ <sup>م</sup> نندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لِتُضُرَبَنَّ    |
| حیا ہیے کہ ضرور بالضرور ماری جا ئیں وہ دوعور نیں آئندہ زمانہ میں  | تثنيه مؤنث غائب            | لِتُضُرَبَانٌ    |
| جا ہیے کہضرور بالضرور ماری جا <sup>ک</sup> ئیں وہ سب <sup>ع</sup> ور تیں آئندہ زمانہ میں                          | جمع مؤنث غائب              | لِيُضُرَبُنَانِّ |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ضرور بالضرور مارا جاؤں میں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں                                   | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لِّأْضُرَبَنَّ   |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ضرور بالضرور مارے جا <sup>ئ</sup> یں ہم دومر دیا دوعور تیں یاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لِنُضُرَبَنَّ    |
| م مؤكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                           | كبيربحث فعل امرحاضرمعلو    | باب اول صرف      |
| معنی  | صيغہ                       | گردان            |
| ضرور مارتوایک مردآ ئنده ز مانه میں  | واحد مذكر مخاطب            | اِضُرِبَنُ       |
| ضرور ماروتم سب مردآ ئنده ز مانه میں   | جمع مذكر مخاطب             | اِضُرِبُنُ       |
| ضرور مارتوا بیک عورت آئنده زمانه میں  | واحدمؤ نث مخاطب            | اِضُرِبِنُ       |
| لِ مؤكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                          | كبيربحث فعل امرحاضرمجهو    | باب اول صرف      |
| معنی  | صيغه                       | گردان            |
| ضرور ماراجائے توایک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | لِتُضُرَبَنُ     |
| ضرور مارے جا ئىپىتم سب مردآ ئندە ز مانەمىں  | جمع مذكر مخاطب             | لِتُضُرَبُنُ     |
| ضرور ماری جائے تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤنث مخاطب             | لِتُضُرَبِنُ     |
|   |                            |                  |
|   |                            |                  |
|   |                            |                  |

| باب اول صرف كبيربحث فعل امرغائب معلوم مؤكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |               |
|---|----------------------------|---------------|
| معتی  | صيغه                       | گردان         |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ضرور مارے وہ ایک مرد آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر غائب             | لِيَضُرِبَنُ  |
| حیا ہیے کہ ضرور ماریں وہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر غائب              | لِيَضُرِبُنُ  |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ضرور مارے وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لِتَضُرِبَنُ  |
| چاہیے کہ ضرور ماروں میں ایک مردیا ایک <sup>ع</sup> ورت آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكرومؤنث متكلم       | لِّأْضُرِبَنُ |
| چاہیے کہ ضرور ماریں ہم دومر دیا دوعورتیں یاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں   | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لِنَضُرِبَنُ  |
| ول مؤكدبانون تاكيد خفيفه ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِونِ ٱلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                 | كبيربحث فعل امرغائب مجه    | باب اول صرف   |
| معنی  | صيغه                       | گردان         |
| چا <u>ہی</u> ے کہ ضرور مارا جائے وہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحدمذ كرعائب              | لِيُضُرَبَنُ  |
| عیا ہیے کہضرور مارے جا <sup>ک</sup> ئیں وہ سب مردآ کنندہ زمانہ میں  | جمع مذكرعائب               | لِيُضُرَبُنُ  |
| جاہیے کہ ضرور ماری جائے وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لِتُضُرَبَنُ  |
| جاہیے کہ ضرور مارا جاؤں میں ایک مردیا ایک <sup>ع</sup> ورت آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لِأُضَرَبَنُ  |
| چا ہیے کہ ضرور مارے جا ئیں ہم دومر دیا دوعورتیں یاسب مردیاسب عورتیں آئندہ زیانہ میں   | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | لِنُضُرَبَنُ  |
| ، حاضر معلوم ثلاثى مجر دصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا  | ول صرف كبيربحث فعل نهى     | باب ا         |
| معتی  | صيغه                       | گردان         |
| نە مارتوا يك مردآ ئندە ز مانەمىل  | واحد مذكر مخاطب            | لاتَضُرِبُ    |
| نه ماروتم دومر دآئنده ز مانه میں  | تثنيه مذكر مخاطب           | لاتَضُرِبَا   |
| نه ماروتم سب مردآ منده ز مانه میں   | جمع مذكر مخاطب             | لاتَضُرِبُوُا |
| نه مارتوا یک عورت آئنده زمانه میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لاتَضُرِبِيُ  |
| نه ماروتم دوعورتیس آئنده زیانه میں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | لاتَضُرِبَا   |
| نه ماروتم سب عورتین آئنده ز مانه میں  | جمع مؤنث مخاطب             | لاتَضُرِبُنَ  |
|   |                            |               |
|   |                            |               |
|   |                            |               |

| باب اول صرف كبيربحث فعل نهى حاضرمجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا  |                            |               |  |  |
|---|----------------------------|---------------|--|--|
| معنی  | صيغه                       | گردان         |  |  |
| نەماراجائے توایک مردآئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | لاتُضُرَبُ    |  |  |
| نە مار بے جائىي تم دومردآئندە ز مانەمىي   | تثنيه مذكر مخاطب           | لاتُضُرَبَا   |  |  |
| نەمارے جائىي تم سب مردآئنده زمانەمىں  | جمع ند کرمخاطب             | لاتُضُرَبُوُا |  |  |
| نەمارى جائے توايك عورت آئندە زمانەمىں   | واحدمؤنث مخاطب             | لاتُضُرَبي    |  |  |
| نه ماری جا ئیس تم دوعورتیں آئندہ زمانہ میں  | تثنيه مؤنث مخاطب           | لاتُضُرَبَا   |  |  |
| نه ماری جا ئیںتم سب عورتیں آئندہ زمانہ میں  | جمع مؤنث مخاطب             | لاتُضُرَبُنَ  |  |  |
| باب اول صرف كبيربحث فعل نهى غائب معلوم ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اُلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |               |  |  |
| معتی  | صيغه                       | گردان         |  |  |
| نه مارے وہ ایک مردآ ئندہ زمانہ میں  | واحدمذ كرغائب              | لايَضُرِبُ    |  |  |
| نه مارین وه دومردآ ئنده زمانه میں   | مثنیه <i>مذکر</i> غائب     | لايَضُرِبَا   |  |  |
| نه مارین وه سب مردآ سنده زمانه مین  | جمع مذكر غائب              | لايَضُرِبُوُا |  |  |
| نه مارے وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لاتَضُرِبُ    |  |  |
| نه مارین وه دوعورتین آئنده زیانه میں  | تثنيه مؤنث غائب            | لاتَضُرِبَا   |  |  |
| نه مارین وه سب عورتین آئنده زمانه میں   | جمع مؤنث غائب              | لايَضُرِبُنَ  |  |  |
| نەماروں میں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر ومؤنث متكلم      | لاأًضُرِبُ    |  |  |
| نه مارین جم دومر دیا دوعورتین یا سب مردیا سب عورتین آئنده زمانه مین                                     | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لانَضُرِبُ    |  |  |
| ، مجهول ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا                                | كبيربحث فعل نهى غائب       | باب اول صرف   |  |  |
| معنی  | صيغہ                       | گردان         |  |  |
| نەماراجائے دەا كىك مردآ ئىندە زمانەمىں  | واحد مذكر غائب             | لايُضُرَبُ    |  |  |
| نه مارے جائیں وہ دومردآئیں ہ نانہ میں   | تثنیه <i>ذکر</i> غائب      | لايُضُرَبَا   |  |  |
| نەمارىي جاڭىي وەسب مردآئىندە زمانەمىي   | جمع مذكرعائب               | لايُضُرَبُوُا |  |  |
| نه ماری جائے وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لاتُضُرَبُ    |  |  |
|   |                            |               |  |  |

| نه ماری جا ئیں وہ دوغورتیں آئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مؤنث غائب            | لاتُضُرَبَا     |
|---|----------------------------|-----------------|
| نە مارى جائىيں وەسب عورتىن آئىندە ز مانەمىں   | جمع مؤنث غائب              | لايُضُرَبُنَ    |
| نه مارا جا وَل مِیں ایک مردیا ایک عورت آئندہ زمانہ میں                                  | واحد مذكرومؤنث متكلم       | لاأُضُرَبُ      |
| نه مارے جائیں ہم دومر دیا دوعورتیں پاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں                 | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لانُضُرَبُ      |
| م مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا | لبيربحث فعل نهى حاضرمعلوه  | باب اول صرف ک   |
| معتی  | صيغه                       | گردان           |
| ہرگز ہرگز نہ مارتوا کیک مردآ ئندہ زمانہ میں   | واحد مذكر مخاطب            | لاتَضُرِبَنَّ   |
| ہرگز ہرگز نہ ماروتم دومر دآ ئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مذكر مخاطب           | لاتَضُرِبَانً   |
| ہرگز ہرگز نہ ماروتم سب مردآ ئندہ ز مانہ میں   | جمع مذكر مخاطب             | لاتَضُرِبُنَّ   |
| ہر گز ہر گزنہ مارتوا یک عورت آئندہ ز مانہ میں   | واحدمؤ نث مخاطب            | لاتَضُرِبِنَّ   |
| ہرگز ہرگز نہ ماروتم دوعورتیں آئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مؤنث مخاطب           | لاتَضُرِبَانً   |
| هرگز هرگز نه ماروتم سب عورتین آئنده زمانه میں   | جمع مؤنث مخاطب             | لاتَضُرِبُنَانً |
| ل مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چون أَلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا | بيربحث فعل نهى حاضرمجهوا   | باب اول صرف ک   |
| معتی  | صيغه                       | گردان           |
| ہرگز ہرگز نہ مارا جائے تو ایک مردآ ئندہ زمانہ میں                                       | واحد مذكر مخاطب            | لاتُضُرَبَنَّ   |
| ہرگز ہرگز نہ مارے جا ئیں تم دومر دآ ئندہ ز مانہ میں                                     | تثنيه مذكر مخاطب           | لاتُضُرَبَانِّ  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے جا ئیں تم سب مردآ ئندہ ز مانہ میں                                     | جمع مذكر مخاطب             | لاتُضُرَبُنَّ   |
| ہر گز ہر گزنہ ماری جائے تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں                                     | واحدمؤ نث مخاطب            | لاتُضُرَبِنَّ   |
| ہرگز ہرگز نہ ماری جا ئیںتم دوعور تیں آئندہ زمانہ میں                                    | تثنيه مؤنث مخاطب           | لاتُضُرَبَانِّ  |
| هرگز هرگز نه ماری جا <sup>ن</sup> میس تم سب عور تیس آئنده زمانه میں                     | جمع مؤنث مخاطب             | لاتُضُرَبُنَانً |
|   |                            |                 |
|   |                            |                 |
|   |                            |                 |
|   |                            |                 |

| باب اول صرف كبيربحث فعل نهى غائب معلوم مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا               |                            |                 |  |
|--|----------------------------|-----------------|--|
| معتی   | صيغه                       | گردان           |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے وہ ایک مردآ ئندہ ز مانہ میں  | واحد مذكر غائب             | لايَضُرِبَنَّ   |  |
| ہرگز ہرگز نہ ماریں وہ دومر دآئندہ زمانہ میں  | تثنيه فدكرغائب             | لايَضُرِبَانً   |  |
| هرگز هرگز نه ماری <u>ن</u> وه سب مردآ <sup>می</sup> نده زمانه می <u>ن</u>  | جمع مذكر غائب              | لايَضُرِبُنَّ   |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں   | واحدمؤنث غائب              | لاتَضُرِبَنَّ   |  |
| هرگز هرگز نه مارین وه دوعورتین آسنده زمانه مین   | تثنيه مؤنث غائب            | لاتَضُرِبَانً   |  |
| هرگز هرگز نه ماری <u>ن</u> وه سبعورتین آئنده زمانه مین   | جمع مؤنث غائب              | لايَضُرِبُنَانً |  |
| هرگز هرگز نه مارون مین ایک مردیاایک عورت آئنده زمانه مین   | واحد مذكرومؤنث متكلم       | لاأًضُرِبَنَّ   |  |
| هرگز هرگز نه مارین هم دومر دیا دوعورتین پاسب مردیا سب عورتین آئنده زمانه میں   | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم | لانَضُرِبَنَّ   |  |
| باب اول صرف كبيربحث فعل نهى غائب مجهول مؤكدبانون تاكيدثقيله ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا               |                            |                 |  |
| معنی   | صيغہ                       | گردان           |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارا جائے وہ ایک مردآ ئندہ ز مانہ میں   | واحدمذ كرعائب              | لايُضُرَبنَّ    |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے جا 'ئیں وہ دومردآ 'ئندہ ز مانہ میں   | تثنيه مذكرغائب             | لايُضُرَبَانً   |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے جا ئیں وہ سب مردآ ئندہ نرمانہ میں  | جمع مذكرعائب               | لايُضُرَبُنَّ   |  |
| ہرگز ہرگز نہ ماری جائے وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں  | واحدمؤنث غائب              | لاتُضُرَبَنَّ   |  |
| هرگز هرگز نه ماری جا ئیس وه دوعورتیس آئنده ز مانه میں  | تثنيه مؤنث غائب            | لاتُضُرَبَانً   |  |
| هرگز هرگز نه ماری جا <sup>ک</sup> نین وه سب عورتین آئنده زمانه مین   | جمع مؤنث غائب              | لايُضُرَبُنَانً |  |
| مرگز مرگز نه ماراجا وَل میں ایک مردیا ایک عورت آئنده زمانه میں   | واحد مذكرومؤنث متكلم       | ڵٲؙؙڞؗڔؘڹڽۜ     |  |
| ہرگز ہرگز نہ مارے جائیں ہم دومردیا دوعورتیں پاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں   | تثنيه وجمع مذكرومؤنث متكلم | لانُضُرَبَنَّ   |  |
| باب اول صرف كبيربحث فعل نهى حاضر معلو <mark>م</mark> مؤكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |                            |                 |  |
| معنی   | صيغه                       | گردان           |  |
| هرگز نه مارتوا یک مردآ ئنده ز مانه میں   | واحد مذكر مخاطب            | لاتَضُرِبَنُ    |  |
| هرگز نه ماروتم سب مردآ <sup>س</sup> نده زمانه می <u>ن</u>  | جمع مذكر مخاطب             | لاتَضُرِبُنُ    |  |
|  |                            |                 |  |

| مرگزنه مارتوایک عورت آئنده زمانه می <u>ن</u>  | واحدمؤ نث مخاطب                | لاتَضُرِبِنُ  |
|---|--------------------------------|---------------|
| لَ مؤكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا  | بيربحث فعل نهى حاضرمجهوإ       | باب اول صرف ک |
| معنی  | صيغه                           | گردان         |
| ہرگز نہ مارا جائے تو ایک مرد آئندہ زمانہ میں  | واحد مذكر مخاطب                | لاتُضُرَبَنُ  |
| ہرگز نہ مارے جائیں تم سب مردآئندہ زمانہ میں   | جمع مذكر مخاطب                 | لاتُضُرَبُنُ  |
| ہر گزنہ ماری جائے تو ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤ نث مخاطب                | لاتُضُرَبِنُ  |
| م وكدبانون تاكيدخفيفه ثلاثى مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا   | بيربحث فعل نهى غائب معلوه      | باب اول صرف ک |
| معنی  | صيغه                           | گردان         |
| ہرگز نہ مارے وہ ایک مردآ <sup>م</sup> نندہ زمانہ میں                                      | واحد مذكر غائب                 | لايَضُرِبَنُ  |
| هرگز نه ماری <u>ن</u> وه سب مردآ <sup>م</sup> ننده زمانه می <u>ن</u>                      | جمع مذكر غائب                  | لايَضُرِبُنُ  |
| ہرگز نہ مارے وہ ایک عورت آئندہ ز مانہ میں   | واحدمؤنث غائب                  | لاتَضُرِبَنُ  |
| هرگزنه مارون میں ایک مردیا ایک <sup>ع</sup> ورت آئنده زمانه میں                           | واحد مذكرومؤنث متكلم           | لاأًضُرِبَنُ  |
| هرگز نه مارین <i>جم دومر دیا دوعور تی</i> ں یا سب مردیا سب عور تیں آئندہ زمانہ میں        | تثنيه وجمع ذكرومؤنث متكلم      | لانَضُرِبَنُ  |
| ، مؤكدبانون تاكيد خفيفه ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوْں ٱلصِّرُبُ زَدَنُ مارنا | -<br>بیربحث فعل نهی غائب مجهوا | باب اول صرف ک |
| معنی  | صيغه                           | گردان         |
| ہرگز نہ مارا جائے وہ ایک مردآ ئندہ ز مانہ میں   | واحد مذكر غائب                 | لايُضُرَبَنُ  |
| ہرگز نہ مارے جائیں وہ سب مردآ ئندہ زمانہ میں  | جمع مذكر غائب                  | لايُضُرَبُنُ  |
| ہرگز نہ ماری جائے وہ ایک عورت آئندہ زمانہ میں   | واحدمؤنث غائب                  | لاتُضُرَبَنُ  |
| هر گزنه مارا جاؤل میں ایک مردیا ایک عورت آئنده زمانه میں                                  | واحد مذكرومؤنث متكلم           | لأأُضُرَبَنُ  |
| ہرگز نہ مارے جائیں ہم دومر دیا دوعور تیں یاسب مردیا سب عورتیں آئندہ زمانہ میں             | تثنيه وجمع فدكرومؤنث متكلم     | لانُضُرَبَنُ  |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |
|   |                                |               |

| باب اول صرف كبيربحث اسم ظرف ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا       |          |              |  |
|--|----------|--------------|--|
| معنی   | صيغه     | گردان        |  |
| مارنے کی ایک جگہ یا ایک زمانہ  | واحد     | مَضُرِبٌ     |  |
| مارنے کی دوجگہیں یا دوز مانے   | تثنيه    | مَضُرِبَان   |  |
| مارنے کی سب جگہیں پاسب زمانے   | جمع مكسر | مَضَارِبُ    |  |
| تھوڑ امارنے کی ایک جگہ یا ایک زمانہ  | واحدمصغر | مُضَيُرِبٌ   |  |
| باب اول صرف كبيربحث اسم آله صغرى ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں اَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |          |              |  |
| معنی   | صيغه     | گردان        |  |
| مارنے کا ایک آلہ   | واحد     | مِضۡرَبُ     |  |
| مارنے کے دوآلے   | تثنيه    | مِضُرَبَان   |  |
| مارنے کے سب آلے  | جمع مكسر | مَضَارِبُ    |  |
| تھوڑ امارنے کا ایک آلہ   | واحدمصغر | مُضَيُرِبٌ   |  |
| باب اول صرف كبيربحث اسم آله وسطى ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں اَلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا |          |              |  |
| معتی   | صيغه     | گردان        |  |
| مارنے کا ایک آلہ   | واحد     | مِضُرَبَةٌ   |  |
| مارنے کے دوآلے   | تثنيه    | مِضُربَتَان  |  |
| مارنے کے سب آلے  | جمع مكسر | مَضَارِبُ    |  |
| تھوڑ امارنے کا ایک آلہ   | واحدمصغر | مُضَيُرِبَةٌ |  |
| باب اول صرف كبيربحث اسم آله كبرى ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفُعِلُ چُوں أَلصَّرُبُ زَدَنُ مارنا |          |              |  |
| معنی   | صيغه     | گردان        |  |
| مارنے کا ایک آلہ   | واحد     | مِضُرَابٌ    |  |
| مارنے کے دوآلے   | تثنيه    | مِضُرَابَان  |  |
| مارنے کے سب آلے  | جمع مکسر | مَضَارِيُبُ  |  |
| تھوڑ امارنے کا ایک آلہ   | واحدمصغر | مُضَيُرِيُبٌ |  |
|  |          |              |  |

| باب اول صرف كبيربحث اسم تفضيل مذكرثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چوں اَلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا   |   |   |  |
|--|---|---|--|
| معنی   | صيغه  | گردان   |  |
| زیاده مارنے والا ایک مرد   | واحدمذكر  | أَضُرَبُ  |  |
| زیاده مارنے والے دومر د  | تثنیه م <i>ذ</i> کر   | أُضُرَبَان  |  |
| زیاده مارنے والےسب مرد   | جمع ذكرسالم   | أَضُرَبُونَ   |  |
| زیادہ مارنے والےسب مرد   | جمع ذكر مكسر  | أَضَارِبُ   |  |
| تھوڑ ازیادہ مار نے والا ایک مرد  | واحدمذكرمصغر  | ٲؙڞؘؽڔؚۘۘ   |  |
| باب اول صرف كبيربحث اسم تفضيل مؤنث ثلاثى مجردصحيح ازباب فَعَلَ يَفْعِلُ چِوں ٱلضَّرُبُ زَدَنُ مارنا  |   |   |  |
| معنی   | صيغه  | گردان   |  |
| زیاده مارنے والی ایک عورت  | واحدمؤنث  | ڞؙۯؠؽ   |  |
| زیاده مارنے والی دوعورتیں  | تثنيه مؤنث  | ضُرُبَيَان  |  |
| زیادہ مارنے والی سبعورتیں  | جمع مؤنث سالم   | ڞؗۯؘؠؘؽٵؾؙ  |  |
| زیاده مار نے والی سب عورتیں  | جمع مؤنث مکسر   | ڞؙؗڔؘۘۘڽؙ   |  |
| تھوڑ ازیادہ مارنے والی ایک عورت  | واحدمؤ نث مصغر  | ضُرَيُبيٰ   |  |
|  |   |   |  |
| معنی   | صيغه  | گردان   |  |
| کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكرغائب   | مَاأَضُرَبَهُ   |  |
| کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكرغائب   | أَضُرِبُ بِهِ   |  |
| کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكرغائب   | ضَرُبَ  |  |
| کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشته زمانه میں  | واحد مذكرغائب   | ضَرُبَتُ  |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
| زیاده مار نے والی سب عورتیں تھوڑ ازیاده مار نے والی ایک عورت جب ثلاثی مجرد صحیح ازباب فَعَلَ یَفْعِلُ چوں اَلصَّرِبُ زَدَنُ هارنا معنی کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشتہ زمانہ میں کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشتہ زمانہ میں کیا خوب مارااس ایک مرد نے گزشتہ زمانہ میں | جمع مؤنث مكسر<br>واحدمؤنث مصغر<br>عبرف كبيربحث فعل تع<br>صيغه<br>واحد مذكر غائب<br>واحد مذكر غائب<br>واحد مذكر غائب | ضُرَبُ<br>ضُرَيُبئ<br>باب اول<br>گردان<br>مَاأَضُرَبَة<br>أَضُرِبُ بِهٖ<br>ضَرُبَ |  |

باب دوم صرف صغيرثلاثي مجرد صحيح ازباب فَعَلَ يَفْعُلُ جِونِ ٱلنَّصُرُ يارِي كردن مددكرنا)

به باب بھی باب اول کی طرح ہے البتداس میں مضارع کا عین کلمہ اور امر میں ہمزہ وصلی مضموم ہوگا اور ظرف میں عین کلمہ مفتوح ہوگا۔ باب سوم صرف صغیر ثلاثی مجرد صحیح ازباب فَعِلَ یَفْعُلُ چوں اَلْعِلْمُ دانستن ( جاننا)

به بالبهمي باب اول كي طرح ہے البتة اس ميں ماضي كمسورالعين ،مضارع كاعين كلمه مفتوح ہوگا اور ظرف ميں عين كلمه مفتوح ہوگا۔

. باب چھارم صرف صغیرثلاثی مجرد صحیح ازباب فَعَلَ یَفْعَلُ چوں اَلْمَنْعُ مِنع کردن(منع کرنا)

يه باب بھى باب اول كى طرح ہے البتة اس ميں مضارع كاعين كلمه مفتوح ہوگا اور ظرف ميں عين كلمه مفتوح ہوگا۔

باب پنجم صرف صغيرثلاثي مجرد صحيح ازباب فَعِلَ يَفْعِلُ چوں ٱلْحَسُبُ گمان بردن﴿ گمان كرنا﴾

یہ باب بھی باب اول کی طرح ہے البنة اس میں ماضی مکسورالعین ہوگا۔

باب ششم صرف صغيرثلاثي مجرد صحيح ازباب فَعُلَ يَفْعُلُ چون اَلشَّرُتُ بزرگ شدن( عزت والاهونا)

یه باب بھی باب اول کی طرح ہےالبتہ اس میں ماضی ،مضارع مضموم العین اورا مرکا ہمز ہ وصلی مضموم العین اور ظرف مفتوح العین ہوگا۔

باب اول صرف صغيرثلاثى مزيد فيه صحيح ازباب إفْعَال چوں ٱلْإِكْرَامُ بزرگى دادن(عزت دينا)

اَكُرَمَ يُكُرِمُ اِكُراماً فهو مُكُرِمٌ و اُكُرِمَ يُكُرَمُ اِكُراماً فذاك مُكُرَمٌ الامرمنه اَكُرِمُ والنهى مِنْهُ لاتُكُرِمُ والظرف منه مُكُرَمٌ مُكُرَمان مُكرَمان مُكرَماتُ-

فاكده: غيرثلاثي مجرد سے اسم آله، استفضيل اور فعل تعجب كى كردان نهيں ہوتى \_

باب دوم صرف صغيرثلاثي مزيدفيه صحيح ازباب تَفْعِيُل حِوْنَالتَّصُريُفُ گُردانيدن يهيرنا)

صَرَّفَ يُصَرِّفُ تَصُرِيُفاً فهو مُصَرِّفٌ و صُرِّفَ يُصَرَّفُ تَصُرِيُفاً فذاك مُصَرَّفٌ الامر منه صَرِّف والنهى مِنهُ لاتُصَرِّفُ والظرف منه مُصَرَّفان مُصَرَّفاتٌ ـ

باب سوم صرف صغیرثلاثی مزیدفیه صحیح ازباب مُفاعَلَه چوںاَلْمُضَارَبَةُبایک دیگرزدن(ایک دوسریے کومارنا)

ضارَبَ يُضارِبُ مُضارَبَةَ فهو مُضاربٌ وضُورِبَ يُضارَبُ مُضارَبَةَ فذاك مُضارَبٌ الامر منه ضارِبُ والنهى مِنهُ لاتُضاربُ والظرف منه مُضارَبٌ مُضارَبان مُضارَباتُ ـ

باب چهارم صرف صغیرثلاثی مزیدفیه صحیح ازباب تَفَغَّل چوںاَلتَّصَرْتُ دست اندازی کردن درکاریےرکسی کام میں تصرف کرنا)

تَصَرَّفَ يَتَصَرَّفُ تَصَرُّفاًفهو مُتَصَرِّفٌ وتُصُرِّفَ يُتَصَرَّفُ تَصَرُّفاً فذاك مُتَصَرَّفُ الامر منه تَصَرَّف والنهى مِنْهُ لاتَتَصَرَّفُ والظرف منه مُتَصَرَّفٌ مُتَصَرَّفان مُتَصَرَّفان مُتَصَرَّفاتُ.

باب پنجم صرف صغیرثلاثی مزیدفیه صحیح ازباب تَفاعُل چوںاَلتَّضَارُبُ بایک دیگرزدن(ایک دوسریے کومارنا)

تَضَارَبَ يَتَضَارَبُ تَضارُباًفهومُتَضارِبٌ و تُضُورِبَ يُتَضَارَبُ تَضارُباً فذاك مُتَضارَبٌ الامرمنه تَضَارَبُ والنهى مِنْهُ لاتَتَضَارَبُ والظرف منه مُتَضَارَب مُتَضَارَبانِ مُتَضَارَباتٌ ـ

#### باب ششم صرف صغيرثلاثى مزيدفيه صحيح إزباب إفُتِعال حِون ٱلإكْتِسابُ بكوشش حاصل نمودن كمانا)

اِكُتَسَبَ يَكُتَسِبُ اِكْتِساباًفهومُكُتَسِبٌ واُكُتُسِبَ يُكْتَسَبُ اِكْتِساباً فذاك مُكْتَسَبٌ الامرمنه اِكْتَسِبُ والنهى مِنْهُ لاتَكْتَسِبُ والظرف منه مُكْتَسَبٌ مُكْتَسَبان مُكْتَسَباتُ.

#### باب هفتم صرف صغيرثلاثى مزيدفيه صحيح ازباب إنفِعال جوى ٱلِانْصِراتُ گرديدن ريهرنا)

إنْصَرَفَ يَنُصَرِفُ إِنُصِرَافاً فهومُنُصَرِفٌ وأُنصرِفَ يُنصَرَفُ إِنصرَافاً فذاك مُنصَرَفُ الامر منه إنصرِف والنهى مِنهُ لاتَنصرف والظرف منه مُنصَرَف مُنصَرَفان مُنصَرَفاتُ.

#### باب هشتم صرف صغيرثلاثي مزيدفيه صحيح ازباب إسْتِفْعَال چوں ٱلْاسْتِفْراجُ طلب خروج كردن(تكلناچاهنا)

اِسُتَخُرَجَ يَسُتَخُرِجُ اِسُتِخُرَاجاً فهومُسُتَخُرِجٌ واُسُتُخُرِجَ يُسُتَخُرَجُ اِسُتِخُرَاجاً فذاك مُسُتَخُرَجٌ الامر منه اِسُتَخُرجُ والنهى مِنْهُ لاتَسُتَخُرجُ والظرف منه مُسُتَخُرجٌ مُسُتَخُرَجان مُسُتَخُرَجاتُ ـ

#### باب نهم صرف صغيرثلاثي مزيدفيه صحيح ازباب إفُعِلال چوںاَلْإحُمِرارُسرخ شدن(سرخ هونا)

اِحُمَرَّ يَحُمَرُّ اِحُمِراراً فهومُحُمَرُّ وأُحُمُرَّ يُحُمَرُّ اِحُمِراراً فذاك مُحُمَّرُ الامرمنه اِحُمَرَّ اِحُمَرِ اِحُمَرِ والنهى مِنْهُ لاتَحُمَرَّ لاتَحُمَرُ لاتَحُمَرُ والظرف منه مُحُمَرُّ مُحُمَرًان مُحُمَرًاتُ.

#### باب دهم صرف صغيرثلاثي مزيدفيه صحيح ازباب إفْعِيُلال چون/ألاحُميرارُبسيارسرخ شدن(خوب سرخ هونا)

اِحُمارَّ يَحُمارُّ اِحُمِيراراً فهومُحُمارٌ واُحُمُورَّ يُحُمارُ اِحْمِيراراً فذاك مُحُمارُّ الامر منه اِحُمارَ اِحُمارِ اِحُمارِ رَوالنهي مِنْهُ لاتَحُمارً لاتَحُمار لاتَحُمار رُوالظرف منه مُحُمارٌ مُحُمارًان مُحُمارًاتُ ـ

#### باب يازدهم صرف صغيرثلاثى مزيدفيه صحيح ازباب إفْعِوَّال چوںاَلْإِجُلِوَّادْشتافتن (تيزدوڑنا)

اِجُلَقَذَ يَجُلَقِذُ اِجُلِقَاداً فهومُجُلَقِّذٌ وٱجُلُقِّذَ يُجُلَقَّذُ اِجُلِقَاداً فذاك مُجُلَقَذٌ الامر منه اِجُلَقِّذُ والنهى مِنْهُ لا تَجُلَقِّذُ والظرف منه مُجُلَقَّذُ مُجُلَقَّذان مُجُلَقَّذاتُ .

### باب دوازدهم صرف صغيرثلاثي مزيدفيه صحيح ازباب اِفْعِيُعَال چوںٱلِاحُدِيُدابُ كوزپشت شدن(چت كبڑاهونا)

اِحُـدَوُدَبَ يَـحُـدَوُدِبُ اِحُدِيُداباً فهومُحَدَوُدِبٌ و اُحُدُودِبَ يُحَدَوُدَبُ اِحْدِيُداباً فذاك مُحَدَوُدَبُ الامر منه اِحُدَوُدِبَ والنهى مِنْهُ لاتَحُدَوُدِبُ والظرف منه مُحَدَوُدَبُ مُحَدَوُدَبان مُحُدَوُدَباتُ ـ

### باب اول صرف صغيررباعي مجرد صحيح ازباب فَعُلْلَه چوں اَلدَّ مُرَجَةُ سنَگ غلطانيدن(يتهرلرُّهكانا)

دَحُرَجَ يُدَحُرِجُ دَحُرَجَةً فهومُدَحُرِجٌ ودُحُرِجَ يُدَحُرَجُ دَحُرَجَةً فذاك مُدَحُرَجٌ الامرمنه دَحُرِجُ والنهى مِنْهُ لاتُدَحُرجُ والظرف منه مُدَحُرَجٌ مُدَحُرَجان مُدَحَرَجاتْ.

### باب اول صرف صغيررباعي مزيدفيه صحيح ازباب تَفَعُلُل چوناَلتَّدَ خُرُجُ غلطانيدن سنگ(پتهركالرَّهكنا)

تَدَحُرَجَ يَتَدَحُرَجُ تَدَحُرُجاً فهومُتَدَحُرِجٌ وتُدَحُرِجَ يُتَدَحُرَجُ تَدَحُرُجاً فذاك مُتَدَحُرَجُ الامر منه تَدَحُرَجُ والنهى مِنْهُ لاتَتَدَحُرَجُ والظرف منه مُتَدَحُرَجُ مُتَدَحُرَجان مُتَدَحُرَجاتٌ ـ

#### باب دوم صرف صغيررباعي مزيدفيه صحيح ازباب إفْعِنُلال چون الإخْرنُجامُ انبوه شدن شترانبر آب(ياني يراونثون كاجمع هونا)

اِحُرَنُجَمَ يَحُرَنُجِمُ اِحُرِنُجَاماً فهومُحُرَنُجِمٌ و أُحُرُنُجِمَ يُحُرَنُجَمُ اِحُرِنُجَاماً فذاك مُحَرَنُجَمُ الامر منه اِحُرَنُجِمُ والنهى مِنْهُ لاتَحُرَنُجمُ والظرف منه مُحُرَنُجَمٌ مُحُرَنُجَمان مُحُرَنُجَماتُ.

#### باب سوم صرف صغيررباعي مزيدفيه صحيح ازباب إفْعِلَال چون/لَاتْشِعْرَارُبرخاستن موئے برتن(بدن پربالون كاكھڑاھونا)

إِقُشَ عَرَّ يَقُشَعِرُّ اِقَشِعُراراً فهومُقُشَعِرُّ و اُقَشُعِرَّ يُقُشَعَرُّ اِقَشِعُراراً فذاك مُقُشَعَرُّ الامر منه اِقَشَعَرَّ اِقُشَعَرِّ اِقُشَعُرِ والنهى مِنْهُ لاتَقُشَعِرَّ لاَتَقُشَعِرً لاَتَقُشَعِرً لاَتَقُشَعُرُ لاَتَقُشَعِرً لاَتَقُشَعُرً لاَتَقُشَعِرً لاَنْتُقُسُونُ والظرف منه مُقُشَعَرًان مُقُشَعَرًاتُ لاَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ال

### ختم شدند تصريفات وشروع شدند ابنيه وقوانين

فَرَبُنَ كَى بِنَاء: ضَرَبُنَ ،ضَرَبَنَ ،ضَرَبَتُ سے بنا ہون مفتوح علامت جمع مؤثث وضمیر فاعل آخر میں لایا گیااور تا ہے وحدت کو حذف کیا تا کہ فعل میں تا نیٹ کی دوعلامتیں جمع نہ ہوجا کیں اور بے کوساکن کیا تا کہ بےدر بے چار حرکات ایک کلمہ میں نہ آ کیں تو ضَرَبُنَ بن گیا۔

### قانون نمبرا:ضَرَبُنَ كايهلاقانون

فعل میں تا نیٹ کی دوعلامتوں کا جمع ہوناممنوع ہے چاہے ایک جنس سے ہوں یا جدا جدا جنس سے ہوں پہلی صورت کی مثال کلام عرب میں نہیں پائی جاتی اور دوسری صورت کی مثال خَرِی ہُوں۔
کیا اور متصل آنے والے قانون کی وجہ سے ''با'' کوساکن کیا تو ضَرَ بُنَ ہوا۔

اوراسم میں اس وقت ممنوع ہے جب دونوں ایک جنس سے ہوں جیسے ضَادِ بَاتُ جواصل میں ضَادِ بَتَاتُ مُواصل میں ضَادِ بَتَاتُ مُقادونوں''تا'' تا نیٹ کی علامتیں ہیں اس لئے پہلی''تا'' کوحذف کیا، احتر ازی مثال جیسے ضُربَیَاتُ جواصل میں ضُربات مُقالف مقصورہ اور''ت''تا نیٹ کی علامتیں ہیں اور الگ الگ جنس سے ہیں۔

### قانون نمبر٢: ضَرَبُنَ كادوسراقانون

ایک کلمہ میں لگا تارچار حرکتوں کا جمع ہونا ممنوع ہے چاہے حقیقۃ ایک کلمہ ہویا حکماً ایک کلمہ ہو، حکماً ایک کلمہ کا مطلب یہ ہے کہ حقیقت میں دو کلے ہوں کیکن شدت اتصال کی وجہ سے ایک دوسرے سے جدانہ ہوسکتے ہوں جیسے فعل اور فاعل میں شدت اتصال ہوتی ہے کہ فعل فاعل کے بغیر نہیں پایا جا تا ہے، جیسے: یَضُرِ بُ جواصل میں یَضَرِ بُ ہے جوحقیقاً ایک کلمہ ہے اس قانون کی وجہ سے الم کلمہ کوسا کن کیا۔ وجہ سے فاکلمہ کوسا کن کیا اور ضَرَ بُنَ جواصل میں ضَرَ بَنَ تفاحکماً ایک کلمہ ہے اس قانون کی وجہ سے لام کلمہ کوسا کن کیا۔ احر ازی مثالیں: ضَرَ بَ اس میں چارحرکا سے نہیں ہیں اور ضَرَ بَكَ ایک کلمہ نہیں ہے اور اِحُرَ نُجَمَ میں حرکا سے لگا تارنہیں ہیں اس لئے ان میں بہ قانون نہیں جلے گا۔

ضَرَبُتُم کی بناء: ضَرَبُتُم ،ضَرَبُتَ سے بناہے واوسا کہ علامت جَعْ مَد کروضمیر فاعل آخر میں لایا گیا توضَرَبُتَوُ بن گیا پھر تااور واوکے درمیان میم ضموم ماقبل کے ضمہ کے ساتھ لائی گئ توضَرَبُتُمُوْ بن گیا چرواوکو حذف کیا اورمیم کوساکن کیا توضَرَبُتُمُ بن گیا۔

## قانون نمبر٣:ضَرَبُتُمُ اوراَنُتُمُ والا قانون

جوداداسم غیر شمکن کے آخر میں داقع ہوجائے اور اس کا ماقبل مضموم ہوتو اس کو حذف کرنا واجب ہے چاہے حقیقۃ اسم غیر مشمکن ہوجیسے اُنتُم جواصل میں اُنتُم وُقااس قانون کی وجہ سے واوحذف کیا گیا، یا مجاز اُاسم غیر مشمکن ہوجیاز اُ کا مطلب ہے کہ حقیقت میں توقعل ہولیکن اس کے آخر میں علامت اسم' میم' ہوجیسے خَسرَ بُتُم جواصل میں خَسرَ بُتُم مُوقعاس قانون کی وجہ سے واوحذف کیا گیا ہے۔ اس قانون کے لئے چند شرائط ہیں:

ا۔واواسم غیرممکن میں ہواحر ازی مثال یَدُعُو کہ بیال ہےاور دَلُوٌ کہ بیاسم ہے کین غیرممکن نہیں ہے۔

٢\_واوآخر ميس مواحر ازى مثال أنز كُتُمُوهُ-

٣\_واوكا ما قبل مضموم مواحر ازى مثال ضَرَبُتَوُ-

٣ ۔ واوکوحذف کرنے کے بعد کلمہ میں کم از کم دوحروف باقی رہ جائیں احترازی مثال ھُوَ۔

صُرِبَ النَّهُ كَى بِناء: ضُرِبَ الن كوضَرَبَ الن سے بنایا ہے: حرف اول كوضم اور ماقبل آخركوكسره ديا توضُرِبَ الن بن گيا۔

## قانون نمبر٤:ماضى مجهول كايهلاقانون

ثلاثی مجرد کے ہرماضی مجہول، ثلاثی مزید فیہ کے صرف باب افعال، باب تفعیل اور باب مفاعلہ کے ماضی مجہول اور رباع مجرد کے ماضی مجہول میں حرف اول کو ضمہ اور ماقبل آخر کو کسرہ دینا واجب ہے البتہ اگر ماقبل آخر پر پہلے سے کسرہ موجود ہوتو اسی کسرہ کو برقر اردکھا جائے گاجیسے ضرب ، فضرب ، فضر

### قانون نمبره:مضارع مجهول والا قانون

ضَوَادِبُ كَى بِنَاء: ضَوَادِبُ ضَادِبَةٌ سے بناہے: حرف اول كواپنے حال پرچھوڑا، دوم كوواومفتوحه سے بدلا، تيسرى جگه الف علامت جمع مكسر لا يا اور آخر سے تائے واحدہ كوحذف كيا اس لئے كہ واحد اور جمع ميں ضديت ہے اور تنوين كوبھى حذف كيا اس لئے كہ يہ غير منصرف ہے جس پر تنوين نہيں آتی توضَادِ بَةٌ سے ضَوَادِ بُ بن گيا۔

**ضُوَيُرِبٌ، ضُوَيُرِبَةٌ كَى بِناء** : ضُوَيُرِبٌ، ضُويُرِبَة ، ضَارِبٌ اورضَارِ بَةٌ سے بنے بین: حرف اول کو ضمہ دیا ، دوم کو واومفتوح سے بدل دیا ، تیسری جگہ یائے ساکن علامت تصغیر لائی گئ توضُو یُربّ اور ضُو یُربّةٌ بن گئے۔

### قانون نمبر٦:مده زائده والاقانون

جومدہ زائدہ مفرد مکبر میں دوسری جگہ واقع ہوااور مفرد سے جمع اقصیٰ اور مکبر سے تصغیر بنانے کاارادہ ہوتواس مدہ زائدہ کو اومفتو ہے ہو بدانا واجب ہے جیسے خَسارِ بَةٌ سے جمع اقصیٰ خَسَو اَرِ بُ اور تصغیر خُسوَیْرِ بَةٌ ہدہ وہ حرف علت ہے جوساکن ہواور ماقبل کی حرکت اس کے مناسب ہولیعنی واوساکن ماقبل مضموم ہو، یہ اساکن ماقبل کی حرکت اس کے مناسب ہولیعنی واوساکن ماقبل مضموم ہو، یہ اساکن ماقبل کی حربہ واور الف تو ہمیشہ مدہ ہوتا ہے جیسے اُو یُنے نَسامِس تَنیوں حروف مدہ جمع ہیں۔ جمع اقصالی اور جمع منتصی الجموع وہ جمع ہے جس میں جمع مکر رہواور اس کی مزید جمع نہ آ سکے جیسے قول کی جمع اقوال ہے ہوا ووال کی جمع اقاویل ہے۔ مکبر سے مرادوہ اسم ہے جس کی تصغیر بن سکے اور تصغیر کہتے ہیں لفظ میں ایسی تبدیلی کرنا جس سے موبت یا شفقت یا حقارت کے معنی پیدا ہوجا کیں۔

اس قانون کے لئے چندشرا لط ہیں: ا۔مدہ، زائدہ ہواحتر ازی مثال خَوفٌ اس لئے کہ بیدمہ نہیں ہے بلکہ لین ہےاور سُدُوَةٌ کہ بیدمہ ہے کیکن زائدہ نہیں بلکہ اصلی ہے۔

۲۔ مدہ زائدہ مفرد میں ہواحتر ازی مثال خَارِ بَانِ کا دوسراالف اس لئے کہ یہ مفرد میں نہیں ہے بلکہ تثنیہ میں ہے۔ سے مدہ زائدہ مفرد مکبر میں مفرد مکبر میں ہواحتر ازی مثال خَال خَال کَ تُعلیٰ کَا اس لئے کہ یہ مکبر نہیں ہے کیوں کہ فعل کی تصغیر نہیں آتی ہے۔ مدہ زائدہ مفرد مکبر میں دوسری جگہ پر ہواحتر ازی مثال مَضُدُ وُ بُ اس لئے کہ اس میں مدہ زائدہ چوتھی جگہ پر ہے۔

### قانون نمبر٧:أل تعريفي اوراضافت والا قانون

ہرنون تنوین کواکل تعریفی اور اضافت کی وجہ سے گرانا واجب ہے اور نون تثنیہ ونون جمع کو صرف اضافت کی وجہ سے گرانا واجب ہے جیسے ضَادِ بًا ذیدِ الصَّادِ بُونَ سے ضَادِ بُونَ سے ضَادِ بُانِ سے ضَادِ بَانِ سے ضَادِ بَاذِیدِ اور ضَادِ بُونَ سے ضَادِ بُانِ م

### قانون نمبر٨:نون تنوين اور نون خفيفه والا قانون

مرنون تنوین اورنون خفیفہ کو حالت وقف میں ماقبل والی حرکت کے موافق حرف علت سے بدلنا جائز ہے لینی ماقبل میں فتح موتو الف سے ، ضمہ موتو واوسے کسرہ موتو یا سے جیسے ضَارِ بساً سے ضَارِ بَسا ، ضَارِ بُ سے ضَارِ بُ وُ، ضَارِ بِ ضَار بی ، اِضُر بَن سے اِضُر بَا، اِضُر بُنُ سے اِضُر بُنُ سے اِضُر بن سے اِضُر بن سے اِضُر بی ۔

بقولُ محشی بیقانون قدرے غلط ہے مجے قانون بیہ ہے کہ وہ نون تنوین جس سے پہلے فتہ ہواس کو حالت وقف میں الف سے بدلناوا جب ہے جیسے اُف وَ اَجَابِشر طیکہ آخر میں تائے مدورہ نہ ہوا گر ہوتو اس کو صائے ساکنہ سے بدلناوا جب ہے جیسے قَائِمَهُ ۔ جیسے قائِمَهُ ۔

نون تنوین وہ نون ہے جواسم کے آخر میں پڑھاجا تا ہے کین کھانہیں جا تا البتہ اس کودوز بر، دوزیر، دوپیش سے ظاہر کیا جا تا ہے اور بھی اسم کے آخر میں چھوٹا سانون مکسورہ کھاجا تا ہے جیسے نفو دان استکبار آ۔

لَمُ يَضُرِبُ، لَمُ يُضُرَبُ النَّح كَى بِعَنَاء : لَمُ يَضُرِبُ اورلَمُ يُضُرَبُ النَّ يَضُرِبُ، يُضُرَبُ يَضُرَبُ عَلَى اللَّمَ يَضُرِبُ، يُضَرَبُ عَلَى اللَّمَ يَضُرِبُ، يُضَرَبُ، يَضُروع مِن اللَّايا اور آخر كومجُ وم كيا، علامت جزمى معلوم اورمجهول كي يا في صيغول (يَسْضُربُ، تَسْضُربُ، تَسْضُربُ، تَسْضُربُ، تَسْضُربُ،

أَضُرِبُ، نَصَرِبُ، يُصَرِبُ يُصَرِبُ، تُصَرِبُ، تُصَرِبَ انِ مَصَرِبَ انْ خَصَرِبَ انِ مَصَرِبَ انِ مَصَرَبَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ ال

#### قانون نمبره:نون اعرابي والاقانون

جس فعل مضارع کے آخر میں نون اعرابی ہواوراُس کے شروع میں حرف جازم یاحرف ناصب آجائے یا اُس کے آخر میں نون تُقیلہ یا نون خفیفہ آجائے یا اُس سے فعل امر بنادیا جائے تو اُس نون اعرابی کوحذف کرنا واجب ہے جیسے تَضُرِبَانِ سے لَمُ تَضُربَا اللّٰهِ مَا نَصُربَا اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ الللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ

حروف جوازم پانچ ہیں: اِن ، لَمُ، لَمَّا، لامِ امر، لائے نھی جو اِس شعر میں جمع ہیں: اِنْ ولَمُ لَمَّاو لامِ امرو لائے نھی نیز: پُنْ حرف ایں جازم فعل اند ہر یک بے دغا۔

اورحروف نواصب جار بين: أَنْ ، لَنْ ، كَيْ ، إِذَنْ جواس شعر مين جمع بين:

أَنُ ولَنُ لِس كَى إِذَنُ الله حِارِ حرف معتبر: نصب مستقبل كننداس جمله دائم اقتضار

نون خفیفہ بغل مضارع بغل امراور فعل نہی کے تمام صیغوں میں آتا ہے اور ہمیشہ ساکن ہوتا ہے جیسے لَیہ خُسِرِ بَنُ اور صرف تاکید کے لئے آتا ہے۔ لئے آتا ہے۔

تعليل: لَن يَّضُرِبَ: اصل مِين لَنُ يَضُرِبَ هَا: نون اور يادوقريب المُخرَ ج حروف جَعَ ہوئ اس لِحَ نون کويا کيا اور يا کا يا مِين اوغام مع الغنه کيا تولَن يَّضُرِبَ بن گيا۔

#### قانون نمبر ١٠: حروف يرملون والا قانون

ہرنون ساکن اورنون تنوین کا حروف بر ملون میں ادغام واجب ہے بشرطیکہ دونوں جداجد اکلموں میں ہوں اورنون متحرک کا حروف بر ملون میں نذکورہ شرط کے ساتھ ادغام جائز ہے پھر حروف یمون میں ادغام مع الغنہ ہوگا۔ نون ساکن کے بعد حروف یمون آجائیں تو ادغام مع الغنہ ہوگا جیسے لَنُ یَضُرِبَ سے لَن یَضُرِبَ ، مِنْ مَاءِ ، مِنْ

وَالِ عمِن وَّالِ ، مِنُ نَارِ عمِن نَّارِ ـ

نون ساكن كے بعد حروف لرآجاكيں توادعام بلاغنہ وكا جيسے مِنُ لَدُنّا سے مِن لّدُنّاء مِنُ رَبِّهمُ سے مِن رّبّهمُ

نون توین کے بعد حروف یمون آجا کیں توادعام مع الغنہ ہوگا جیسے دَافِقِ یَخُرُجُ سے دَافِقِ یَخُرُجُ مَن اللهِ سے

رَسُولُ مِّنَ اللَّهِ، مِنْ جُوع وَامَّنَهُمُ ت مِنْ جُوع وَّامَّنَهُمُ، عَامِلَةٌ نَاصِبَةٌ ت عَامِلَةُ نَاصِبَةً -

نون تنوين ك بعدروف ارآجاكي قوادعام بلاغنه وكاجيس رِجَالٌ لَاتُلُهِيهِمُ سے رِجَالٌ لَاتُلُهِيهِمُ ، غَفُورٌ رَحِيمٌ سے غَفُورُ رَحِيمٌ سے غَفُورُ رَحِيمٌ سے غَفُورُ رَحِيمٌ ب

احترازى مثال: دُنْيَااور قِنْوَانٌ كهنون ساكن اورحروف ريلون جداجد اكلمول مين نهيس ميس ـ

نون تحرك كاحروف يمون مين ادغام مع الغنه جائز ہے جیسے آمِن ياسِرٌ سے آمِن يَاسِرٌ ، اَمِنَ ماهِدٌ سے آمِن مَّاهِدٌ ، اَمِنَ مَّاهِدٌ ، اَمِن نَعِيْمٌ سے آمِن نَعِيْمٌ سے آمِن نَعِيْمٌ ۔

نون تحرك كاحروف لريس ادعام بلاغنجا زج جيس آمِنَ لَبيدٌ سے آمِن لَبيدٌ ، آمِن رَشِيدٌ سے آمِن رَشِيدٌ س

ادغام بمعنی داخل کرنااوراصطلاح میں ایک حرف کودوسرے حرف میں قرب مخرج یاوحدت مخرج کی وجہ سے ملا کر پڑھنااورغنہ ناک میں آواز لے جانے کو کہتے ہیں۔

#### قانون نمبر ١: اقلاب، اظهار، اخفاء والا قانون

اس قانون کے تین جصے ہیں: پھلا حصه: جونون ساکن یا نون تنوین باسے پہلے واقع ہوجائے چاہنون ساکن اور باایک کلمہ میں ہول یا جدا جدا کلموں میں ہول تو اس نون ساکن اور نون تنوین کومیم پڑھنا واجب ہے جیسے یَذَبَغِی سے یَمُبَغِیُ، مِنُ بَعُد سے مِمْ بَعُدُ اور ایّات مُ بَیّنَاتٌ مِیْ بِیْنَاتُ مِیْنَاتُ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتُ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتُ مِیْنَاتُ مِیْنَاتُ مِیْنَاتِ مِیْنِاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنِ الْسِیْنِیْنَاتُ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِ مِی ایْنِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتُ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنِیْنِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنَاتِ مِیْنِیْنِ مِی مِیْنِیْنِ مِی مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِیْنِیْنِ مِیْنِی

دوسراحصد: اورجس نون ساکن یا نون تنوین کے بعد حروف حلقی میں سے کوئی حرف آجائے تواس نون ساکن اور نون تنوین میں اظہار کرنا واجب ہے کہنا ک میں آواز بالکل نہ جائے حروف میں اظہار کرنا واجب ہے کہنا ک میں آواز بالکل نہ جائے حروف حلقی چھ ہیں: ء، ھ، ح، خ، غ، جواس شعر میں جمع ہیں:

## حرف حلتی شش بودا نے نورعین :: ہمزہ هاوجا وغین وغین

جي مِنُ اَحَدِ، عَنُهُمُ، مِنُ حُلِيِّهِمُ، مِنُ خَالِقِ، اَنُعَمُتَ، مِنُ غَاسِقِ، زَيدٌ المِرُ، زَيدٌ هَالِكُ، زَيدٌ حَاكِمٌ، زَيدٌ خَادِمٌ، زَيدٌ عَالِمٌ، زَيدٌ غَالِبٌ.

تیسر احصه: اور جونون ساکن یا نون تنوین باقی پندره حروف (الف، با، یر ملون، حروف حلقی کے علاوه) کے بعدواقع ہوجائے تواس میں اخفا واجب ہے اخفا کہتے ہیں نون ساکن اور نون تنوین کوتشد ید کے بغیر، غنہ کے ساتھ اس طرح اوا کرنا کہ نون مخرج سے صاف نہ نکلے بلکہ اوھور اسااوا ہوجائے حروف اخفا پندرہ ہیں: ت، ث، ج، د، ذ، ز، س، ش، ص، ض، ط، ظ، ف، ق، ك جو اس شعر میں جمع ہیں:

تاه و شاه و جيم و دال و ذال و زاوسين و شين: صادو ضادو طا و ظاوفاو قاف و كاف بين - بين مَن تَمَرِ ، مِن مَنَ مَمَالِ ، عِنُ دَالَّذِى ، مِن رَوَالِ ، مِن سَمَاء ، مِن شَرّ ، مِن صَابِرِ ، مِن طَيّبَاتِ ، مِن ظَالِم ، مَن فَو قَهُم ، فَمَن قَتَلَ ، مَن كَان ، دَيُدٌ تَامِر ، كِتَابٌ ثَمِينٌ ، فَصَبُرٌ جَمِيلٌ ، مَاء دَافِق ، دَيُد ذُو الْمَالِ ، ظِلٌّ ظَالِم ، مَن فَو قَهُم ، فَمَن قَتَلَ ، مَن كَان ، دَيُدٌ تَامِر ، كِتَابٌ ثَمِينٌ ، فَصَبُرٌ جَمِيلٌ ، مَاء دَافِق ، رَجُل قَاتِلٌ ، أَمُرٌ كَائِنٌ . وَالِلٌ ، مَاءٌ سَائِلٌ ، دَيُدٌ شَرِيرٌ ، دَيُدٌ صَابِرٌ ، دَيُدٌ ضَالٌ ، ثَوُبٌ طَاهِر ، دَيدٌ ظَالِم ، دَيدٌ فَاقِقٌ ، رَجُل قَاتِلٌ ، أَمُرٌ كَائِنٌ . وَالْمَالِ ، ظِلٌ الله ، وَيُوبُ الله تَفْرِبُ الله سوى المتكلم سينا به عن المتكلم سينا به مضارعت كومذف كيا ، ما بعد ساكن تخااور كلام عرب عين كلم مضموم نيس ثاق و شروع عين ، مزه وسلى كمور له آكس عرب عين ابتداء بالسكون عال ہے اس لئے عين كلم كود يكھا ، جب عين كلم مضموم نيس ثاق و شروع عين ، مزه وسلى كمور له آكس ابتداء بالسكون عال ہے اس لئے عين كلم كود يكھا ، جب عين كلم مضموم نيس ثاق و شروع عين ، مزه وسلى كمور له آكس وربُ وربُ عين ابتداء بالسكون عال ہے اس لئے عين كلم ود يكھا ، جب عين كلم مضموم نيس ثاق و شروع عين ، مزه وسلى كمور له آكس وربُ وربُ عين به من وق المتكلم سيافون اعرائي كاگرنا ہے اورائيک صيغه (تَضُرِبُنَ ) عين كون اعرائي كاگرنا ہے اورائيک صيغه (تَضُرِبُنَ ) عين كوئ تبديلئ نيس موئي اس لئے كه وه مئي ہے تو تَضُرِبُ الغ سوى المتكلم سوى المتكلم سوى المتكلم سوى المتكلم سوى المتكلم سون المتكلم سون المتكلم عالم في المتكلم عن المت

#### قانون نمبر١٠: امرحاضرمعلوم والاقانون

امرحاضرمعلوم کومضارع مخاطب معلوم سے بنایا جائے گااس طریقہ پرکہ حرف مضارعت کوحذف کیا جائے اگر مابعد ساکن ہوتو عین کلمہ کود یکھا جائے اگر عین کلمہ ضموم ہوتو شروع میں ہمزہ وصل مضموم لا ناواجب ہے جیسے تَنْصُرُ سے اُنْصُرُ ،اوراگر عین کلمہ ضموم ہوتو ہمزہ وصل مکسور لا ناواجب ہے جیسے تَنَصُرِ بُ سے اِخْلَمُ ، اور عین کلمہ ضموم نہ ہو بلکہ مکسور یا مفتوح ہوتو ہمزہ وصل مکسور لا ناواجب ہے جیسے تَنصُرِ بُ سے اِخْلَمُ ، اور اگر من مضارعت کوحذف کرنے کے بعد مابعد متحرک ہوتو شروع میں پھی ہیں لایا جائے گا جیسے تُناگُرِ مُ سے اَکُرِ مُ ، تُصَدِّفُ سے صَدِّفُ اوران جملہ صورتوں میں آخرکو جزم دینا بھی واجب ہے جزم دینے سے حرکت اورنون اعرائی گریں گے۔

اضربنان كى بناء: اخربنان وراصل اخربن تهاجب نون تاكير ثقيله آخر من پوست بوا تواخر بنن بواپس ايك كلمه من تين نون جمع بوئ او اخربنان من الف فاصل لايا گيا تواخر بننان بوا پر نون تثنيه كے ساتھ مشابهت كى وجه سے نون كفته كوكسره سے بدل ديا تواخر بننان بن گيا۔

#### قانون نمبر١٣: اجتماع تين نونات والا قانون

#### قانون نمبر١٤:اسم ظرف والا قانون

مثال کے ثلاثی مجرد سے اسم ظرف مطلقاً مَفُعِلٌ ( بکسرالعین ) کے وزن برآتا ہے مطلقاً کا مطلب بیہ ہے کہ مثال واوی ہو پایائی،مضارع مضموم العین ہو یامفتوح العین یا کمسور العین ہو۔مثال واوی مضارع مضموم العین جیسے یَوُسُمُ سے مَوْسِم،مثال واوی مضارع مفتوح العین جیسے یو جَلُ سے موجلٌ ،مثال واوی مضارع مسورالعین جیسے یو دُسے موعدٌ ،مثال یا فی مضموم العین جیسے یَیسُدُ سے مَیْسِدٌ، مثال یائی مضارع مفتوح العین جیسے یَیبَسُ سے مَیْبِسٌ، مثال یائی مضارع مکسورالعین جیسے يَيْسِرُ سے مَيْسِرٌ ۔اورلفيف،ناقص اورمضاعف سے مطلقاً اسم ظرف مَفْعَلٌ (بِقْتَ العين ) آتا ہے مطلقاً كا مطلب بيہ ہے كہ لفيف مقرون ہو یامفروق، ناقص واوی ہو پایائی اسی طرح ان سب کامضارع مضموم العین ہو یامفتوح العین ہو یا مکسورالعین ہو، [لفیف مضارع مکسورالعین جیسے یَـطُـویُ سے مَـطُـقی، [لفیف مفروق مضارع مضموم العین مستعمل نہیں ہے]، لفیف مفروق مضارع مفتوح العين جيسے يَوُجيٰ سے مَوُجي ،لفيف مفروق مضارع مكسورالعين جيسے يَقِيُ سے مَوُقي ،ناقص واوى مضارع مضموم العين جیسے یَدُعُوسے مَدُعی، ناقص واوی مضارع مفتوح العین جیسے یَدُضیٰ سے مَدُضی، ناقص واوی مضارع مکسورالعین جیسے يَجُثِيُ سِ مَجُثِيَّ، ناقص يائي مضارع مضموم العين جيس يَنْهُو سِ مَنْهِيّ، ناقص يائي مضارع مفتوح العين جيس يَسُعيٰ س مَسُعة ، ناقص يائي مضارع مكسورالعين جيسے يَرُوبي سے مَرُمة ،مضاعف ثلاثي مضارع مضموم العين جيسے يَـمُـدُّ سے مَمَدٌ، مضاعف ثلاثی مضارع مفنوح العین جیسے مَعَمِّی سے مَعَمِّی ،مضاعف ثلاثی مضارع کمسورالعین جیسے مَنِی سے مَـفَدُّ ،اور سجح ،مہموز اوراجوف سے اسم ظرف مضارع کا تابع ہوگا اگر مضارع مکسور العین ہوتو ظرف مَـفُعِلٌ کےوزن پرآئے گاور نہ مَفْعَلٌ كوزن يرآئ كًا الله مضارع مسورالعين جيس يَضُربُ سے مَضُربٌ الله مفتوح العين كى مثال جيسے يَعْلَمُ سے مَعُلَمٌ " صحیح مضموم العین کی مثال جیسے مَنْصُرُ سے مَنْصَرٌ مهموز الفاء مضارع مسور العین جیسے ماُزدُ سے مَاُزدٌ مهموز الفاء مضارع مضموم العين جيسے مَا مُرُرِ سے مَا مُرَرِّم مهوز الفاءمضارع مفنوح العين جيسے مَا مَنُ سے مَا مَن مهموز العين مضارع كمسور العين جيسے مَسْنَلٌ مهموزاللا ممضارع مكسورالعين مَهَنِأُ سے مَهَنِأُ مهموزاللا ممضارع مضموم العين جيس دجُرُأْسے مَجُرَأُ مهموزاللا ممضارع مفتوح العين جيس مَبْرَءُ سے مَبْرَءٌ، اوراجوف واوی مضارع مسور العين جيسے يَطِين مسے مَطِين ، اجوف واوی مضموم العين جيسے يَقُولُ سے مَقَال ، اجوف واوی مضارع مفتوح العین جیسے یَخَاف سے مَخَاف ، اجوف یائی مسور العین جیسے یَبیعُ سے مَبیعٌ ، اجوف يائي مضموم العين جيسے مَغُوطُ سے مَغَاطُ ، اجوف يائي مضارع مفتوح العين جيسے مَطَابُ سے مَطَابُ - الركوئي ظرف اس قانون ك خلاف ال جائة واست شاذكها جائع كاجيس يَسُجُدُ س مَسُجدٌ وغيره-

يَسُجُدُ ح مَسُجُدُ-

اورغیرثلاثی مجرد یعنی ثلاثی مزید فیه، رباعی مجرداور رباعی مزید فیه کااسم ظرف اس باب کے اسم مفعول کے وزن پرآئے گا جیسے یُکُرَمُ سے مُکُرَمٌ، یُدَحُرَجُ سے مُدَحُرَجٌ، یُتَدَحُرَجُ سے مُتَدَحُرَجٌ۔

الحاصل مثال کااسم ظرف مَـفُعِلٌ کے وزن پرآئے گا،لفیف ناقص اور مضاعف کااسم ظرف مَـفُعَل یُکوزن پرآئے گا اور صحیح ،مہموز اورا جوف کااسم ظرف مضارع کا تا بع ہوگا اگر مضارع کمسور العین ہوتا ظرف بھی کمسور العین ہوگا ورنہ ظرف مفتوح العین ہوگا۔
کتاب میں ظرف یَـفُعِلُ سے مراضیح ،مہموز اورا جوف ہیں جب ان کا مضارع کمسور العین ہو۔

مَضَادِیْبُ کی بناء: مَضَادِیْبُ ، مِضُرَابٌ سے بناہے: حرف اول ودوم کوفتھ دیا، تیسری جگہ الف علامت جمع مکسر لے آکیں اور اس کے بعد والے حرف کوکسرہ دیا اور الف کویاسے بدلا، تنوین تمکن علامت اسمیت عدم انھراف کی وجہ سے گرگئ تومَضَاریُبُ بن گیا۔

### قانون نمبره ١: ضُوُربَ اورمَضَاريُبُ والا قانون

ہرالف کو ماقبل والی حرکت کے موافق حرف علت سے بدلناواجب ہے جیسے ضل آربَ سے فعل مجہول خُسورِبَ (بنابر ماضی مجہول کا پہلا قانون) اور مِضُرَابٌ سے جمع مکسر مَضَادیُبُ۔

ضرُبَيانِ كى بناء: خُربَيَانِ ،خُربي سے بناہے: الف مقصورہ كويائے مفتوحدسے بدلا اوراس كے بعد الف ونون كسورہ لايا كياضربيان بن كيابينون كسورہ مفردين ضمه يا تنوين مقدرہ يادونوں كاعوض ہے۔

ضرُبَيَاتُ كى بناء: ضُرُبَيَاتٌ، ضُرُبيٰ سے بناہے: الف مقصورہ كويائے مفتوحہ سے بدلا اور آخر ميں الف و تاعلامت جمع مؤنث سالم لے آئيں اور تنوين كوظا ہركيا توضُرُبَيَاتٌ بن گيا۔

### قانون نمبر١٦: الف مقصوره والف ممدوده والا قانون

اس قانون کے پاپی جھے ہیں: پھالا حصہ: جوالف مقصورہ تیسری جگہ پرواقع ہواورواو سے مبدل ہو یاالف مقصورہ اصلی ہولیتن کسی سے مبدل نہ ہواوراس الف مقصورہ میں امالہ بھی ناجا تر ہوتو تثنیہ اور جمع مؤنٹ سالم بناتے وقت اس الف مقصورہ کوواومفتوح سے بدلناواجب ہے جیسے عَصَاسے عَصَوَانِ اور عَصَوَاتُ اور اِلَیٰ سے اِلَوَ انِ اور اِلَوَاتُ ، عَصَامِس الف مقصورہ کوواومفتوح سے بدلناواجب ہے جیسے عَصَاسے عَصَوَانِ اور عَصَوَاتُ اور اِلَیٰ سے اِلَوَ انِ اور اِلَوَاتُ ، عَصَامِس الف مقصورہ ہے کیوں کہ جس الف کے بعد ہمزہ نہ ہواوراسم کے آخر میں ہووہ الف مقصورہ کہلاتا ہے ،اور تیسری جگہ پر ہے وہ و الظاہر ،اورواوسے مبدل ہے اس لئے کہ بیاصل میں عَصَوُ تھا، اسی طرح اِلیٰ میں بھی الف مقصورہ ہے اوراصلی ہے یعن کو میں سے مبدل نہیں ہواور اِلے میں امالہ بھی نہیں ہوتا کیوں کہ امالہ صرف تین اساء (مَتَ نَیْ اَنْ اَنْ اَنْ اَنْ اَنْ اَنْ اَنْ ہُوں۔ (لا ، بَلیٰ ، یَا) میں ہوتا ہے جب کہ یہ سی کے نام ہوں۔

دوسراحی : اوراگرالف مقصوره تیسری جگه میں نه ہوجیسے خُسرُ بسیٰ یا تیسری جگه میں ہولیکن واوسے مبدل نه ہوجیسے رَمے ، یاالف مقصوره اصلی ہولیکن اس میں امالہ جائز ہوجیسے مَتے یٰ توان صورتوں میں تثنیه اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت الف

مقصوره کویامفتو حسبرلناواجب م جیسے ضُرُبیٰ سے ضُرُبیانِ، ضُرُبیَاتٌ، رَمیٰ سے رَمَیَانِ رَمَیَاتُ، اور مَتی سے مَتیَان، مَتیَات، ورمیات، مُتیَات، اور مَتیات، اور مُتیات، اور می ایر مُتیات، اور م

تیسر احصه : اور ہرالف ممدودہ اصلی کو تثنیہ اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت ثابت رکھنا واجب ہے جیسے قُرَّاءً سے قُرَّاءً ن اور قُدُر اللہ مدودہ ہوتا ہے اور اصلی قُدَرًاءً من الف ممدودہ ہوتا ہے اور اصلی کے تخریس ہوا ور اس کے بعد ہمزہ ہووہ الف ممدودہ ہوتا ہے اور اصلی ہے۔ ہے اس لئے کہ سی سے تبدیل شدہ نہیں ہے۔

چوتها حصه: اور ہرالف ممدوده تا نیش کوتشنیه اور جمع مؤنث سالم بناتے وقت واوسے بدلنا واجب ہے جیسے حَمُ رَاءٌ سے حَمُرَا وَ ان اور حَمُرا وَ اتْ۔

پانچواں حصه :اور جوالف ممروده اصلی نہ ہو بلکہ کسی سے تبدیل شدہ ہواور تا نیش بھی نہ ہواس کو شنیا ورجع مؤنث سالم بناتے وقت ثابت رکھنا بھی جائز ہے اور واوسے بدلنا بھی جائز ہے جیسے رُخاہ جواصل میں رُخاہ تھا اس کورُخاہ ان ،رُخاہ ان پڑھنا بھی جائز ہے اور رُخاوات پڑھنا بھی جائز ہے اسی طرح کے سَاء "جواصل میں کِسَای تھا اس کو کِسَاء ان ،کِسَاء ان پڑھنا بھی جائز ہے اور کِسَاوات پڑھنا بھی جائز ہے اسی طرح عِلَباء سے عِلْباء ان ،عِلَا ان ،کِسَاء ان پڑھنا بھی جائز ہے ،اسی طرح عِلْباء سے عِلْباء ان ،عِلْباء ان پڑھنا بھی جائز ہے اور کِسَاوات پڑھنا بھی جائز ہے ،اسی طرح عِلْباء سے عِلْباء ان ،عِلْباء ان پڑھنا بھی جائز ہے اور عِلْبا کے لئے ہے یہ جائز ہے اور عِلْبا کا ان کے لئے ہے یہ جائز ہے اور الحاق اس کی ساتھ کی جائز ہے ،اور الحاق اس کی کوروسرے کلے کا ہم وزن بنانے کے لئے اس میں کسی حوف کا اضافہ کیا جائے جیسے جَلَبَ کو دَحْرَجَ کا ہم وزن کرنے کے لئے اس میں ایک باکا اضافہ کیا گیا تو جَلْبَبَ ہوا۔

#### قانون نمبر١٧ شَهدَ والاقانون

جس کلمہ کے عین کلمہ کے مقابلہ میں حرف طفی ہواور فَ عِلَ کے وزن پرہولیتی اس کاف کلم مفتوح اور عین کلمہ کسور ہواور الم کلمہ جیسا بھی ہوا لیسے کلمہ کوا پنے اصلی وزن کے علاوہ تین طرح پڑھنا جائز ہے جیسے شَهِدَ کوفَ عِلَ کے علاوہ شَهدَ ہروزن فَ عُلَ ، فِخُدٌ ہروزن فِعُلَ اور شِهدَ ہروزن فِعِلَ پڑھنا جائز ہے ، اسی طرح فَخِدٌ ہروزن فَعِلَ کوفَخُدٌ ہروزن فَعُلَ ، فِخُدٌ ہروزن فِعُلَ ، فِخُدٌ ہروزن فِعِلَ ہُرون الله علاوہ دوطرح فِعُلُ ، فِخِدٌ ہروزن فِعِلَ ہُرون نِ پہوتو اسم کواصل کے علاوہ دوطرح پڑھنا جائز ہے اور اگروہ کلم حلقی العین نہ ہولیکن فَعِلَ کے وزن پر ہوتو اسم کواصل کے علاوہ دوطرح پڑھنا جائز ہے اور فعل کوا کی حرف پڑھنا جائز ہے اور کو تُحثُ ہروزن فَعُلٌ اور کِتُثُ ہروزن فَعُلٌ ہے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے ہوئن کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے کینٹ ہو سے جائز ہے اسی طرح جوکلمہ فِیلٌ کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے کُنٹ ہوئن جائز ہے اسی طرح جوکلمہ فِیلٌ کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے کُنٹ ہوئن کے وزن پر پڑھنا جائز ہے اسی طرح جوکلمہ فُعُلٌ کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے عُنٹ ہوئے کُنٹ ہوئن کے وزن پر پڑھنا جائز ہے اور جوکلمہ فُعُلٌ کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے عُنٹ ہوئے کُنٹ ہوئن کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے عُنٹ ہوئے کُنٹ ہوئن کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے عُنٹ ہوئے کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے قُفُلٌ کو قُفُلٌ ہوئوں کو خُفلٌ کے وزن پر پڑھنا جائز ہے جیسے قُفُلٌ کو قُفلٌ ہوئے کُنٹ ہوئا جائز ہے۔

### قانون نمبر ١٨: أبئ يَأْبئ والاقانون

شَرَائِفُ كَى بِناء: شَرَائِفُ، شَرِيفَةٌ سِبنا ہے: تیسری جگہ الف علامت جمع مؤنث مکسر ماقبل کے فتہ کے ساتھ لے آئیں اور الف کے بعد اس لئے اس کوہمزہ سے بدل الف کے بعد اس لئے اس کوہمزہ سے بدل دیا توشَرَائِفُ بن گیا۔

#### قانون نمبر ١٩: شَرائِفُ والا قانون

جورف علت زائد ہوتو مطلقاً اس کو ہمزہ سے بدلناوا جب ہے اگروہ حرف علت زائد ہوتو مطلقاً اس کو ہمزہ سے بدلا جائے گا، مطلقاً کا مطلب ہیہ کہ الف مفاعل سے پہلے حرف علت ہویا نہ ہو چیسے: رِسَالَةٌ کا مفاعل رَسَاللُہ ہمزہ سے بدل ہو جیسے نوسائے گا، مطلقاً کا مطلب ہیہ کہ الف مفاعل سے پہلے حرف علت ہویا نہ ہو چیسے: رِسَالَةٌ کا مفاعل اس پیس الف مفاعل کے بعد والا الف زائد ہے لہذا اس کو ہمزہ سے بدل کر رَسَائِلُ پڑھا جائے گا اس طرح عَدُورَةٌ کا مفاعل عَجَا وِذَ کو شَرَا بِیهُ ہے اس پیس الف مفاعل کے بعد یا زائدہ ہے لہذا اس کو شَرَا یِقُ پڑھا جائے گا اس شرط پر ہمزہ سے بدلنا واجب ہے کہ الف مفاعل سے ہمنے بھی حرف علت ہو چیسے بنا یِعَةٌ کا مفاعل بَوَ ایع ہے ، اس پیس الف مفاعل کے بعد یا اس کی ہو اور الف مفاعل سے پہلے بھی حرف علت موجود ہے لہذا اس کو بَوَ ایع ہے ، اس پیس الف مفاعل کے بعد حرف علت اصلی ہے اور الف مفاعل کے بعد حرف علت اصلی ہے اور الف مفاعل کا ٹیس مفاعل سے پہلے جی حرف علت موجود ہے لہذا اس کو بَو اَو یُسسُ میں ہوتا نون ٹیس چاگا اس لیے کہ یہاں الف مفاعل کے بعد حرف علت اصلی ہے اور الف مفاعل کا ٹیس مفاعل سے پہلے حرف علت موجود ہے کہ الف مفاعل کا ٹیس مفاعل سے پہلے جمن حرف علت موجود ہے کہ الف مفاعل کا ٹیس میں ہے اور اصلی ہے اور اصلی کے لئے شرط ہے کہ الف مفاعل کا ٹیس سے پہلے جمن حرف علت ہو والوسلی ہے اور اصلی کے لئے شرط ہے کہ الف مفاعل کا ٹیس سے پہلے بھی حرف علت ہو والا ل کہ یہاں الف مفاعل کا ٹیس سے پہلے بھی حرف علت ہو والا ل کہ یہاں اور کہ جھی قانون چلا ہے لہذا ہے اور اصلی کے لئے شرط ہے کہ الف مفاعل سے پہلے بھی حرف علت ہو والا ل کہ یہاں بیس اور کھر بھی قانون چلا ہے لہذا ہے اور اسلی کے لئے شرط ہے کہ الف مفاعل سے پہلے بھی حرف علت ہو والوسلی ہے اور میں والوں کہ یہاں نہیں اور کھر بھی قانون چلا ہے لہذا ہیں تازہ وہو۔

اعتراض: شَرَائِفْ مِيں بيقانون چلا ہے حالائکہ اس مِیں حرف علت الف مفاعل کے بعد نہیں ہے بلکہ الف فَعَايِلُ کے بعد ہے؟ جواب: شَرَائِفُ بروزن مفاعل ہے اس لئے کہ وزن سے مرادوزن صرفی نہیں ہے بلکہ وزن صوری مراد ہے، وزن کی تین قسمیں ہے: وزن صرفی، وزن صوری اوروزن عروضی

وزن صرفی میں میزان اور موزون ، حروف ، حرکات ، اور سکنات میں ایک جیسے ہوتے ہیں یعنی حرف اصلی اصلی کے مقابلے میں ہوتا ہے ، حرف ذائد ذائد کی مقابلے میں ، ضمہ مے مقابلے ، فتح فتح کے مقابلے میں ، کسرہ کسرہ کے مقابلے میں اور سکون سکون کے مقابلے میں ، فسرہ کے مقابلے میں اور سکون سکون کے مقابلے میں جیسے شَرَائِفُ بروزن فَ عَائِلُ اور وزن صوری میں بھی یہی ہوتا ہے صرف کوئی حرف اصلی حرف ذائد کے مقابلے میں ہوتی ہوتا ہے جیسے: شَرَائِفُ بروزن مَ فَاعِلُ ، اور وزن عروض میں بھی یہی ہوتا ہے کین ایک حرکت دوسری حرکت کے مقابلے میں ہوتی ہے جیسے: شَریُفُ بروزن فَعُولٌ ۔

### قانون نمبر ۲۰:همزه وصلى اور همزه قطعى والا قانون

ہمزہ وصلی کو درج کلام میں اور مابعد کے متحرک ہونے کی صورت میں گرانا واجب ہے جیسے فَاضُدِبُ سے فَاضُدِبُ اور اِکتَسَبَ سے کَسَّبَ اور ہمزہ قطعی کو ہر حال میں ہمزہ قطعی درج اِکتَسَبَ سے کَسَّبَ اور ہمزہ قطعی کو ہر حال میں ہمزہ قطعی درج کلام میں ہے اور دوسری مثال میں اس کا مابعد متحرک ہے۔

الف باضغطہ کوہمزہ کہا جاتا ہے، اورہمزہ کی دوشمیں ہیں: ہمزہ اصلی اورہمزہ زائدہ: اصلی جیسے، أَمَرَ، سَالَ ، قَرَأَ اور زائدہ جیسے: اِخْدِبُ، پھرہمزہ زائدہ کی دوشمیں ہیں، وصلی اور قطعی: ہمزہ وصلی وہ ہمزہ ہے جولفط کے شروع میں ابتداء بالسکون سے بحثے کے لیے لایا جاتا ہے، اور ایخ ما بعد کو ماقبل سے ملاتا ہے اور ہمزہ قطعی وہ ہمزہ ہے جو اپنے ما بعد کو اپنے ماقبل سے جدا رکھتا ہے۔ ہمزہ قطعی آٹھ ہمزے ہیں باقی سب وصلی ہیں:

ا بهزه باب افعال جيس : إكُرَامٌ ، اَكُرِمُ ٢ - بهزه واحد يتكلم جيس اَخْدِبُ ٣ - بهزه اسم تفضيل جيس اَخْدَبُ ١٠ - بهزه جَعَ جيس اَخْدَ ابْ ٥ - بهزه اسم تفضيل جيس اَخْدَ ابْ ٥ - بهزه استفهام جيس أَدْت ٤ - بهزه فعل تعجب جيس اَخْدِ بهزه استفهام جيس أَد

### قانون نمبر ٢١: مضارع معلوم كا يهلا قانون

جس باب کاماضی چار حرفی ہو،اس کے مضارع معلوم میں حروف اتین کوضمہ دینا واجب ہے جیسے آگ رَمَ سے یُک رِمُ اور دَک حَرِجُ۔ اور دَک حَرِجُ۔

#### قانون نمبر ۲۲: ماضی مجھول کا دوسرا قانون

جس باب کے ماضی کے اول میں تائے زائدہ مطردہ ہو، اس کے ماضی مجہول میں پہلے اور دوسرے حرف کوضمہ اور ماقبل آخرکو کسرہ دینا واجب ہے جیسے تَصَرَّفَ سے تُصُرِّفَ ، تَضَاَرَبَ سے تُضُوّدِ بَ اور تَدَدُرَجَ سے تُدُدُرِجَ ۔

#### قانون نمبر ٢٣: مضارع معلوم كا دوسرا قانون

جس باب کے ماضی کے شروع میں تائے زائدہ مطردہ ہواس کے مضارع معلوم میں ماقبل آخرکواپنے حال پرچھوڑنا واجب ہے اورا گرتائے زائدہ مطردہ نہ ہوتو ماقبل آخرکو کسرہ دینا واجب ہے لیکن بیقانون غیر ثلاثی مجرد کے لئے ہے جیسے تَصَدَّفَ سے یَتَصَدَّفَ مُحَدِثُ اَلَٰ مُحَارَبَ سے یَتَصَدَّفَ مَتَ مُحَدِثُ اور اِحُرَنُجَمَ سے یَتَصَدَّفُ ، دَحُرَجَ سے یَدَحُرِجُ اور اِحُرَنُجَمَ سے یَکُرِمُ ، دَحُرَجَ سے یُدَحُرِجُ اور اِحُرَنُجَمَ سے یَکُرِمُ ، دَحُرَجَ سے یُدَحُرِجُ اور اِحُرنُجَمَ سے یَکُرِمُ ، دَحُرَجَ سے یُدَحُرِجُ اور اِحُرنُجَمَ سے یَکُرِمُ ، دَحُرَجَ سے یُدَحُرِجُ اور اِحُرنُجَمَ سے یَکُرنُجمُ ۔

### قانون نمبر ٢٤: تائے مضارعت والا قانون

جبتا عمضارعت تائز اکره مطرده پرداخل ہوجائے تو مضارع معلوم میں ایک تاکو مذف کرناجا کرنے جیسے تَدَصَدَّ فُ سے تُصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ یا تَصَدَّفُ سے تُصَدَّفُ یا تَصَدَّفُ یا تُحَدِیمِ مضارع مِجهول ہے۔

#### قانون نمبر ٢٥:ماضي مجهول كا تيسراقانون

جس باب کے ماضی کے شروع میں ہمزہ وصلی ہواس کے ماضی مجہول میں حرف اول اور حرف سوم کوضمہ دینا اور ماقبل آخر کوکسرہ دینا واجب ہے جیسے اِکتَسَبَ سے اُکتُسِبَ، واضح رہے کہ ہمزہ وصلی نوابواب کے شروع میں آتا ہے:

باب اِفْتِعَال،باب اِنْفِعَال،باب اِسُتِفْعَال،باب اِفْعِلَال،باب اِفْعِيلَال،باب اِفْعِيَّال،باب اِفْعِينَال،باب المِنْعَال،باب المُنْعَال،باب المِنْعَال،باب المُنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعَلِيْعِينَال،باب المِنْعَال،باب المِنْعِينَال،باب المِنْعَلِينَال،باب المِنْعِينَال،باب المِنْعَال،باب

#### قانون نمبر٢٦: إِتَّفَذَ يَتَّفِذُ والاقانون

جوواویا یا ہمزہ سے مبدل نہ ہوں، اور باب افتعال یا تفاعل یا تفعل کے فا کلمہ کے مقابلہ میں واقع ہوجائے، تواس کو تا کرنا اور اس تاکاتا میں مغم کرنا واجب ہے، جیسے: اِو تَعَدَ ، تَوَعَدَ سے اِتَّعَدَ، تَوَعَدَ سے اِتَّعَدَ ، تَوَاعَدَ سے اِتَّاعَدَ اسی طرح اِیُتَسَرَ سے اِتَّسَرَ، تَیسَرَ وصلی ابتداء بالسکون سے بچنے کے لیے لایا گیا ہے، سے اِتَّسَرَ، تَیسَرَ سے اِتَّسَرَ، تَیسَرَ اور تَیاسَرَ سے اِتَّاسَرَ، فرکورہ مثالوں میں ہمزہ وصلی ابتداء بالسکون سے بچنے کے لیے لایا گیا ہے، بی قانون اکثر اہل جاز کے نزد کے صرف باب افتعال کے لئے ہے جب کہ بعض اہل جاز اس کو باب تفعل اور باب تفاعل میں ہی جاری کرتے ہیں، یہ قانون اُو تُون اور اِید تَمَنَ میں نہیں جلے گا، اس لئے کہ یہاں واواور یا ہمزہ سے مبدل ہیں۔

اعتراض:أَتَّخَذَ اصل ميں أَأْتَخَذَ تَهَا پُرايمان والے قانون كى وجه سے أَيْتَخَذَ بن كيا، اور پُراس قانون كى وجه سے أَتَّخَذَ بن كيا، حالا تكه اس ميں يا ہمزہ سے مبدل ہے؟

جواب: ييشاذ ہے، يا أُتَّخَذَ اصل مِن أُتُتَخَذَ تَها، جس مِن سيقانون سرے سے جاري نہيں ہے۔

#### قانون نمبر٢٧:سين شين والاقانون

#### قانون نمبر ٢٨: صاد، ضاد، طا، ظاوالاقانون

جب صاد، ضاد، طا، ظامیں سے کوئی ایک باب افتعال کے فاکلمہ کے مقابلہ میں آجائے وان چاروں صورتوں میں تائے افتعال کوطاکرنا واجب ہے جیسے اِطُدَ لَبَ سے اِطُدَ لَلَہ مِن اللّٰ اللّٰهِ اَلٰہُ اِللّٰہُ اَلٰہُ اللّٰہُ ال

### قانون نمبر ٢٩: دال ، ذال اور زا والا قانون

### قانون نمبر ٣٠: ثا والاقانون

جبباب افتعال کے فاکلمہ کے مقابلہ میں شاوا قع ہوجائے تو اظہار یک طرفہ اوراد عام دوطرفہ جائزہ، جیسے: إِثُتَبَتَ کو اِثْتَبَتَ، اِثَّبَتَ اور اِتَّبَتَ پڑھنا جائزہے، کیکن اِثَّبَتَ پڑھنا اولی ہے تاکہ حرف اصلی حرف زائد کا تابع نہ ہے۔

#### قانون نمبر ٣١: عين كلمه والا قانون

ادغام واجب بالبتراگر تا بولؤادغام جائز ب، جيسے: تَسَمَّعَ اور تَسَامَعَ سے اِسَّمَّعَ اور اِسَّامَعَ، تَشَبَّة اور تَشَابَة سے اِسَّبَة اور اِسَّابَة اور اَسَّابَة اور اِسَّابَة اور اَسَّابَة اللَّهَ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ اللللللِّهُ الللللِّهُ الللللِّهُ الللللِّلُلُولُ

#### قانون نمبر ٣٢ حروف شمسى اور حروف قمرى والا قانون

# تعلیلات وقوانین وابواب مثال عِدَة کی تعلیل

عِدَهُ اصل میں وِعُدٌ تھاواو پر کسر ہ تھیل تھا بھل کر کے مابعد کو دیا اور واوکو حذف کیا اور واوکے وض میں آخر میں تائے متحرکہ ماقبل کے فتحہ کے ساتھ لے آئے اور اعراب کو' ق' ' پر جاری کیا کہ کلمے کا آخر ہے، توعِدَةٌ بن گیا۔

### قا نون نمبر٣٣ عِدَةٌ كاپِهلاقانون

جودادایے مصدر کے فاکلمہ کے مقابلہ میں داقع ہوجائے، جو فِعُلٌ یافِعُلَةٌ کے دن پر ہوتواس کے سرہ کوفل کر کے مابعد کودینا اورخود واوکو حذف کرنا واجب ہے اس شرط پر کہ مصدر کے مضارع معلوم میں تعلیل ہوئی ہوجیسے وِ عُدٌ سے عِدَۃٌ ۔ بیتا نون و تُدٌ میں نہیں چلے گااس لئے کہ میں نہیں جادر وَ عُدٌ میں بھی نہیں چلے گااس لئے کہ میں ہیں ہے دن پر

نہیں ہے،اور وِجدان میں بھی نہیں چلے گااس لئے کہاس کے مضارع معلوم یَـوُجَـدُ میں تعلیل نہیں ہوئی ہے۔ تاہم وِسُعٌ کو سِعَةٌ بِرُ هناشاذ ہے۔

### قانون نمبر ٣٤: عِدَةُ كادوسراقانون يا إِقَامَةُ والاقانون

جب مصدر میں کوئی حرف گرجائے تو اس کے عوض میں آخر میں تائے متحرکہ کا لانا واجب ہے اس شرط پر کہ اس کا گرنا ایسے التقائے ساکنین کی وجہ سے نہ ہوجس میں ایک ساکن نون تنوین ہوجسے وعد سے عدۃ ، اِقُوامٌ سے اِقامَةٌ ، اِقُوامٌ میں واوکا فتح قاف کو دیا اور خود واوکو الف سے بدلا ، تو اِقامَا مُ ہوا ، پھر التقائے ساکنین کی وجہ سے ایک الف کو حذف کیا اور اس کے عوض میں آخر میں تائے متحرکہ لاکیں ، تو اِقامَة ، ہوا ، احترازی مثال جیسے : هُدَی جو اصل میں هُدَی ہے ، یا کو الف سے بدلا هُداُنُ ہوا ، پھر الف کو التقائے ساکنین والے قانون کی وجہ سے حذف کیا ، چونکہ هُداُنُ میں ایک ساکن نون تنوین کا ہے ، اس لئے آخر میں تا نہیں لاکیں گے۔

#### مِیُعادٌ کی تعلیل

مِيعادٌ اصل مين مِقْ عَادٌ تها، واوساكن مظهر تها اور ما قبل مكسور تها، اس لئے واوكويات بدلا تومِيعًادٌ بن كيا-

### قانون نمبره٣: مِيْعَادُوالا قانون

جوواوساکن ہواوراس کا ماقبل کمسور ہوتواس کو یا سے بدلناواجب ہے جیسے مِـ فَ عَـادٌ کومِیـُ عَـادٌ پڑھناواجب ہے۔اس قانون کے لیے یا پچ شرا لَط ہیں:

ا ـ واوساكن مواحر ازى مثال عِوَضْ ـ

٢\_واوساكن مظهر مواحتر ازى مثال إجُلِوَّانٌ

٣-واوباب افتعال کے فاکلمہ کے مقابلہ میں واقع نہ ہوا حتر ازی مثال إوُ تَعَدَ

٧ \_واوكا ما قبل مكسور مواحتر ازى مثال مَوْعِدٌ

۵۔واوکورکت دینے کا کوئی باعث موجود نہ ہواحتر ازی مثال اِوَدَّۃُ اس مثال میں'' زا'' کا''زا'' میں ادغام کے لئے پہلی زا کی حرکت واوکودی گئی ہے، چونکہ اِوُرِّ رَدَّیْ میں واوکورکت دینے کا باعث موجود ہے جوادغام مابعد ہے اس لئے اس میں بیقانون نہیں چلے گا۔

### وَعَدتَ كَى تعليل

وَعَدتً اصل ميس وَعَدُتَ تَهَا ، دال اور تناقريب المخرج تقاور جمع بوكة السلخ دال كو تاكيا اور تاكاتنا ميس ادعام كيا تقو عَدتً بن كيا-

#### قانون نمبر ٣٦ : وَعَدتَ والا قانون

جبدال ساکن کے بعد تائے متحرکہ آجائے تودال کوت اکرنا اور تاکات ایس ادغام کرنا واجب ہوگا اس شرط پر کہوہ تا افتعال کی نہ ہوجیسے وَ عَدُتَ کو وَ عَدتَّ پڑھنا واجب ہے۔ اِدُ تَغَمَّ میں بیقانون نہیں چلے گا اس لیے کے اس میں تائے افتعال ہے۔

### قانون نمبر ٣٧ : أُقَّتَتُ،إشاحٌ اور أَدُوْرٌ والا قانون

جوداوضموم یا مکسور ہواورکلمہ کے اول میں ہواس کوہمزہ سے بدلنا جائز ہے جیسے وُقّتَتُ اور وِشاحٌ و اُقّتَتُ اور اِشاحٌ پڑھنا جائز ہے اس شرط پر کہ اس واو کے بعد دوسرا واومتحرک نہ ہوا حتر ازی مثال وُق یُدود ہو ، البتۃ اگراس واو کے بعد دوسرا واوساکن ہوتو قانون چلے گاجیسے وُورِ یَ کو اُورِ یَ پڑھنا جائز ہے اسی طرح جو واومضموم ہوا ورعین کلمہ کے مقابلہ میں واقع ہوتو اس کو بھی ہمزہ سے بدلنا جائز ہے جیسے آدو وُری کو ہوتا جائز ہے۔

#### يَعِدُ الخ كي تعليل

يَعِدُ الن اصل ميں يَوُ عِدُ الن تھا: واووا قع ہواعلامت مضارع كِفْتِه كے بعداوركسره سے پہلے اس لئے اس كوحذف كيا توبيعدُ الن بن گيا۔

#### قانون نمبر ٣٨ يَعِدُ والا قانون

مثال واوی کا ہروہ باب جو مَنْعَ یَمُنْعُ کے وزن پر ہواس کے مضارع معلوم میں فاکلمہ کوحذف کرنا واجب ہے جیسے یہ فضع سے یَنْ خَنُهُ اسی طرح مثال واوی کا ہروہ باب جس کا ماضی عدیم الاستعال یا قلیل الاستعال ہواس کے مضارع معلوم میں بھی فاکلمہ کوحذف کرنا واجب ہے جیسے یَوُدَ عُسے یَدَ عُاسی طرح مثال واوی کا ہروہ باب جس کا مضارع معلوم میں فاکلمہ کوحذف کرنا واجب ہے جیسے یَوُدُ سے یَوْدُ اسی طرح مثال واوی کے باب فَعِلَ یَفْعَلُ کے وَسِعَ یَسَعُ اور وَطِعً یَطَعُ کے مضارع معلوم میں فاکلمہ کوحذف کرنا واجب ہے۔
وَسِعَ یَسَعُ اور وَطِعً یَطَعُ کے مضارع معلوم میں بھی فاکلمہ کوحذف کرنا واجب ہے۔

### قانون نمبر٣٩: أَوَاعِدُ اور أَوَاصِلُ والا قانون

جب كلمه كے شروع ميں دوواؤمتحرك آجائيں تو پہلے واوكوہمزہ سے بدلناواجب ہے جیسے وَ وَاعِدُ اور وَ وَ اَحِدُ لُورَ كواَواحِدُ پڑھناواجب ہے وُ وُ رِ ىَ كِ شروع ميں دوواو ہيں ليكن دونوں متحرك نہيں ہيں بلكه ايك متحرك ہے اس لئے قانون نہيں چلے گااسی طرح قَوِ وَ ميں دوواومتحرك ہيں ليكن كلمه كے شروع ميں نہيں ہيں اس لئے قانون نہيں چلے گا۔

### قانون نمبر ٤٠: يَوُجَلُ والا قانون

مثال واوی کا ہروہ باب جو عَلِمَ یَعُلَمُ سے ہواوراس کے سی بھی صیغے میں فاکلمہ محذوف نہ ہوتواس کے مضارع معلوم کو اصل کے علاوہ تین طرح پڑھنا جائز ہے جیسے یَے جَل کو یَا جَل ، یَیْ جَل اور یِیْ جَل پڑھنا جائز ہے احترازی مثال یَعِدُ، یَسَعُ، یُو جَلُ اور لا تَقُ جَلُ۔

#### يُؤسَرُ كي تعليل

يُوْسَرُ اصل مِين يُيْسَرُ تِها: ياساكن مظهرتهي اوراس كا ماقبل مضموم تهااس لئے اس كوواوسے بدلاتو يُوُسَرُ ہوگيا۔

#### قانون نمبر ٤١: يُؤسَرُ وإلا قانون

جو ما ساكن ہواوراس كا ماقبل مضموم ہواس كوواوسے بدلناواجب ہے جيسے يُيُسَرُ سے يُوسَرُ۔

اس قانون کے لئے چند شرائط ہیں:

ا ـ يا ساكن مواحر ازى مثال سُيرَ ـ

٢\_ساكن مظهر مواحر ازى مثال طُيّبَ

٣-باب اقتعال كے فاكلم كے مقابلہ ميں نہ مواحر ازى مثال أَيْتُسِيرَ۔

۷ ۔ افعل صفتی کی جمع میں نہ ہوا حر ازی مثال بُیُضٌ جو أَبُیمَنُ کی جمع ہے اور أَبُیکَ افعل صفتی ہے۔ افعل صفتی وہ اسم کہلا تا ہے جو افعل صفتی کے جمعن سفید چیز ۔ افعل کے وزن پر ہواور اس میں صفت کے معنی موجود ہوں جیسے أَبُدَثُ بمعنی سفید چیز ۔

۵ فعلاء صفتی کی جمع میں نہ ہواحر ازی مثال بُیضٌ بد بَیضا اصفتی کی جمع ہے۔

لا فَعلىٰ صفتى ميں نہ ہواحتر ازى مثال حُيْكىٰ بمعنى نازونخ سے چلنے والى عورت اگر اَفَ عَلُ مَا فَ عَلاءُ صفتى كى جمع ميں ہو، ما فَعَلیٰ صفتى ميں ہو ووقى اقبل والے ضمه کو کسره سے برلنا واجب ہوگا پس بُیْصِن و بِیُصِن اور حُیْکیٰ کو جِیْکیٰ پڑھنا واجب ہوگا۔ باب اول صرف صغیر ثلاثی مجرد مثال واوى بروزن فَعَلَ یَفُعِلُ چول اَلْقَ عَدُوَ الْعِدَةُ وَ الْمِیْعادُ وعده کردن (وعده کرنا)

باب دوم صرف صغير ثلاثي مجردمثال واوى بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چِول اللَّوَجُلُ ترسيدن (دُرنا)

باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ جون الوَضْعُ نهادن (ركهنا)

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى بروزن فَعِلَ يَفْعِلُ چون الوَرُمُ اماسيدن (سوجنا)

باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيه مثال واوى بروزن افعال چول الإيبابُ واجب كردانيدن (واجب كرنا)

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى بروزن تفعيل چول التَّوُجِيدُ چيز راواحد كردانيدن (كسى چيز كوايك ماننا)

باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى بروزن مُفاعَلَه چول المُواطَبَةُ مِيشَكَى كردن (بيشَكَى كرنا)

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى بروزن تفعل چول التَّقَ هُدُ يكاشدن (ايك مونا)

باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى بروزن تفاعُل چول التَّوَارُثُ از يك ديگر ميراث يافتن (ايك دوسر عصميراث پانا)

باب ششم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال واوى بروزن إلهُ تِعال چول الإتّقادُ افروخة شدن (جلنا)

باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه مثال واوى بروزن استفعال چون الإستيد بَابُ سزاوار شدن (قبول كرنا)

باب مشتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه مثال واوى بروزن انفعال چول الإنوقادُ افروخة شدن (بهر كنا)

باب اول صرف صغير ثلاثى مجرد مثال يائى بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ حول اليُسُرُ وَالْمَيْسِرَةُ تَمَار باختن (جوا كهيانا)

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال يائى بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ چول اليَنْعُ پخته شدن ميوه ورسيدن وقت چيدن (پهل كاپاموكر چننے كوقت كو پنچنا)

باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال يائى بروزن فَعِلَ يَفْعِلُ چون اليُتُهُ يتيم شدن (يتيم مونا)

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال يائى بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول اليُبسُ حُثَك شدن (حَثَك بونا)
باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال يائى بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چول اليُسنَدُ آسان شدن (آسان بونا)
باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن إفعال چول الإيُسَادُ توانگر شدن (مالدار بونا)
باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن تفعيل چول التَّيْسِيدُ آسان كردن (آسان كرنا)
باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن مفاعَله چول المُياسَرةُ باكسة سان گرفتن (كسى سه آسانى برتا)
باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن تفاعل چول التَّيامُنُ بجانب راست خانه شدن (داكين طرف بونا)
باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن إفتعال چول الإتسادُ آسان شدن (آسان بونا)
باب شخص صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مثال يائى بروزن إستفعال چول الإتسادُ آسان شدن (آسان بونا)

# تعليلات وقوانين وابواب إجوف

قَالَ كى تعليل قَالَ اصل مين قَوَلَ تها، واومتحرك تهااوراس كاماقبل مفتوح تهااس لئے واوكوالف سے بدلاتوقال بن كيا-

### قانون نمبر ٤٢:قَالَ بَاعَ والاقانون

جوداواوريم المحرك بول اوران كاماقبل مفقوح بوتواس واواوريم الوالف سے بدلناواجب ہے جيسے قَوَلَ سے قالَ ، خَوِفَ سے

خافَ، طَوُلَ سے طالَ اور بَيعَ سے باعَ، طَيبَ سے طابَ۔

اس قانون کے لئے چند شرائط ہیں:

ا واواوريم متحرك مول احتر ازى مثال قَولٌ ، بَيعٌ .

٢-واواور ياكى حركت لازى مواحر ازى مثال لَواستطَعَنَا اور إخُسَى اللهَ

٣ \_ واواورياكا ماقبل مفتوح مواحر ازى مثال قُولَ اور بُيعَ ـ

٧ - واواور يااور ماقبل والامفتوح حرف ايك كلمه ميس مون احر ازى مثال لَوَ لَيْتُمُ اور سَيقُولُ .

۵-واواور مافاكلمه كےمقابله ميں نه بون احترازي مثال تَوَعَد اور تَبَسَرَ

٢ \_لفيف مقرون كے فقی عين كلمه ميں نه موں احترازى مثال قوى أور حيى -

2۔ لفیف مقرون کے حکمی عین کلمہ میں نہ ہوں جائمی عین کلمہ مطلب سے کہ داویا یہ الام کلمہ کے مقابلہ میں ہوں اوراس کے بعد دوسراحرف علت آیا ہو، احترازی مثال اِرْ عَویٰ جواصل میں اِرْ عَوَقَ اللہ

٨ ـ واواورياكے بعداييامد ه زائده نه ہوجس كابا في ركھنا اورساكن ركھنا واجب ہواحتر ازى مثال سَوَادٌ ، بَيَاصْ كه يها لاف

مد ہ زائدہ کا باقی رکھنا اور ساکن رکھنا واجب ہے کیوں کہ بلا وجہ حذف واسکان ثابت نہیں ہیں۔

٩-واواورياك بعدالف تثنية بهواحر ازى مثال عَصَوَان ، رَحَيَان

• ا- واواورياك بعد جمع مؤنث سالم كالف نه بواحر ازى مثال عَصَوَاتٌ ، رَحَيَات يُ

اا واواورياك بعديائ نبيت نه مواحر ازى مثال عَصَويٌّ ، رَحَييٌّ -

١١- واواور ياك بعدنون تاكيرنه بواحر ازى مثال إر ضَون ، إخُسَين -

١٣ ـ واواوريا الي كلممين نه بول جو فَعَلانٌ كوزن ير بواحر ازى مثال مَوَتَانٌ ، سَيوَانٌ ـ

۱۲۔واواور یاایسے کلمہ میں نہ ہوں جو فَ عَلیٰ کےوزن پر ہواحر ازی مثال صَوَریٰ (ایک خاص میم کا پانی)، حَیدیٰ (وہ گدھا جوخوشی کی وجہ سے اپناسا ہود کی کرکودے)۔

۵ا۔واواوریاایےکلم میں نہ ہوں جوغیر معلّل کلے کا ہم معنی ہواحتر ازی مثال: عَوِدَ اور عَینَ کہ یہ اِعُودَ (کانا) اور اِعُینَ اُور اِعُینَ کہ اِللّٰ اللّٰ الللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ ال

قُلُنَ كَى تعلیل: قُلُنَ اصل میں قَولُنَ تَهاقالَ بِاعَ والے قانون كى وجه سے قَالُنَ ہوا پھرالتقائے ساكنين ہواالف اورلام میں، چوں كہ ساكن اول مده تھااس لئے اس كوحذف كرديا توقلُنَ ہوا پھر فاكلمہ كِفتة كوضمه سے بدل دیا تا كه واو كے محذوف ہونے يردلالت كرے توقلُنَ ہوا۔

#### قانون نمبر٤٠: التقائي ساكنين والا قانون

جب دوحروف ساكن ہوں اوران كے درميان كوئى حرف متحرك نه ہو، تو اس كوالتائے ساكنين كہتے ہيں ، التائے ساكنين كى دوشميں ہے: على حد ہ اورعلى غير حد ہ : على حد ہ وہ ہے جس ميں پہلاساكن مدہ يايائے تصغير ہو، اور دوسراساكن مرغم ہو، اور دونوں ساكن ايك كلمه ميں ہوں جيسے إله مارئ مان اول مدہ ہے يعنى الف ، ساكن ائى مرغم ہے يعنى را، اور دونوں ساكن ايك كلمه ميں ہيں ، اورعلى غير حد ہ وہ ہے جس ميں ساكن اول مدہ يايائے تصغير نه ہو، جيسے يَخصّ مُونَ (بياصل ميں يَخَمّ مُونَ تھا، تائے افتحال كوصا دكيا تويَخصّ مُونَ ہوا كھر صا دكا صادميں ادعا م كيا تويَخصّ مُونَ ہوا كھرساكن اول كوكسر ہ ديا تويخصّ مُونَ ہوا) يا ساكن افل مرغم نه ہو جيسے قَالُنَ، يا دونوں ساكن جدا جداكلموں ميں ہوں جيسے إخسر بُونَ قَ

التقائے ساکنین علی حدہ کا تھم یہ ہے کہ دونوں ساکنوں کو حالت وقف اور حالت وصل دونوں میں ساکن پڑھنا واجب ہے۔ ہے جیسے اِ حُمَاً رَّا ورالتقائے ساکنین علی غیر حدہ کے پانچے احکام ہیں:

ا۔ حالت وقف میں دونوں کوساکن پڑھیں گےاور حالت وصل میں اپنے حال پرچھوڑیں گے جیسے خَبِیُس ُ اور بیاس وقت ہے کہ جب ساکن ثانی کاسکون وقف کی وجہ سے ہو۔

۲۔اوراگرساکن ٹانی کاسکون وقف کی وجہ سے نہ ہواور ساکن اول مدہ یا نون خفیفہ ہوتو اتفا قاساکن اول کو صدف کرنا واجب ہوگا جیسے قاُلُنَ کو قُلُنَ اور لا تُھِینُ نَ الْفَقِیدُ کَو لا تُھِینُ الْفَقِیدُ پڑھنا واجب ہے البتہ اجوف کے باب افعال اور باب استفعال کے مصدر اور اسم مفعول میں امام اخفش کے خزد یک ساکن اول کو حذف کیا جائے گا اور امام سیبویہ رحمہ اللہ کے نزدیک ساکن ٹانی کو حذف کیا جائے گا اور امام سیبویہ رحمہ اللہ کے نزدیک ساکن ٹانی کو حذف کیا جائے گا اور امام سیبویہ رحمہ اللہ کے نزدیک ساکن ٹانی کو حذف کیا جائے گا جیسے اِقَالُم اُور مَقُولُ لُ میں۔

٣ اورا گرساكن اول مده يا نون خفيفه نه موتوجوساكن كلمه كة خرمين مواس كوكسره كى حركت دى جائے گى جيسے قُلُ الْمَتَقَّ سے

قُلِ الْحَق اور إِحْمَرُرُ سے إِحْمَرٌ مِن

٣ \_اورا گركوئى بھى ساكن كلمه كة خرمين نه بوتو ساكن اول كوكسره دينا واجب بوگا جيسے يَخِصِّمُوُنَ۔

۵۔ البتہ عارض کی وجہ سے کسرہ کے علاوہ بھی فتہ اورضمہ بھی دیا جائے گا، جیسے اِحْمَرَّ، دَعَوُ اللَّهَ، کہ پہلی مثال میں عارض فتہ کا اخف الحرکات ہونا ہے اور دوسری مثال میں ضمہ کا واو کے مناسب ہونا ہے۔

### قانون نمبر٤٤:قُلُنَ اورطُلُنَ والا قانون

جوواومفتوح یامضموم ہواوراجوف کے ثلاثی مجرد کے ماضی معلوم میں الف ہوکر گرجائے اس کے فاکلمہ کوضمہ دینا واجب ہے جو جو اومفتوح یامضموم ہواوراجوف کے ثلاثی مجرد کے ماضی معلوم میں الف ہوکر گرجائے اس کے فاکلمہ کوضمہ دیا تو گائی جو اصل میں قو لُنَ تھا اور طُلُنَ جو اصل میں طَوُلُنَ تھا، قال بناع والے قانون کی وجہ سے وہ الف گرگیا اور اس قانون کی وجہ سے فاکلمہ کوضمہ دیا تو گھائی اور طُلُنَ بن گئے۔ بیرقانون التقائے ساکنین کے قانون کی وجہ سے وہ الف گرگیا اور اس قانون کی وجہ سے فاکلمہ کوضمہ دیا تو گھائی اور طُلُنَ بن گئے۔ بیرقانون کی وجہ سے وہ الف گرگیا اور اس قانون کی وجہ سے وہ اللہ میں ہور کی ماضی معلوم میں الف ہوکر گرا ہے لیکن اجوف نہیں ہے بلکہ ناقص ہے۔

خِفْنَ كَى تَعْلَيْكَ: خِفْنَ اصل مِين خَوِفْنَ ها، واومتحرك هااور ماقبل مفتوح هااس لئے قال باع والے قانون كى وجہ سے واوكوالف سے بدلاتو خافُنَ ہوگيا، پھر فاكلمہ كے فتح كوكسره سے بدل و خافُنَ ہوگيا، پھر فاكلمہ كے فتح كوكسره سے بدل ديا تا كہ ماضى كے مكسور العين ہونے پردلالت كرے تو خِفْنَ بن گيا۔

## قانون نمبر ٤٥: خِفُنَ اور بِعُنَ والا قانون

جوداوکسورہواور'' یا" جس طرح بھی ہواجوف کے ثلاثی مجرد کے ماضی معلوم میں الف ہوکر گرجائے، تواس کے فاکلمہ کو کسرہ دیناواجب ہے واوکسور کی مثال جیسے خِفُنَ جواصل میں خَوِفُنَ تھا اور یا کی مثال ہوئی نَ جواصل میں ھیئی نَ تھا اور بِعُنَ اصل میں جَیعُنَ تھا اور جِعُنَ اصل میں طَیبُنَ تھا، فہ کورہ بالاتعلیل کی وجہ سے خِفُنَ ، ہِعُنَ ، ویعُنَ اور طِبُنَ ہوگئے۔
قِیل کی تعلیل: قِیدُلَ اصل میں قُول کا حواو پر کسر ڈھیل تھا تھی کر کے ماقبل کو دیا ماقبل کی حرکت سلب کرنے کے بعد توقیق کی ہوا اور ماکن مظہر تھا اور ماقبل کک سورتھا اس لئے میعاد والے قانون کی وجہ سے اس کویا سے بدلا توقید کی بن گیا۔

#### قانون نمبر٧٤:قِيلَ اوربيعَ والا قانون

اجوف کے فُعِلَ میں تین صور تیں جائز ہیں : نقل حرکت جیسے قُوِل کو سابقہ تعلیل پرقینل اور بُیع کوییئم ، حذف حرکت جیسے : قُوِل کو مُول کو قُول اور بُیع کو بُوع ، اوراشام : اشام کہتے ہیں کسر ہ کوضمہ کی طرف مائل کر کے پڑھنا لیعنی ہونؤں کو ذرا گول کر کے پڑھنا۔ البتہ ناقص کے تَفْ عُلِیُنَ میں صرف دوصور تیں جائز ہیں : نقل حرکت جیسے تَد دُعُ وِیُنَ کو تَدُ عِیْنَ پڑھنا اورا ثبات حرکت جیسے تَدُ عُویُنَ کو تَدُعُویُنَ ہی پڑھنا۔ ناقص کے تَفْعُلِیُنَ سے مرادوزن ہے صیعہ نہیں۔
جیسے تَدُعُویُنَ کو تَدُعُویُنَ ہی پڑھنا۔ ناقص کے تَفْعُلِیُنَ سے مرادوزن ہے صیعہ نہیں۔

یقول ، تقول ، اقول اور نقول کی تعلیل: یاصل میں یقول ، تقول ، آقول اور نقول تھے، ضمہ واو پڑھیل تھا، قل کر کے ماقبل کو دیا تو یقول ۔۔۔ النے بن گیا۔

### قانون نمبر٤٠: يَقُولُ اور يَبِيعُ والا قانون

جودادادریاضموم یا مسور ہواورعین کلمہ کے مقابلہ میں ہوں توان کی حرکت ماقبل کودینا واجب ہے جیسے یَـ قُولُ ، یَطُوحُ ، یَغُیطُ ، یَبُیعُ سے یَقُولُ ، یَطِیدُ مُ ، یَغُوطُ ، یَبیعُ چند شرا لَظ کے ساتھ:

ا۔واواوریہ تقیقتاً یاحکماً عین کلمہ کے مقابلہ میں ہوں ،حکماً عین کلمہ کا مطلب ہے ہے کہ ہوں تولام کلمہ کے مقابلہ میں کین اس کے بعد صمیر فاعل آئی ہوجیسے داعِوُ وُنَ اور دامِیُوْنَ میں ،احر ازی مثال یَدْعُو ، یَرُمِیُ۔

۲-اصل میں واواوریا الملامت نہ ہوں احترازی مثال مَعُوُورٌ اور مَصَیُودٌ کہان کی اصل یُعُورُ اور یُصَیدُ میں واواوریا سلامت ہیں، البتہ ثلاثی مجرد کے ناقص میں قانون چلے گااصل میں سلامت ہوں جیسے یَدرُخُووُنَ، اصل دَخُو میں واوسلامت ہوں جیسے یَدرُخُووُنَ، اصل دَخُو میں واوسلامت ہیں سلامت نہ ہوں جیسے یَدرُمِیُونَ کہاس کی اصل دَمیٰ میں یا میں سلامت نہیں ہے۔

سا فعل متصرف ما متعلقات فعل متصرف میں ہوں، فعل متصرف وہ ہے جس کی پوری گردان ہو سکے اور متعلقات فعل متصرف سے مراد اسم فاعل، صفت مشبہ، اسم تفضیل ، اسم ظرف، اسم آلہ اور مصدر ہیں احترازی مثال اَقُولُ بِهِ اور اَبْیعُ بِهِ۔

۴- اجوف کے فُعِلَ حقیقی یا حکمی میں نہ ہوں ، فُعِلَ حکمی کا مطلب سے ہے کہ شروع سے چند حروف حذف کرنے کے بعد فُعِل کا وزن بن جائے احتر ازی مثال قُولَ ، اُنْقُو دَ ، بُیعَ اور اُخُتُیرَ۔

۵-ناقص كَ تَفْعُلِيْنَ مِين نهون احر ازى مثال تَدْعُوِيْنَ ، تَكُنُييْنَ ـ

٧-واواورياسى جوازى قانون كى وجه سے ہمزہ سے مبدل نہ ہوں احترازى مثال سُولَ جواصل ميں سُئِلَ اور مُسُتَهُ زِيُونَ جواصل ميں مُستَهُ زِيُونَ جواصل ميں مُستَهُ زِيُونَ جواصل ميں مُستَهُ زِيُونَ جا البتا اگر كى وجه جو بى قانون كى وجه سے ہمزہ سے مبدل ہوں تو قانون چلے گا جسے جاء يُونَ جواصل ميں مُستَهُ زِيُونَ تھا، قائِلٌ اور بائِعٌ والے قانون كى وجه سے جائِئُونَ ہوا پھر جاءوالے وجو بى قانون كى وجه سے دوسرے ہمزے كوياسے بدلاتو جَائِيُونَ ہوگيا پھراس قانون كى وجه سے جائُيُونَ ہوا پھر يُوسَرُوالے قانون كى وجه سے جَائُونُ نَهُ ہوا پھر التقائے ساكنين والے قانون كى وجه سے جَائُونُ نَهُ ہوا پھر التقائے ساكنين والے قانون كى وجه سے جَائُونَ بن گيا۔

كـ واواوريا كى حركت بمزه سے منقول نه بواحر ازى مثال يَسُوُ اوريَجِيُ جُواصل ميں يَسُوُءُ اوريَجِيءُ تھے۔ يَسُتَلُ والے قانون كى وجہ سے يَسُوُ اور يَجِيُ بن گئے۔

٨ ـ واواورياكا ماقبل مفتوح نه مواحر ازى مثال طَوُلَ ، غَيُطَـ

٩-واواورياس پهلے الف نه مواحر ازى مثال مقاولُ اور مَبايع -

الفَعِلَ حقيقى يا حكى مين نه بواحر ازى مثال قُولَ اور بُيعَ النَقُودَ الْحُتُيرَ لِـ

يُقا لُ النَّح كَى تعليل: يُقَالُ، تُقَالَ، اُقَالُ اور نُقَالُ اصل مِن يُقُولُ، تُقَولُ، اُقُولُ اور نُقُولُ عَن واوم فَوْح صااور ماقبل حرف على الله عن ال

### قانون نمبر ٤٨: يُقَالُ اور يُبَاعُ والا قانون

جوداواور یامفتوح ہوں اوران کا ماقبل حرف صحیح ساکن ہو،توان کافتحہ نقل کرکے ماقبل کورینا اورخود واواوریا کوالف سے

برلناواجب بي عِيس يُقُولُ سي يُقَالُ اوريُبينعُ سي يُبَاعُ ليكن چندشرا لط كماته:

ا-واواور يامين كلمه كم مقابله مين بول احر ازى مثال دَعُوةٌ اور دُمُيةٌ ـ

٢- ان كى اصل ميں تعليل ہوئى ہواحر ازى مثال يَعْيَنُ اور يَصْيَدُكمان كى اصل عَو رَاور عَينَ مِي تعليل نہيں ہوئى ہے۔

٣ فعل متصرف يا متعلقات فعل متصرف مين بهون احتر ازى مثال مَا أَقُولَهُ ، مَا أَبُيعَهُ .

٣ - اسم بروزن أفْعَلُ ميس نه مول احتر ازى مثال آفّة لُ اور أَبيّهُ جواسم فضيل بين -

٥- ماقبل حرف صحيح مواحر ازى مثال قاول اور بَايعً .

٢ ـ ماقبل حرف صحيح ساكن مظهر مواحر ازى مثال دَوَّ نَ اور خَيَّر ـ

ك كلماتي مين نه بول احترازي مثال جَهُورَ، شَرْيَفَ، كه بددَ حُرَجُ كساته الحق بين -

٨ ـ السي كلمه مين نه بول جس مين لون كمعنى بول احترازى مثال إسفو دَّاور إبْيَضَ ـ

٩-السيكلم مين نه بول جس مين عيب كمعنى بول احترازى مثال زاعُورَ ، إعُينً -

١٠- آلے كے صيغ ميں نہ ہوں احر ازى مثال مِقُولٌ ، مِبْيعً .

قائِلٌ كى تعليل: قائِلٌ اصل مين قَاوِلٌ تها: واوواقع مواالف فاعل ك بعداوراصل يعنى قَالَ مين سلامت نهين تهااس ك اس كوممزه سے بدل ديا توقائِلٌ بن گيا۔

### قانون نمبر ٤٠: قائِلُ اور بائِعٌ والا قانون

جوداداوریاالف فاعل کے بعدواقع ہوجائے اوراصل میں سلامت نہ ہوں یا سرے سے ان کی اصل نہ ہوتواس داواور یا کو ہمزہ سے بدلناواجب ہے جیسے: قابِل جواصل میں قابِل اور جائِع جواصل میں جاییع تھا، واواور یا واقع ہوئی الف فاعل کے بعد اوراصل یعنی قیال اور جاغ میں سلامت نہیں تھے تو انہیں ہمزہ سے بدلا اسی طرح سابِق ورغ ابِط جواصل میں سابِ ف اور غایبط تھے، ان میں واواور یا الف فاعل کے بعد ہیں اوران کی سرے سے اصل نہیں ہے۔

قِيالٌ كى تعليل: قِيالٌ اصل مين قِوَالٌ تَها: واووا قع بواجع مين عين كلمه كمقابله مين اورمفر دمين سلامت نهين تهااور اس كاما قبل مكسور تقااس لئے اسے ياسے بدلاتو قيبال "بوا۔

### قانون نمبر ٥٠ قِيَامُ ،قِيَالُ اور حِيَاضُ والا قانون

جوداومصدر کے عین کلمہ کے مقابلہ میں واقع ہوجائے اوراس کا ماقبل کمسورہواوراس مصدر کے فعل میں واوسلامت نہ ہو تواس کو یا سے بدلناوا جب ہے جیسے قِوَام سے قِیام ،اسی طرح جوواو جمع کے عین کلمہ کے مقابلہ میں ہواوراس کا ماقبل کمسورہو،اور اس کے واحد میں واوسلامت نہ ہو، تواس کو بھی ہاسے بدلناوا جب ہے جیسے قِیال ہواصل میں قِوَال سے تھا اسی طرح جوواو جمع میں

الف سے پہلے ہو،اور ماقبل کمسور ہواوراس کے واحد میں واوسا کن ہو،تواس کوبھی یاسے بدلناوا جب ہے جیسے جیلے ہو،تواصل میں جِ وَاضٌ تَهَا، واوجَع میں ہے، ماقبل کمسور ہے،الف سے پہلے ہے،اوروا حدیعنی مَدوُ ضٌ میں ساکن ہے،لیکن اس آخری صورت کے لئے شرط بیہ ہے کہ جمع کالام کلم معلل نہ ہوا حتر ازی مثال رواہ جواصل میں روای تھا یہاں واواگر چہ جمع میں الف سے پہلے ہےاورواحدرَیًانٌ (جواصل میں رَوُیَانٌ تھا) میں واوساکن ہےلیکن لام کلم معلل ہےاس لئے قانون نہیں چلا۔

قُولِيّلُ اور قُولِيّلة كى تعليل: قُويّلٌ اور قُويّلة اصل من قُويُولٌ اور قُويُولَة عَنه، واواوريا ايكم من جم موك جن من يهلا يعنى يا ساكن تقى اوركس چيز سے مبدل نهين تقى اس لئے اس كوياكيا اور ياميں ادغام كيا تو فَوَيِّلُ اور قُو يَلاَة "بن كئے۔

### قانون نمبر ١٥: قُوَيِّلُ اورمُقَيِّلُ والا قانون

جب واواور يا ايك كلمه مين جع موجا كين جا بحقيقاً ايك كلمه موجيس قُويُولٌ ياحكماً ايك كلمه موجيس مُسُلِمُو يَ تواس واوكو پياكرنااور پياكاپياميں ادغام كرناواجب ہے جيسے قُو پُول كو قُو پِيلٌ اور مُسُلِمُوُ يَ كُومُسُلِمِيَّ بِرُ هناواجب ہے البتة اگرواوم صغر میں پائے تصغیر کے بعد عین کلمہ میں ہواور مکبر میں متحرک ہوتو پھر واو کو پیاکر کے ادعا م کرنا جائز ہوگا واجب نہیں ہوگا جیسے مُھَائیہ ولُّ كومُقَدِّلٌ بِرُ هناجا رَزہے۔اس قانون كے لئے چندشرا لط ہيں:

السم بروزن أفعَلُ مين نه مواحر ازى مثال أيوم م

٢\_ يبلاساكن مواحر ازى مثال قُويَليٰ \_

١٠- اس كاسكون لا زمي مواحر ازى مثال قَوْيَ جواصل مين قَويَ تها-

م كسى سےمبدل نه مواحر ازى مثال بُويعَ جواصل ميں بَايعَ تقار

مَقُولٌ كَى تعليل: مَقُولٌ اصل مِن مَقُوولٌ تها، واويرضم ثقل تها، فاويرضم في القان كالما الله عنه الما التقاع ساكنين والعقانون كى وجہ سے بعض صرفیین نے پہلے واوکو حذف کیااس لئے کہ دوسراعلامت ہے،اورعلامت کوحذف نہیں کیا جاتا،اوربعض نے دوسر بے واوكوحذف كيا،اس لئے كدوه زائد ب،اورزائد حذف كازياده مستحق ب، پس پېلى صورت ميس مَقُول بروزن مَفُول بوا،اوردوسرى صورت مين مَقُولٌ بروزن مَفْعُل موا

### قُهُلُنَّ كي تعليل

قُولَنَّ اصل مِن قُلُ تَهاجب نون تُقيله قُلُ كساته يبوست بواتوا قبل منى برفته بوكيا، پراتقائيس والله قانون كى وجدسے قُولُ ميں جوواوحذف ہو چكاتھاوہ دوبارہ والس آ كيااس لئے كداب التقائے ساكنين نہيں ر ہا تو قُولَ لَنَّ ہو كيا۔

### قانون نمبر٥: قُولَنَّ اوربيُعَنَّ والا قانون

<u> ص</u>قُولَنَّ اوربع سيعَنَّ-

باب اول صرف صغير ثلاثي مجر داجوف واوي بروزن فَعَلَ مَفْعُلُ جول القَولُ گفتن (كهنا)

باب دوم صرف صغير ثلاثي مجرداجوف واوى بروزن فَعَلَ يَفْعِلُ جِولِ الطَوْحُ بلاك شدن (بلاك مونا) بابسوم صرف صغير ثلاثي مجردا جوف واوى بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول الخَوف ترسيدن (دُرنا) باب جبار مصرف صغير ثلاثى مجردا جوف واوى بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ جِولِ الطُّولُ دراز شدن (لمبابونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى بروزن افعال چون الإقامَةُ بياكردن ( كمراكرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى بروزن تفعيل چول التَّدُويُلُ كروانيدن ( كيميرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى بروزن مفاعله چون المُقاوَمَةُ مقابله كرون (مقابله كرنا) باب چهارم صرف صغير الله في مزيد فيها جوف واوى بروزن تفعُّل چول التَّحَوُّلُ برُّسْتن ( پهرنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوي بروزن تفاعل چوس التَّنَاوُلُ خوردن كرفتن ( كهانا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى بروزن افتعال چول الإجُتِيابُ بيابان ط كردن (بيابان ط كرنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوي بروزن انفعال چول الإنقيدادُ رام شدن (تابعدار مونا) باب مشتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيها جوف واوى بروزن استفعال چون الاستقامَةُ ا قامت كردن (سيدها مونا) باب نهم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف واوى بروزن افعلال چون الإستودادُ سياه شدن (كالا مونا) باب دہم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف واوى بروزن افعيلال چول الإسويدادُ سخت سياه شدن (خوب كالا مونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مجردا جوف يائي بروزن فَعَلَ يَفْعِلُ چون البَيْعُ فروخت كردن (فروخت كرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مجرداجوف يائي بروزن فَعَلَ مَفْعُلُ جِون الغَيْطُ عَائب شدن (عَائب مونا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مجرداجوف يائي بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ جِون الطِّينُ يا كيزه شدن (يا كيزه مونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيها جوف يائي بروزن افعال چوس الإطارة برانيدن (الرانا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهاجوف ياكى بروزن تفعيل چول التّطيييبُ خوشبودارشدن (خوشبوداركرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيها جوف يائي بروزن مفاعله چول المُبايَعةُ بايك ديگريج كردن (ايك دوسر \_ سي يح كرنا) باب جهارم صرف صغير ثلاثي مزيد فيها جوف يائي بروزن تفعُّل چون التَّحَدُّرُ سر كشة شدن (حيران مونا) باب بنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيها جوف يائى بروزن تفاعل چول التَّذايُدُ زياده شدن (زياده مونا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف يائي بروزن افتعال چون الإختيدار برگزيدن (پسندكرنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيها جوف يائي بروزن إنفعال چول الإنقيداسُ براندازه شدن (انداز يرمونا) باب مشتم صرف صغير هلا في مزيد فيه اجوف يائي بروزن استفعال چول الإستيفادة أفائده كرفتن (فائده حاصل كرنا) باب نم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه اجوف يائى بروزن افعلال چول الإبيضاض سفيد شدن (سفيد بونا) اب وجم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه اجوف ياكي بروزن افعيلال چول الإبيية ضاص بسيار سفيد شدن (خوب سفيد بونا)

# تعليلات وقوانين وابواب ناقص

دُعاة كي تعليل: دُعَاة اصل مين دُعَاق تها: واوالف زائد كے بعد طرف لعني آخر مين واقع ہوااس لئے اس كوہمزہ سے بدل د ما تودُ عَاةٌ ہوگیا۔

### قانون٥٣: دُعَاءُ إوريقاءٌ والا قانون

اس قانون کا خلاصہ بیہ ہے کہ جوواواور پاالف زائد کے بعد طرف میں واقع ہوجائے خواہ حقیقتاً طرف میں ہوں پاحکماً طرف میں ہوں لینی اس واواور پاکے بعد دوسراحرف ہولیکن وہ واواور پیاکےساتھ لازم نہ ہو بلکہان کے بغیر بھی استعال ہوتا ہوتو اليي صورت مين اس واواور ياكو بمزه سے بدلناواجب بے جیسے دُعَاق اور بَقَاى كودُعَاءٌ وربَقَاءٌ يرد صناواجب باور دَعَاوان اوربَقَايان كودُعَائَان اوربَقَائَان يرِ صناواجب ب-تاجم وَاوْ اوريَائ من بين انون نبيس حِلي كاس لئ كهان من الف اصلى ب، اس طرح عَدَاوَةٌ اور دِ مَايَةٌ مِس بهي بيقانون نبيس حِلي كاس لئ كه يهال واواور يانه حقيقاً طرف مي بين (وهو الظاهر) اور نہ حکماً اس لئے کہ تائے مدورہ کے بغیر بداستعال نہیں ہوتے۔

دُعِي كي تعليل: دُعِيَ اصل مين دُعِي تها: واولام كلمه كمقابله مين تقااور ماقبل كسورتقااس لئة واوكويات بدل ديا تودُعِيَ بن كيا-قانون نمبر٥٤: دُعِيَ والا قانون

جوداولام کلمہ کے مقابلہ میں ہواوراس کا ماقبل کمسور ہوتواس واوکو یاسے بدلناوا جب ہے جیسے دُعِو کو دُعِیَ اور رَضِو کو رَضِيَ يرهناواجب ہے۔

### قانون نميرهه:دُعَا اور بِقَاوِالا قانون

جو افعل کے آخر میں ہواورمفتوح ہولیکن وہ فتح کسی عامل ناصب کی وجہ سے نہ ہواوراس کا ماقبل کمسور ہوتوا سکے کسر ہ کوفتحہ سے بدلنا جائز ہے پھر قال باع قانون کی وجہ سے پاکوالف سے بدلناوا جب ہے قبیلہ بنو طے کی لغت میں جیسے دُعِیَ اور مَقِیَ میں كسره كوفته سے بدل ديا تودُ عَيَّ اور بَقَيَّ ہوااور پھر قَالَ بَاعَ قانون كي وجه سے يا كوالف سے بدلا، تودُ عَااور بَقَاہوا، چونكه لَن يَّر مِيَ مِيں يا كافتحان عامل ناصب كى وجرسے ہاس لئے اس ميں بيقانون نہيں چلے گا۔

يَدُعُوالِن كَى تعليل: يَدُعُوالِ السَّاسِيَدُعُو الْخُصَل مِين يَدُعُو الْخُصَارِ السَّاسِ السَّاسِ لِيَ اس كوراديا تويَدُعُوالْخِبن كيا-

#### قانون نمبر٥٦: يَدُعُوُ اوريَرُمِيُ والا قانون

جوداواور یامضموم ہویا مکسوراورلام کلمہ کے مقابلہ میں ہواوران کے ماقبل برضمہ یا کسرہ ہوتواس واواوریا کی حرکت کوگرانا واجب ہے۔اس کی کل آٹھ صور تیں بنتی ہیں:

ا۔ واومضموم ماقبل بھی مضموم جیسے یَدُعُوُ ۲۔ واوکسور ماقبل بھی کمسور جیسے آعُلِویُ ۳۔ واومضموم ماقبل کمسور جیسے دَاعِقٌ ٧- واوكسور ماقبل مضموم جيسے تَدُعُويُنَ ٥- يامضموم ماقبل بھي مضموم جيسے يَكُنُيُ ٢- يا كمسور ماقبل بھي كمسور جيسے آهٰديئ

٨ - يا مكسور ما قبل مضموم جيسے تَنْهُييُنَ ـ

ے۔ یامضموم ماقبل مکسور، جیسے یَرُمِیُ

تَدُعُویُنَ میں بیقانون نہیں چلے گااس لئے کہ اس میں واوضمہ اور یا کے درمیان ہے بلکہ اس میں قینل بینع والا قانون چلے گا، اس طرح رَامِیُونَ میں بھی بیقانون نہیں چلے گا، اس طرح رَامِیُونَ میں بھی بیقانون نہیں چلے گااس لئے کہ اس میں یا کسرہ اور واو کے درمیان ہے، اس قانون کے لئے ایک شرط بی بھی ہے کہ واواور یا کہ میں ہوں احر ازی مثال قُولَ اور بُیعَ ، ایک شرط بی بھی ہے کہ واواور یا کی جوازی قانون چلے گا نون کی وجہ سے مبدل ہوں احر ازی مثال مُستَهُ نِی ، البت اگر وجو بی قانون کی وجہ سے مبدل ہوں تو قانون چلے گا جیسے یہ جواصل میں یَجِدُی تُقا، ایک شرط بی بھی ہے کہ واواور یا کی حرکت ہمزہ سے منقول نہ ہوا حر ازی مثال یَسُو اور یجی ہے کہ واواور یا کی حرکت ہمزہ سے منقول نہ ہوا حر ازی مثال یَسُو اور یَجِدی ، واصل میں یَسُو وُاور یَجِی ءُ تھے۔

يُدُعىٰ كى تعليل: يُدُعىٰ اصل مين يُدُعَوُها، واواصل (دَعَوَ) مين تيسرى جلّه پرتها، اب يُدُعَوُ مين چوتهى جلّه وآيا، اور ماقبل كى حركت مخالف ہے، اس لئے واوكوياكيا اور پھر قال باع قانون كى وجہ سے ياكوالف كيا، تويُدُعىٰ بن كيا۔

### قانون نمبر٥٧: يُدُعىٰ اوريُرُضىٰ والا قانون

جوواواصل میں تیسری جگہ پر ہواور پھر چوتھی یا پانچویں جگہ کو چلا جائے اور ماقبل کی حرکت مخالف ہو، تواس کو یہ اسے بدلنا واجب ہے جیسے یُدُ عَوُاور یُرُ ضَوُ سے یُدُ عیٰ اور یُرُ ضیٰ ، بیقا نون دَ عَوَ میں نہیں چلے گااس لئے کہ واوچوتھی یا پانچویں جگہ میں واقع نہیں ہے، اسی طرح اُدُ عُونُ میں بھی بیقا نون نہیں چلے گااس لئے کہ ماقبل کی حرکت مخالف نہیں ہے۔

دُعَاقُكَى تعليل : دُعَاة اصل مين دَعَوَةٌ تها، واومتحرك اقبل مفتوح تها، قالَ باعَ قانون كى وجه واوكوالف سه بدلاتودَعَاةٌ موا، دَعَاةٌ مِن كل معتد مع واسكا التباس آيا صلوةٌ ، زَكوةٌ اور قَنوةٌ مفرد كساته ، اس لئ فاكلم كفته كوضمه سع بدل ديا تودُعَاةٌ بن گيا -

دِعِتُ کی تعلیل : دِعِیُّ اصل میں دُعُوُو تھا، واووا قع ہوااسم متمکن کے آخر میں اور اس کا ماقبل واو مدہ زائدہ تھا، اس لئے واوکو یا گیا تو دوکو یا گیا اور دوئر اس کا ماقبل اور دوئر اس کا ماقبل اور عام کیا تو دُعُویٌ ہوا، لیس واواور یا ایک کلمہ میں جمع ہوئے پہلاساکن تھا اور دوئر امتحرک تھا تو واوکو یا گیا اور مُقدِّلٌ کے قانون کی وجہ سے تو دُعُیُ ہوا، اب یا واقع ہوئی اسم متمکن کے آخر میں اور ماقبل مضموم تھا، اس لئے دوئر سے مدل دیا تو دُعِیٌ ہوا کی وجہ سے تو دِعِی ہوا۔ معمد کو کسرہ سے بدل دیا دوئر سے بدل دیا تو مناسبت کی وجہ سے تو دِعِی ہوا۔

### قانون نمبر٥٨: أَدُلِ اوردِعِيُّ كَا پِهلا قانون

جوواولازی ہو،ہمزہ سے مبدل نہ ہو،اسم متمکن کے آخر میں ہو،اور جمع میں ہوتوا سے واوکو یہ سے بدلناوا جب ہے ہہ بخرطیکہ اس کا ماقبل مضموم ہوجیسے آدُلُق سے آدُلُی یا واو مدہ زائدہ ہوجیسے دُعُو و سے دُعُو ی اورا گرمفرد میں ہوتو شرط یہ ہے کہ ما قبل مضموم ہوجیسے تَبَنُّو سے تَبَنُّی یا قبل واو مدہ زائدہ ہواوراس مدہ زائدہ سے پہلے دوسراوا و متحرک ہوجیسے مَقُو وُ و سے مَقُو وُ ی سے مَقُو وُ ی سے مَقُو وُ ی سے مَقُو وُ ی سے اورا گرمدہ زائدہ سے پہلے واوم حرک نہ ہوتو پھریا سے بدلنا جائز ہوگا واجب نہیں ہوگا جیسے مَدُعُو و سے مَدُعُو ی جائز ہے واجب نہیں، چونکہ ضارِ بُو میں واولازی نہیں، بلکہ ضارِ بٌ پڑھنا بھی جائز ہے اس لئے اس میں بیقا نون نہیں چلے گا اور کُفُو آ میں واو ہمزہ سے مبدل ہے،اور هُوَ میں واواسم غیر متمکن کے آخر میں ہے اس لئے ان میں بیقا نون نہیں چلے گا۔

### قانون نمبر٥٥:اَدُلِ اوردِعِيُّ كا دوسرا قانون

جویا مخفف ہویا مشدد ہواوراسم متمکن کے آخر میں ہوتو اگر ماقبل میں ایک ضمہ ہوتو اس ضمہ کوکسرہ سے بدلناوا جب ہے جیسے: اَدُلُیٌ سے اَدُلِیٌ اور مَدُعُیٌ سے مَدُعِیٌ ،اور اگر ماقبل میں دوضے ہوں توضمہ متصل کو جو بااور غیر متصل کو جواز آکسرہ سے بدلا جائے گا جیسے دُعِییٌ واجب اور دِعِییٌ پڑھنا جائز ہے۔

دَوَاع كى تعليل: دَوَاع اصل مين دَوَاعِوُها، واولام كلمه مين واقع تقااوراس كا ماقبل كمسورتفااس كَدُعِيَ والتانون كى وجه سيدا واوكوياكيا تودَوَاعِيُ موا پهرياضموم هى اوراس كا ماقبل كمسورتفا تو بوجه تقلّ يَدُعُو اوريَرُمِيُ والتانون كى وجه سيدا كضمه كو گراديا تودَوَاعِيُ موا، پهرياضموم هى اورتنوين مقدره بهى ساكن جة التقائين والتانون كى وجه سيداكوحذ ف كراديا تودَوَاعِ موا، دواع كاوزن غير منصرف كاوزن نبين جاس كتنوين مقدره كوظا مركيا تودواع موكيا-

### قانون نمبر ٠٠: لَمُ يَدُعُ لَمُ يَرُمٍ والا قانون

جب مضارع كا آخر، حرف جازم يا امرى وجه عيم وم وجائة الله كآخر عدن علت كا گرانا واجب بيسك يَدُعُو سه مَنارع كا آخر، حرف جازم يا امرى وجه عيم وم وجائة الله عن ا

لِتُدُعَيِنَ كَى تعليل: لِتُدُعَدِنَ اصل مِس لِتُدُعَى تها: جبنون تاكير تقيلهاس كساته پوست موا تولِتُدُعَدُنَ موكيا پس التقاعُ ساكنين موايا اورنون مغم مين، چونكه پهلاساكن غيرمده يائ واحده تقااس كة اس كوكسره و يا تولِتُدُعَيِنَ بن كيا-

### قانون نمبر ٦٠: لِتُدُعَوُنَّ اورلِتُدُعَينَّ والا قانون

التقائے ساکنین علی غیر حدہ میں اگر ساکن اول غیر مدہ واوجع ہوتو اس کوضمہ دینا واجب ہے جیسے لِتُدہ مَے وُنَّ میں ضمہ دیا ہے اور اگر ساکن اول غیر مدہ یا ہے واحدہ ہوتو اس کوکسرہ دینا واجب ہے جیسے لِتُدُ عَدِینَّ میں کسرہ دیا ہے۔

دُعُيل كى تعليل: دُعُين اصل مين دُعُوى تها: واوواقع جوافعلى اسى كالمكلم كمه كمقابله مين اس لئ واوكوياكيا تودُعُيني بن كيا-

### قانون نمبر٦٢: دُعُيئ اورتَقُويٰ والا قانون

جوداوف عُلیٰ اسی کے لام کلمہ کے مقابلہ میں واقع ہوجائے اس کویا سے بدلناواجب ہے جیسے دُعُویٰ سے دُعُییٰ، چونکہ غُرُویٰ فُعُلیٰ اسی بیس فتی ہے لیکن سے بلکہ مقتی ہے لیکن اس میں صفت غزا کا اعتبار ہے اس لئے اس میں قانون نہیں چلے گا اورجو یا فَعُلیٰ اسی کے لام کلمہ کے مقابلہ میں واقع ہوجائے تو اس کوواو سے بدلناواجب ہے جیسے تَقُییٰ کو تَقُویٰ پڑھناواجب ہے چونکہ

صَدُيي (پياسي عورت) فَعُلى صفتى إس التراس مين بيقانون نهين حلي كار

رَخَايًا كَى تعليل: رَخَايَا (صِغه جَع مَونث مَسر صفت مشبه) رَخِيَّةٌ سے بنا ہے، پہلے رَخِيَّةٌ گوا پِي اصل (رَخِيُوةٌ) كَ طرف لوٹايا پھر تيسرى جگه الف علامت جمع مَسر ما قبل كے فتح كساتھ لے آئے اور الف كے بعد والے حرف كوكسره ديا، تائے واحدہ اور تنوين مَكن علامت اسميت كوضديت اور منع صرف كى وجہ سے حذف كيا تو رَخِيُ وَةٌ سے رَخَايِوُ بن گيا، پھر شَرَائِقُ والے قانون كى وجہ سے واكوييا كيا تورَخَاءِ يُ ہوا، اب ہمزہ والے قانون كى وجہ سے واكوييا كيا تورَخَاءِ يُ ہوا، اب ہمزہ واقع ہوا الف مفاعل كے بعد اور يا سے پہلے اور اس كے مفرد ميں ياسے پہلے ہمزہ موجوز ہيں تھا اس لئے مصل آنے والے قانون كى وجہ سے ہدل تورَخَايَيني ہوا، پھر قالَ باغ والے قانون كى وجہ سے بدل تورَخَايَا ہوا۔

### قانون نمبر٦٣: رَخَايَا اور اَدَاوَىٰ والا قانون

جوہمزہ الف مفاعل کے بعداوریاسے پہلے واقع ہوجائے اس کو یائے مفتوحہ سے بدلناواجب ہے جیسے رکھنے اور کے ایک سے رکھنے اسے پہلے ہمزہ نہ ہواحتر ازی مثال جَوَاءِ یُ کہ اس کے مفرد جاءِ یَةٌ میں ہمزہ یا سے پہلے ہے، البذا جہ سے اللہ ہمزہ نہ ہواحتر ازی مثال جَوَاء یُ کہ اس کے مفرد جاءِ یَةٌ میں ہمزہ یا سے پہلے ہے، البذا جسلے اللہ الرواومفرد میں الف کے بعد چوتھی جگہ پرواقع ہوجائے تو پھر جمع میں اس ہمزہ کو یائے مفتوحہ کی بجائے واومفتوحہ سے بدلناواجب ہوگا جیسے اَدَاء یُ سے اَدَاوَیُ اس لئے کہ اس کا مفرداَدَاوَۃٌ ہے، جس میں واوالف کے بعد چوتھی جگہ پر ہے۔ پھر قال باع والے قانون کی وجہ سے رَخَایَا اور اَدَاویٰ بن گئے۔

## رُخَيُّ اوررُخَيَّةٌ كى تعليل

رُخَيٌّ اوررُخَيَّةٌ كو رُخَيِّيَ اوررُخَيِّيةٌ سے بنایا ہے، پہلے ان کوا پی اصل کی طرف لوٹایا جو رُخَيِّقٌ اوررُخَيِّقٌ ہیں،
پھر دُعِیَ والے قانون کی وجہ سے رُخَيِّيٌ اور رُخَيِّيةٌ ہوئے، پس تين يا جمع ہوئيں پہلی يا دوسری ميں مرَمُ تھی، اور تيسری يالام کلمہ
کے مقابلہ ميں تھی، اس لئے تيسری يا کونسيَّا منسيًا لعنی بلا عوض حذف کيا اور اعراب يائے مشددہ پرجاری کيا تورُخَيُّ اور رُخَيَّةٌ بن گيا۔

## قانون نمبر٦٤: رُخَيُّ اورسَيِّدُوالاقانون

جب ایک کلمه میں تین یا جمع ہوجا کیں اس طور پر کہ پہلی یا دوسری میں مغم ہواور تیسری یا الام کلمه کے مقابله میں ہوتو تیسری یا کونسیا منسیا ُ صدف کرنا واجب ہے جیسے رُ خَدِی ّ اور رُ حَدِی کا الام کلمہ کے مقابلہ میں ہوا حتر ازی مثال اُ مُت یہ واحتر ازی مثال : حَدَّ ی مَا بلہ میں ہوا حتر ازی مثال اُ مُت یہ ہوا کی اور اس شرط پر کہ فعل یا جاری مجری فعل (اسم فاعل وغیرہ) میں نہ ہوا حتر ازی مثال : حَدَّ ی مُحَدِّی ہوجا کیں تو ان میں ایک کو حذف کرنا جا کرنے جیسے سَیدٌ کو سَدُدٌ پر عنا جا کرنے۔

### نون نمبره٦:زيادتي فَعُلان والا قانون

جبواویا یا تائے تائیفیازیادتی فعلان سے پہلے آجائے اوراس واواوریاکا ماقبل واوضموم ہوتواس کے ضمہ کوکسرہ سے بدلناواجب ہے جیسے قَوُوَتُ سے قَوُوَتُ ، طَوُیَتُ سے طَوِیَتُ ، قَوُوانِ سے قَوُوانِ ، طَویَانِ اورا گرواو اوریاسے پہلے واو کے علاوہ کوئی دوسراحرف مضموم ہوتو پھریا وواوسے بدلاجائے گاجیسے رَمُیتُ سے رَمُوَتُ ، رَمُیان سے اوریاسے پہلے واو کے علاوہ کوئی دوسراحرف مضموم ہوتو پھریا وواوسے بدلاجائے گاجیسے رَمُیتُ سے رَمُوَتُ ، رَمُیان سے

رَمُوَان اورواوكواية حال يرركهنا موكاجيس رَخُون اور رَخُوان كورَخُوَان اورواوكواية حال يرركهنا موكاجيس كـ رَهُوَكِي تعليل: رَمُوَاصل مِين رَمُيَ تها: ياوا قع هوئي فعل كِآخر مين ضمه كے بعداس لئے يا كوواوسے بدلاتورَ مُوَ بن كيا-

قانون نمسر ٦٦: رَهُوَكَاقًا نُون جو افعل کے آخر میں واقع ہواوراس کا ماقبل مضموم ہوتواس کو واوسے بدلنا واجب ہے جیسے رَمْیَ کورَمُوَ پڑھنا واجب ہے۔ باا ولصرف صغير ثلاثي مجردناقص واوى بروزن فَعَلَ يَفْعُلُ جِول الدُّعاءُ خواندن (بلانا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مجر دناقص واوي بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چوں الجَدُّنيُ بزانونشستن ( گھٹنوں کے بل بیٹھنا ) باب سوم صرف صغير ثلاثى مجر دناقص واوى بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول الرِّضاءُ خوشنودشدن (خوش مونا) باب جبار مصرف صغير ثلاثي مجرد ناقص واوى بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ چوس المَهُوُ ووركرون (دوركرنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثى مجردناقص واوى بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چول الرَّخْوَةُ ست شدن (ست بونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيهناقص واوى بروزن افعال چون الإعُلاءُ بلندكردن (بلندكرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهناقص واوى بروزن تفعيل چون التَّنُجيَةُ ربانيدن (رباكرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه ناقص واوي بروزن مُفاعَله چوں المُفاجِاةُ باہم رازگفتن (باہم راز کی بات کرنا) باب جہارم صرف صغیر ثلاثی مزید فیہ ناقص واوی بروزن تفعُّل چوں التَّبَنِي بدپسرے خواندن (کسی کومنہ بولا بیٹا بنانا) باب پنجم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه ناقص واوی بروزن تفائل چول التّداخیبی از یک دیگرخوشنو دشدن (ایک دوسرے سےخوش ہونا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه ناقص واوي بروزن افتعال چوب الإعُيّداءُ از حددر كَرْشْتن (حد سے نكلنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهناقص واوى بروزن انفعال چون الإنجلاء روثن شدن (روش مونا) باب مشم صرف صغير الأقى مزيد فيهناقص واوى بروزن استفعال چول الإستيد عاء خواستن (جابنا) باب نهم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه ناقص واوي بروزن افعلال چون الإرُعِواءُ بازايستادن ( پيچي كفر بهونا) باب دہم صرف صغیر ثلاثی مزید فیمناقص واوی بروزن افعیعال چوں الاغریُداءُ سوارشدن براسپ بر ہند( گھوڑے کی نگی پیٹھ برسوار ہونا ) باب اول صرف صغير ثلاثي مجر دناقص يائي بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ جِول الرَّمْيُ تيرانداختن (تيريجيئنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مجر دناقص يائى بروزن فعِلَ يَفْعَلُ حِونِ الخَشْيُ ترسيدن (ورنا) باب سوم صرف صغير ثلاثى مجر دناقص يائى بروزن فَعَلَ يَفْعُلُ چول الكِنايةُ سخن بجيز عكردن واراده غيرآن داشتن (بات ايك چیز کے بارے میں کرنااورارادہ دوسری چیز کارکھنا) باب جهارم صرف صغير ثلاثي مجر دناقص يائي بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ جِون السَّعْيُ دويدن (دورُنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مجر دناقص يائي بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چوں النَّهُيُّ منتهائے عقل رسيدن (كامل العقل مونا)

باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيه ناقص يائي بروزن افعال چون الاهداءُ مديدان (مديد ينا)

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن تفعيل چول التَّسُوميَةُ نام نهادن (نام ركهنا)
باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن مُفاعَله چول المراماةُ با يك ديگر تيرانداختن (ايك دوسر بر تير پهيئكنا)
باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن تفعُل چول التَّمنِي آرز وكردن (آرز وكرنا)
باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن تفاعُل چول التَّرامِي با يك ديگر تيرانداختن (ايك دوسر برتير پهيئكنا)
باب شختم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن افتعال چول الإختيفاءُ پوشيده شدن (چپ جانا)
باب شفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن انفعال چول الإنقضاءُ گرشتن مدت (مدت كاگزرنا)
باب شفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه ناقص يائى بروزن استفعال چول الإنقضاءُ گرشتن مدت (مدت كاگزرنا)

### ابواب كفيف

باب اول صرف صغير ثلاثى مجرد لفيف مفروق بروزن فَعَلَ يَفْعِلُ چول الوقَّى والوقايّة تكهداشتن (بچانا) باب دوم صرف صغیر ثلاثی مجردلفیف مفروق بروزن فعِلَ یَفْعَلُ چوں الله جُیُ ستوده شدن سمستور ( گھوڑے کے سُم کا گھس جانا ) باب سوم صرف صغير ثلاثي مجرد لفيف مفروق بروزن هَعِلَ يَفُعِلُ چوں المولَيُ كاركيے برخود داشتن ونز ديك شدن (كسى كا كام اينے ذمه لينااورنز ديك ہونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيلفيف مفروق بروزن افعال چول الايصاءُ وصيت كردن (وصيت كرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيلفيف مفروق بروزن تفعيل چون التَّوُفِيَةُ تمام كرنا (تمام كرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه فيف مفروق بروزن مُفاعَله چول المُوالاةُ بايك ديگردوي كردن (ايك دوسرے سے دوستي كرنا) باب جهارم صرف صغير الله في مزيد فيه لفيف مفروق بروزن تفعُّل چول التَّوَقِّي ير بيز كردن (يربيز كرنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه لفيف مفروق بروزن تفاعُل چول التّوالِي پيايه شدن (يدريهونا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيلفيف مفروق بروزن افتعال چول الإتقاءُ يربيز كردن (يربيزكرنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه فيف مفروق بروزن استفعال چول الإستينفاء تمام فركفتن (بورالينا) باب اول صرف صغير ثلاثي مجر دلفيف مقرون بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ جِول الطَّيُّ نورديدن (ليبينا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مجرد لفيف مقرون بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چِول القُوَّةُ تَوْانا شدن ( قوى مونا ) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيلفيف مقرون بروزن افعال چون الاحياءُ زنده كردن (زنده كرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيلفيف مقرون بروزن تفعيل چول التَّسُويَةُ برابري كردن (برابري كرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه لفيف مقرون بروزن مُفاعَله چول المُداواةُ دواكردن (علاج كرنا) باب جبارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيرلفيف مقرون بروزن تفعُّل چول التَّقُّوى قوت كردن (قوى بونا) باب پنجم صرف صغير ثلاثى مزيد فيرلفيف مقرون بروزن تفاعُل چول التساوى برابر شدن (برابر بونا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيه لفيف مقرون بروزن استفعال چون الإستواءُ برابر شدن (برابر مونا) باب مفتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه لفيف مقرون بروزن انفعال چول الإنوزواء بكوشه شين شدن (گوشه شين مونا) باب مشتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه لفيف مقرون بروزن استفعال چول الإسُتِحُياءُ شرم واشتن (شرم كرنا)

# تعليلات وقوانين وابواب مهموز

### قانون نمبر٦٧: يَأْزِدُ والا قانون

## قانون نمبر ٨٨: أُمَنَ، أَوُمِنَ، إِيُمَاناً والا قانون

جوہمزہ ساکن مظہر ہواوراس سے پہلے اس کلمہ میں دوسراہمزہ مخرکہ ہوتواس ہمزہ ساکنہ کو ماقبل والی حرکت کے موافق حرف علت سے بدلناوا جب ہے جیسے اَلْمَنَ سے اُمنَ ، اُلْمِنَ سے اُو مِنَ اور اَلْمَاناً سے اِیمَانااس شرط پر کہ ہمزہ کو حرکت دینے کا کوئی باعث موجود نہ ہوا حرز ازی مثال اَلْمُ ہے بہاں میم کا میم میں ادعا مہمزہ ساکنہ کو حرکت دینے کا باعث ہے البت اگر پہلا ہمزہ وصلی ہواور درج کلام میں گرجائے تو دوسراہمزہ پھر ہمزہ بن کرلوٹ کرآئے گا جیسے یَا اَیُھاالُقارِی ءُ الْتُمِنَ میں ہے۔اَکلَ یَا کُلُ کا امراصل میں اُلْکُلُ ہے، لہذا اُو کُلُ پڑھنا چا ہے، اس طرح آمَر یَا مُکُر کا امراصل میں اُلْکُدُ ہے لہذا اُو کُلُ پڑھنا چا ہے، اس طرح آمَر یَا مُکُر کا امراصل میں اُلْکُدُ ہے لہذا اُو کُدُ پڑھنا چا ہے، اس طرح آمَر یَا اُمُدُ کا امراصل میں اُلْکُدُ ہونا جا ہے، ای طرح اُمَدُ یَا مُدُ کا امراصل میں اُلْکُدُ ہونا کہ بیشا و ہیں۔

### قا نون نمبر: ٦٩ جُؤَنّ اورمِئرُوالا قانون

جوبمز همفق جواوراس کا ماقبل مضموم یا مکسور بوتواس بمزه کوضمه کی صورت میں واوسے اور کسره کی صورت میں یہ اسے بدلنا جائز ہے جسے جُوَنٌ سے جُونٌ ، اور مِثَرٌ سے مِیرٌ ، یَضُرِ بُ أَحْمَدُ سے یَضُرِ بُ وَحُمَدُ اور مِنُ ضَرُ بِ أَحُمَدَ سے مِنُ ضَرُ بِ قَحْمَدُ اور مِنُ ضَرُ بِ أَحْمَدُ سے مِنُ مَحِیْ وَ مُحَدَدُ اور مِنْ مَحِیْ وَ مُحَدُدُ اور مِنْ مَحِیْ وَ مُحَدِدُ اللّٰ اللّٰ

## قانون نمبر٧٠: جَاءِ، أَ يِمَّةُ اوراً وَادِمُ والا قانون

جبدو وتحرک ہمزے جمع ہوجا کیں اور ان میں سے کوئی ایک ہمزہ مکسور ہوتو دوسرے ہمزے کویا سے بدلنا واجب ہے جیسے جَاء ء سے جَاء ء سے جَاء ء سے جَاء ء سے جَاء ع ہوجا کیں چونکہ دوسرے ہمزے کا کسرہ عارض ہے، ادغام مابعد کی وجہ سے آیا ہے اس لئے اس کو آیے تھ پڑھنا جا کڑنے واجب نہیں اور اگران دو تحرک ہمزوں میں سے کوئی بھی مکسور نہ ہوتو پھر دوسرے ہمزے کو واوسے بدلنا واجب

ہ جیسے أَأَادِمُ سے أَوَادِمُ ،اس قانون كى روسے أُأكُرِمُ كُوأُوكُرِمُ پُرْ هناچا ہے ، حالانك پُرْ هاجاتا ہے ، أُكُرِمُ وجبيہ كہيثاذ ہے۔
قانون نمبر ٧٠: يَسُئِلُ والاقانون

جوہمزہ متحرک ہواوراس کا ماقبل ساکن ہوتو اس کی حرکت نقل کر کے ماقبل کو دینا اور خوداس ہمزہ کوحذف کرنا جائز ہے

جيسے يَسُتَلُ سے يَسَلُ ليكن چندشرا لط كساتھ:

ا بهمزه سے پہلے ساکن ہواحتر ازی مثال سَمَّل ۔

٢ ـ وه ساكن مظهر مواحتر ازى مثال سَدَّالَ ـ

٣ \_اورقابل حركت بواحر ازى مثال سَماءَ لَ.

٧- بهمزه سے بہلے یا کے تصغیر نہ ہوا حتر ازی مثال سُو پُیلًا۔

۵ ـ اسى طرح نون انفعال بهى نه بواحتر ازى مثال إنْقَطَرَ ـ

٧ ـ اورواومده زائده بھی اسی کلمه میں نہ ہواحتر ازی مثال: مَـقُــرُوّءَ ۃٌ ، البتۃ اگرواومده اصلی ہوتو قانون چلے گا جیسے یَسُوّءُ یا دوسر کے کلمه میں ہوتو بھی قانون چلے گا جیسے بَاعُوُ أَمُوَ الَهُمُ ۔

ے۔اس طرح یائے مدہ زائدہ بھی اس کلمہ میں نہ ہوا حرّ ازی مثال خَطِیدَةٌ تا ہم اگر یاء مدہ اصلی ہوتو قانون چلے گاجیسے یَجِیدُی یا دوسرے کلمہ میں ہوتو بھی قانون چلے گاجیسے وَفِی ًا مُوَ الِهِمُ۔

مِرُأَةٌ كواس قانون كى روسه مِرَةٌ يرصنا چا جيحالاتك برصاجاتا ج مِرَاةٌ وجديد كديشاذ بـ

### قانون نمبر٧٧: أَفَيِّسٌ، مَقُرُوَّةُ اور خَطِيَّةٌ والا قانون

جوہمزہ یا ئے تصغیر کے بعدوا قع ہوجائے اس کو یاکر ناجا کز ہے کین پھر یاکا یا میں ادعام واجب ہے جیسے اُفَدُ بِسٌ سے اُفَدِّ بِسٌ سے اُفَدِّ بِسٌ سے اُفَدِّ بِسٌ سے اُفَدِّ بِسٌ اس کو واو کر ناجا کز ہے کین پھروا وکا واو میں ادعام واجب ہے جیسے اُفَدِّ سے مَقُدُ وَقَدُّ سے مَقَدُ وَقَدُ سے خَطِیدَ اُس کو میں اور مار کر ہو ہمزہ اور مدہ زائدہ کے بعدوا قع ہوجائے اس کو یاکر ناجا کر ہے کیک پھریاکا یا میں او عام واجب ہے جیسے خطید اُلهُ مُ اور قَدِی اُمُو اللّهِمُ اور مدہ زائدہ ایک کلمہ میں ہوں احترازی مثال بَاعُو اَمُو اللّهُمُ اور وَفِی اُمُو اللّهِمُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُمُ اللّهُمُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ اللّهُمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

### قانون نمبر٧٣.قِرَءُ يُ والا قانون

جب دوہمزے ایک کلمہ میں جمع ہوجا کیں اور ان میں پہلاسا کن اور دوسر امتحرک ہوتو دوسرے کویا سے بدلناوا جب ہے جیسے قِرَهُ ءٌ سے قِرَهُ یُ لیکن اگر پہلامتحرک اور دوسر اساکن ہوتو بیقا نون نہیں چلے گا جیسے اَّامَنَ۔

اس قانون کے لئے شرط بیہ ہے کہ وہ کلمہ موضوع علی التضعیف نہ ہو، (یعنی وضعاً واستعالاً مشدد نہ ہو) احرازی مثال سَنَّالَ اور تَسَنَّالَ۔

### قانون نمبر٧٤: سَئُلَ والا قانون

جوہمزہ اکیلا ہواوراس کی حرکت اور ماقبل والی حرکت ایک طرح ہوں تو اس ہمزہ کو ماقبل والی حرکت کے موافق حرف علت سے بدلناجا مزہ جیسے سَدَّل کو سَمالَ پڑھناجا مُزہے أَأَادِهُ مِيس بيقانون نہيں چلٽااس لئے کہ ہمزہ اکيلانہيں ہے۔

### قانون نمبره٧: سُولَ اورمُسُتَهُزيُوْنَ والا قانون

جوہمزہ اکیلا ہواورخود کسورہ ہواوراس کا ماقبل مضموم ہوتواس کوواوسے بدلناجائزہے جیسے سُیٹِلَ سے سُوِلَ اور جوہمزہ خود مضمومہ ہو اوراس کا ماقبل کسور ہوتواس کو یاسے بدلناجائزہ جیسے مُسُتَهُ نِهُ وُنَ سے مُسُتَهُ نِیُونَ یدونوں قوانین ام اختش کے نزدیک ہیں۔

## قانون نمبر٧٦: آلُحَسَنُ والا قانون

جب ہمزہ استفہام داخل ہوجائے ہمزہ وصلی مفتوح پرتو ہمزہ وصلی کوالف سے بدلنااوراس میں التقائے ساکنین کو باقی رکھنا واجب ہے جیسے أَالْکَ مَسنَ سے آلُکُوں ہے ہمزہ استفہام کانہیں ہے، أَالَّ نُتُمُ مِن نہیں چلے گااس لئے کہ پہلا ہمزہ استفہام کانہیں ہے، أَالَّ نُتُمُ مِين نہیں چلے گااس لئے کہ دوسرا ہمزہ مفتوح نہیں ہے۔ میں نہیں چلے گااس لئے کہ دوسرا ہمزہ مفتوح نہیں ہے۔

### قانون نمبر٧٧: ءَ وَءُيُّ والا قانون

جس کلمہ میں دوہمزوں سے زیادہ ہمزے جمع ہو جائیں تو وہاں دوسرےاور چو تھے ہمزے میں تخفیف کی جائے گی اور با في ہمزوں کوایینے حال پر چپوڑا جائے گا جیسے ءَ ءُ ءُ ایک فرضی کلمہ ) میں پہلے دوہمزوں کوایک کلمہ فرض کیا جائے گا اور آق ادِمُ والے قانون کی وجہ سے دوسرے ہمزے کو واو سے بدلا جائے گا پھر تیسرے اور چو تھے ہمزے کوا بک کلمہ فرض کیا جائے گا اور قِدَءُ یٌ والے قانون کی وجہ سے دوسرے ہمزے کو یا سے بدلا جائے گا تو ءَ ءُ ءٌ ءٌ ہے ، وَ ءُ یٌ بن جائے گا۔ باب اول صرف صغير ثلاثي مجردمهموز الفاء بروزن فَعَلَ مَفْعِلُ حِولِ الْأَذُذُ تراشيدن (تراشا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مجرد مهوز الفاء بروزن فَعَلَ يَفْعُلُ چوں الْأَمْرُ عَلَم كردن (حَكم كرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مجردمهوز الفاء بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ حِول اللهَمْنُ بِغُم شدن (بِغُم مونا) باب جهارم صرف صغير ثلاثى مجردمهموز الفاء بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ چول الْإلاهِيَّةُ برستيدن (عبادت كرنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مجرومهوزالفاء بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چون اللَّادُبُ باادب شدن (باادب مونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز الفاء بروزن افعال چور الإيمانُ ايمان آوردن (ايمان لانا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز الفاء بروزن تفعيل جول التأديث ادب دادن (ادب سكهانا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهم وزالفاء بروزن مفاعله چول المُؤاخَذَةُ بكناه كرفتن ( كناه مين پكرنا) باب چهارم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مهوز الفاء بروزن تفعل چون التَّأَمُّرُ مصلحت كرنا (مصلحت كرنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهم وزالفاء بروزن تفاعل چوں الابتِمانُ امين شدن (امين مونا) باب ششم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز الفاء بروزن انفعال چون الإنبيطارُ بزود برآ مدن (جلدي نكل آنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهمهوز الفاء بروزن استفعال چون الإستيجارُ بمز دوري گرفتن (اجرت يرلينا)

باب اول صرف صغير ثلاثى مجردمهوز العين بروزن فَعَلَ يَفْعِلُ چول الزُّوَّرُ بانك كردن شير ازسينه (شير كاسينه سي واز تكالنا) باب دوم صرف صغير ثلاثى مجردمهموز العين بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول السّامُ ملول شدن (اكتاجانا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مجرد مهموز العين بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ جِونِ السُّوقَالُ برسيدن (يوجِصا) باب جبار م صرف صغير ثلاثي مجر دمهموز العين بروزن فَعِلَ يَفْعِلُ حِولِ البُوَّاسُ رسيدن بنخي (تخيّ مين مبتلا مونا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مجرد مهوز العين بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چِوں اللُّؤْمُ نائس شدن (كمينه مونا) باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيهم موزالعين بروزن افعال چون الإستار ستودن درآ مدن (اكتادينا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهم وزالعين بروزن تفعيل چول التَّسُئِيلُ سوال كنانيدن (سوال كرانا) باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد في مهوز العين بروزن مفاعله چول المُساءَ لَهُ بايك ديكرسوال كردن (ايك دوسر عس يوچمنا) باب جهارم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز العين بروزن تفعل چون التَّدِّيُّ سُ رئيس شدن (سردار مونا) باب پنجم صرف صغیر ثلاثی مزید فیمهموز العین بروزن تفاعل چوں التّساءُ لُ با یک دیگرسوال کردن (ایک دوسرے سے یو چھنا) بات شمصرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز العين بروزن افتعال چون الإلْتِئامُ پوسته شدن (پوست بونا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز العين بروزن انفعال چول الإنطائ والپس شدن (والپس مونا) باب مشم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهوز العين بروزن استفعال چول الإستير، اف طلب رحت كردن (رحت طلب كرنا) باب اول صرف صغير ثلاثى مجردمهوز اللام بروزن فَعَلَ يَفْعِلُ چول الهذاءُ گواريدن كسراطعام (كسى كوكها ناراست آنا) باب دوم صرف صغير ثلاثى مجردم موزاللام بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول البَراءُ بيزار شدن (بيزار مونا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مجرد مهوز اللام بروزن فَعَلَ يَفْعُلُ چول الدَّناءَةُ فروما بيشدن (كمينهونا) باب جِهارم صرف صغير ثلاثي مجردمهوز اللام بروزن فَعَلَ يَفْعَلُ چول القِراءَ ةُوالقَرُهُ والقُرُانُ خواندن (براهنا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مجردمهموز اللام بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چِوں الجُرُءَةُ وليرشدن (وليرمونا) باب اول صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز اللام بروزن افعال چون الإبُراءُ بري ساختن (بري كرنا) باب دوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز اللام بروزن تفعيل چون التَّبُرءَ أُهُ برى شدن (برى كرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهم وزاللام بروزن مفاعله چول المُفاجاةُ كيرانا كاه گرفتن (كسي كواجاتك پكرنا) باب چہارم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهمهوزاللام بروزن تفعل چوں التَّبَدُّءُ برى شدن (برى مونا) باب پنجم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهموز اللام بروزن تفاعل چون التّواطُوُّ موافقت كرون (موافقت كرنا) باب شم صرف صغير ثلاثى مزيد فيمهموز اللام بروزن افتعال چون الإجُتِراءُ وليرى كردن (وليرى كرنا) باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيمهوز اللام بروزن انفعال چول الانطفاءُ فرومردن چراغ (چراغ كا بجه جانا) باب مشتم صرف صغير اللاقي مزيد في مهوز اللام بروزن استفعال چول الإستبراء طلب بيزاري كردن (بيزاري طلب كرنا)

## قوانين وابواب مضاعف

### قانون نمبر: ٧٨ تَتَرَّكَ والاقانون

جب ٹلا ٹی مجردیار باعی مجردیار باعی مزید فیہ کے شروع میں دوحروف ایک جنس کے جمع ہوجا کیں توان میں ادعام متنع ہے
جیسے طَطَمَ ، ضَضُرَ بَ اور تَتَدَدُ دُرَجُ اورا گر ٹلا ٹی مزید فیہ کے اول میں دوحروف ایک جنس کے جمع ہوجا کیں توادعا م جا کز ہے
مطلقاً یعنی ادعا م کی وجہ سے ہمزہ وصلی کی ضرورت ہوتو بھی جا کڑ ہے جیسے: تَتَدَّ کَ سے اِتَّدَّ کَ یانہ ہوجیسے: فَتَتَدَّ کَ سے فَتَدَّ کَ البت مثلاثی مزید فیہ کے مضارع میں ادعا م اس وقت جا کڑ ہے جب ہمزہ وصلی کی ضرورت نہ ہوجیسے: فَتَتَدَدَّ کُ سے فَتَدَدَّ کُ اورا گر ہمزہ وصلی کی ضرورت نہ ہوجیسے: فَتَتَدَدَّ کُ سے فَدَّدَ کُ مُیں ادعا م نا جا کڑ ہوگا جیسے تَتَدَدَّ کُ میں ادعا م نا جا کڑ ہے۔

## قانون نمبر٧٩: مَدُّ شَدُّ والاقانون

اورا گرایک جنس کے دوحروف کلمہ کے اول میں نہ ہوں اور ان میں پہلاساکن اور دوسر امتحرک ہوتو ادغام واجب ہے جیسے مَدُدٌ سے مَدُّ لیکن یا پچ شرا لَط کے ساتھ:

ا ـ وه دومتجانسين كلمه غير موضوع على التضعيف مين دو بهمز عنه بون احتر ازى مثال:قِرَهُ يُ جواصل مين قِرَهُ وتقال

٢- ان دومتجانسين مين بهلاحرف مائ وقف نه جواحر ازى مثال: غُرّه هِلَالِ جواصل مين غُرّة هِلَالِ تقا-

سران دومتجانسین میں پہلااسامده نه جو جو کسی جوازی قانون کی وجہ سے بنا ہو جیسے: دِیْدَا جواصل میں دِنْدَا تھا۔

٣- ان دومتجانسين ميں پہلاحرف ايسامده نه جو جو کلمه كة خرمين جواحر ازى مثال في يَوْم.

۵۔ادغام کی وجہ سے ایک وزن قیاسی دوسرے وزن قیاسی کے ساتھ ملتبس نہ ہوا حتر ازی مثال قُولِ اور تُـقُولِ (ازباب مفعلی مفاعلہ وتفاعل) کہ ادغام کی وجہ سے بیر قُولَ وَ تُقُولِ (ازباب تفعیل ) کے ساتھ ملتبس ہوتے ہیں۔

## قانون نمبر ٨٠: يَمُدُ والاقانون

اورا گردونوں متجانسین متحرک ہوں اور کلمہ کے آخر میں ہوں توان میں ادغام واجب ہے جیسے مَدَدَ سے مَدَّاور یَمُدُدُ سے یَمُدُّ کیکن نوشر الط کے ساتھ:

ا۔ متجانسین میں سے پہلا مغم فیہ نہ ہواحر ازی مثال جَبَّبَ۔

٢ متجانسين ميس سے كوئى حرف زائد برائے الحاق نه ہواحر ازى مثال جَلْبَبَ اور شَمْلَلَ ان ميں دوسرى بااور دوسرالام زائد برائے الحاق بيں۔

٣ متجانسين ميں سے پہلاحرف تائے افتعال ند ہوا حر ازى مثال إقتتال ـ

المدوه دومتجانسين باب إفعِلال كدوواونه بول احرازى مثال إرعوى جواصل مي إرعوق قاء

۵ متجانسين ميس يه كوئى حرف اعلال كالمقتضى نه بواحر ازى مثال قوى جواصل ميس قو وقاس

٢ ـ دوسر حرف كى حركت عارضى نه جواحر ازى مثال أرد دالقوفم ـ

٥ ـ وه دومتجانسين ايك كلمه مين بول احترازي مثال مَعُلُ لَبيئدِ ، البته الرحرف اول كاما قبل متحرك بوجيس لا تَأْمَنُهَا ، ياحرف اول كا

ماقبل لين غير مرغم موجيك تَوَبُ بِشُوِلوا دعام جائز موكا ورسمتنع موكا جيس مالُ لَمِيدِ-

٨ ـ وه دومتج نسين دويا نه بول احترازي مثال حَييَ اور رُ مُيكيان ـ

9۔وہ دومتج نسین ایسے اسم میں نہ ہوں جوان پانچ اوزان میں سے کسی ایک کے وزن پر ہو:ا۔ فَعَل جیسے سَبَبُ ۱۔ فِعِل جیسے دِدِدٌ اس میں نہ ہوں جوان پانچ اوزان میں سے کسی ایک کے وزن پر ہوتواس میں حرف مرغم کو پیاسے بدلنا اسے فُعُل جیسے دُسَر ہوتواس میں حرف مرغم کو پیاسے بدلنا واجب ہے جیسے دِنّا دُسے دِیۡنَادٌ اور شِدَّ ازْسے شِیۡدَ ازْاس شرط پر کہوہ اسم ، مصدر نہ ہواحر ازی مثال کِذَابٌ۔

باب اول صرف صغير الله في مجرد مضاعف الله في بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ جِول الفَرُّ والفِرارُ كَرِيخْتَن (بَعاكنا)

باب دوم صرف صغير ثلاثى مجردمضاعف ثلاثى بروزن فَعِلَ يَفْعَلُ چول العَضُّ چيزے رابدندان گرفتن (كسى چيز كودانتول سے پكرنا) باب سوم صرف صغير ثلاثى مجردمضاعف ثلاثى بروزن فَعَلَ يَفْعُلُ چول المَدُّ وَالْمُدُّ كشيدن (كھينچيا)

باب چهارم صرف صغير ثلاثى مجردمضاعف ثلاثى بروزن فَعُلَ يَفْعُلُ چول الحُبُّ والمَحَبَّةُ دوست داشتن (دوست بنانا) باب اول صرف صغير ثلاثى مزيد فيهمضاعف ثلاثى بروزن افعال چول الإمدادُ مددكردن (مددكرنا)

باب دوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ثلاثى بروزن تفعيل چول التَّقُلِيلُ اندك ساختن (كم كرنا)

باب سوم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ثلاثى بروزن مفاعله چول المُحابَّةُ بايك ديگردوسى داشتن (ايك دوسرے سے دوسى كرنا) باب جہار م صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ثلاثى بروزن تفعل چول التَّحَبُّبُ دوسى داشتن (دوسى ركھنا)

باب پنجم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه مضاعف ثلاثی بروزن تفاعل چول التّحابُّ با یک دیگردوسی کردن (ایک دوسرے سے دوسی کرنا) باب ششم صرف صغیر ثلاثی مزید فیه مضاعف ثلاثی بروزن افتعال چول الإمُتِدادُ دراز شدن (لمباہونا)

باب مفتم صرف صغير ثلاثي مزيد فيهمضاعف ثلاثي بروزن انفعال چون الإنسيدادُ بندشدن (بند مونا)

باب بشتم صرف صغير ثلاثى مزيد فيه مضاعف ثلاثى بروزن استفعال چول الإستيمَدادُ طلب مددكردن (مددطلب كرنا) باب اول صرف صغير رباعى مجرد مضاعف رباعى بروزن فَعُلَلَةٌ چول اَلدَّلُزَلَةُ مِنبانيدن (بلانا)

باب اول صرف صغيرر باعي مزيد فيهمضاعف رباعي بروزن تَفَعُلُل چول اَلتَّسَلُسُلُ بيوسته شدن (پيوسته مونا)

## ابوابمركبات

باب اول صرف صغير ثلاثى مجرد مهموز الفاء واجوف واوى مركب بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چِول اَلَّا وُبُ بازَّشْتن (واپس بونا)
باب دوم صرف صغير ثلاثى مجرد مهموز الفاء واجوف يائى مركب بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چِول اَلْا يُدُتُوى شدن (قوى بونا)
باب سوم صرف صغير ثلاثى مجرد مهموز الفاء وناقص واوى مركب بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چِول اَلْالُو ُ تَقْصِر كردن (كوتابى كرنا)
باب چِهارم صرف صغير ثلاثى مجرد مهموز الفاء وناقص يائى مركب بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چِول اَلْاَو يُ مُجْمَد شدن شير (مُهكانالينا)
باب چِهم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ومهموز العين مركب بروزن فَعَلَ يَفُعِلُ چِول اَلْهَوَ دُون دُون روز دن (زنده وفن كرنا)
باب شهم صرف صغير ثلاثى مجرد مثال واوى ومهموز العين مركب بروزن فَعِلَ يَفُعِلُ چِول اَلْهَا شُن ناامير شدن (نااميد مونا)

